खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

मेरठ, शनिवार 18 अप्रैल 2026 मेरठ संस्करण: वर्ष 19 अंक 316 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

अधिकतम :33°C
न्यूनतम: 19°C

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | बैसाख शुक्ल पक्ष 1 विक्रमी सम्वत् 2083 | 29 शव्वाल 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

उप्र में अपराध नियंत्रण के लिए 500 फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स तैयार पेज 2

बेंगलुरु-दिल्ली के बीच बड़े मुकाबले में विराट पर रहेंगी सबकी नजरें खेल टाइम्स

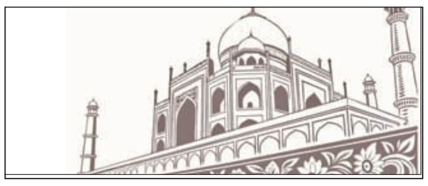

धरोहरों में धड़कता भारतीय इतिहास सम्पादकीय

ईरान से समझौते के लिए खुद पाकिस्तान जाएंगे ट्रम्प ! पेज 12

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोला, डोनाल्ड ट्रम्प बोले शुक्रिया

- लेबनान में युद्धविराम के बाद फैसला, लेकिन ईरान की नाकाबंदी जारी रहेगी
- जहाज एक सुरक्षित रास्ते से गुजरेंगे

तेहरान/वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और लेबनान में लागू युद्धविराम के बीच ईरान ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। ईरान ने सीजफायर के दौरान होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खोल दिया है।

विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सभी कमर्शियल जहाजों को गुजरने की इजाजत होगी। यह फैसला लेबनान में युद्धविराम के बाद लिया गया है। उन्होंने बताया कि जहाज एक सुरक्षित रास्ते से गुजरेंगे, जिसे ईरान के पोर्ट्स और मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने पहले से तय कर रखा है, ताकि सफर के दौरान कोई खतरा न हो। अराघची ने कहा कि इस दौरान जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि समुद्री व्यापार प्रभावित न हो। विदेश मंत्री के अनुसार, यह निर्णय युद्धविराम अवधि के शेष समय के लिए लागू रहेगा और पहले से घोषित समन्वित मार्ग के तहत सभी व्यापारिक जहाजों को गुजरने की अनुमति दी जाएगी। यह मार्ग ईरान के पोर्ट्स एंड मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन द्वारा निर्धारित किया गया है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में इस मार्ग को खोलने का निर्णय अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और शिपिंग उद्योग के लिए राहत भरा माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम क्षेत्रीय तनाव को कम करने और व्यापारिक स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ईरान को शुक्रिया कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही होर्मुज स्ट्रेट खुल गया है, लेकिन ईरान पर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी और यह सिर्फ ईरान पर लागू होगी। ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान अपने एनरिच्ड (संवर्धित) यूरेनियम का भंडार अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है।

ट्रम्प ने दिल्ली के एलजी बनने पर तरनजीत संधू को दी बधाई

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दिल्ली के उपराज्यपाल का पदभार संभालने पर तरनजीत संधू को बधाई दी।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि दिल्ली के नए उपराज्यपाल बनने पर तरनजीत संधू को बधाई। एक अनुभवी राजनयिक और अमेरिका में पूर्व राजदूत के रूप में तरनजीत संधू ने हमेशा अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने के लिए गहरी प्रतिबद्धता दिखाई है। दिल्ली की प्रगति का नेतृत्व करने और वैश्विक संबंधों को आगे बढ़ाने में उनकी सफलता की कामना करता हूं। तरनजीत सिंह संधू, जो दिल्ली के 21वें उपराज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं, फरवरी 2020 से जनवरी 2024 तक अमेरिका में भारत के 28वें राजदूत रहे।

भाजपा नेता की हत्या में कांग्रेस एमएलए को उम्रकैद

बेंगलुरु। कर्नाटक के भाजपा नेता योगेश गौड़ा गौदार हत्याकांड में बेंगलुरु के स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री विनय कुलकर्णी समेत 17 दोषियों को उम्रकैद की सजा दी है। कोर्ट ने सभी दोषियों पर 30-30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कर्नाटक के धारवाड़ में 15 जून 2016 को बीजेपी नेता और जिला पंचायत सदस्य योगेश गौड़ा की उनके जिम में हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में स्थानीय पुलिस ने जांच की, लेकिन राजनीतिक दबाव और आरोपों के चलते 2019 में मामला सीबीआई को सौंप दिया गया था।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में भीषण गर्मी का दौर शुरू, बांदा में पारा 44 डिग्री के पार

नई दिल्ली। देश के मैदानी राज्यों में भीषण गर्मी जारी है। यूपी के बांदा में पारा 44.4 डिग्री सेल्सियस, एमपी के नर्मदापुरम में 43 डिग्री सेल्सियस, राजस्थान के बाड़मेर में 42.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़ और हरियाणा में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच है। इधर, राजस्थान के हनुमानगढ़ में बारिश के साथ ओले गिरने से मंडी में रखा अनाज भीग गया। मौसम विभाग के मुताबिक, जयपुर समेत 5 से ज्यादा जिलों में बरसात हो सकती है। हरियाणा में भी शुक्रवार दोपहर को बारिश और ओले गिरे। छत्तीसगढ़ में हीटवेव के कारण 11 दिन पहले स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। मध्य प्रदेश के अनूपपुर-डिंडोरी में भी स्कूलों का समय बदलकर सुबह 7 से 12 बजे तक कर दिया गया है। गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड में अगले 3 दिन लू का अलर्ट है।

सबरीमाला मंदिर केस में 5वें दिन भी सुनवाई जारी रही

नई दिल्ली। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 5वें दिन भी सुनवाई जारी रही। याचिकाकर्ता की तरफ से एडवोकेट राजीव धवन ने कोर्ट से कहा कि आस्था या विश्वास समय के साथ हमेशा बदलते रहते हैं। यह बदलाव सिर्फ किसी कानून के बन जाने से नहीं आता, बल्कि यह बदलाव तो लोगों के बीच से ही उभरकर आता है। इससे पहले 9 जजों की बेंच ने 15 अप्रैल की सुनवाई में कहा था कि करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे मुश्किल कामों में से एक है। साथ ही यह भी कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। वहीं मंदिर प्रशासन त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने कहा कि सबरीमाला कोई खिलौने की दुकान या रेस्टोरेंट का मामला नहीं है। यहां के देवता ब्रह्मचारी हैं। भारत में अयप्पा के लगभग 1,000 मंदिर हैं। अगर महिलाओं को दर्शन करना है, तो वहां जाएं।

सेना को सशक्त बनाने व रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर बल

नई दिल्ली। सेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे सैन्य संघर्षों और ऑपरेशन सिंदूर के अनुभवों के आधार पर सेना को हर तरह से सशक्त बनाने तथा उसकी जरूरतों को देश में ही पूरा करने के लिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर बल दिया गया। सैन्य नेतृत्व ने मानव रहित हवाई प्रणालियों और ड्रोन रोधी प्रणालियों के उपयोग सहित संचालन क्षमता बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को वक्तव्य जारी कर कहा कि सेना के कमांडरों के 13 अप्रैल से शुरू हुए चार दिन के सम्मेलन की अध्यक्षता सेना प्रमुख ने की और इसमें शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने भाग लिया। सम्मेलन को कैबिनेट सचिव, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष, रक्षा सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष तथा नौसेना प्रमुख सहित सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने संबोधित किया। 'भविष्य के लिए तैयार बल' बनने के दृष्टिकोण के अनुरूप, सेना ने वर्ष 2026 को नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता का वर्ष घोषित किया है।

महिला आरक्षण से जुड़ा बिल गिरा

21 घंटे हुई बिल पर चर्चा , पक्ष में 298, विपक्ष में 230 वोट पड़े

54 वोट से गिरा बिल, 11 साल के शासन के दौरान पहली बार मोदी सरकार बिल पास नहीं करा पाई, बेअसर रही शाह की एक घंटा स्पीच

परिसीमन संशोधन संविधान बिल 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल 2026 पर सरकार ने वोटिंग कराने से किया इन्कार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल से जुड़े संविधान के 3 संशोधन बिल सरकार लोकसभा में पास नहीं करा पाई। 21 घंटे की चर्चा के बाद सबसे पहले संविधान संशोधन बिल पर वोटिंग हुई। संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026 के जरिये 850 सीटें करने का प्रावधान था। इसके पक्ष में 298, विपक्ष में 230 वोट पड़े।

लोकसभा में 528 सांसदों ने वोट डाले। बिलों को पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। 528 का दो तिहाई 352 होता है। इस तरह बहुमत नहीं मिलने से ये बिल 54 वोट से गिर गया। इसके बाद सरकार ने बाकी 2 बिल- परिसीमन संशोधन संविधान बिल 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल 2026 पर वोटिंग कराने से इन्कार कर दिया। 11 साल के शासन में यह पहला मौका जब मोदी सरकार सदन में कोई बिल पास नहीं करा पाई। इससे पहले अमित शाह ने एक घंटा स्पीच दी थी। कहा कि अगर ये बिल पास नहीं होते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी विपक्ष की होगी। देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनकी राह का रोड़ा कौन है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमने संविधान पर हुए इस हमले को हरा दिया है। हमने साफ तौर पर कहा है कि यह महिला आरक्षण बिल नहीं है, बल्कि यह भारत की राजनीतिक संरचना को बदलने का एक तरीका है। शाह ने कहा कि मैं टीवी पर विपक्ष के नेता का भाषण सुन रहा था। आपकी जिम्मेदारी है कि सदन की गरिमा बनी रही। वे कहते हैं कायर हैं, सरेंडर कर रहे हैं।

विपक्ष ने इसमें साथ नहीं दिया, बहुत खेद की बात: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने से जुड़ा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण विधेयक था। इसी पर यह नतीजा आया है। विपक्ष ने इसमें साथ नहीं दिया। बहुत खेद की बात है। आपने एक ऐतिहासिक मौका गंवा दिया। महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने का हमारा अभियान जारी रहेगा और हम उन्हें अधिकार दिलाकर ही रहेंगे।

देर रात जारी हुआ नोटिफिकेशन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' को 16 अप्रैल 2026 से लागू कर दिया था। संसद में गुरुवार से ही इसके संशोधन पर 3 दिनों के लिए बहस शुरू हुई। इस बीच, आधी रात को मूल कानून लागू करने का नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसका मतलब यह है कि महिला आरक्षण के जिस कानून में संशोधन की बात की जा रही है, वह लागू ही नहीं हुआ था। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, कानून में बदलाव तभी हो सकता है जब वह लागू हो चुका हो। अचानक सरकारी नोटिफिकेशन की यही वजह है।

पवन खेड़ा की ट्रांजिट अग्रिम जमानत बढ़ाने की मांग खारिज

- सुप्रीम कोर्ट ने किया स्पष्ट, वह मामले में दखल नहीं देगा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को बड़ा झटका देते हुए उनकी ट्रांजिट अग्रिम जमानत बढ़ाने की अर्जी ठुकरा दी है।

यह मामला असम पुलिस द्वारा असम के मुख्यमंत्री सरमा की पत्नी की शिकायत पर दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है। श्री खेड़ा का आरोप था कि श्री सरमा की पत्नी के पास अलग-अलग देशों के कई पासपोर्ट हैं। श्री खेड़ा की उस अर्जी को भी अदालत ने ठुकरा दिया, जिसमें उन्होंने ट्रांजिट जमानत को अगले मंगलवार तक बढ़ाने की मांग की थी, ताकि वह सोमवार को असम की अदालत में पेश हो सकें। यह घटनाक्रम शीर्ष अदालत द्वारा उनकी अग्रिम जमानत पर रोक लगाने के दो दिन बाद सामने आया है। यह अग्रिम जमानत उन्हें तेलंगाना उच्च न्यायालय ने दी थी। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और अतुल एस. चांदुरकर की पीठ ने टिप्पणी की कि यदि संबंधित अदालत काम नहीं कर रही है, तो मामले की सुनवाई के लिए अनुरोध किया जा सकता है, जिस पर मौजूदा चलन के अनुसार विचार किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया कि न तो वह और न ही तेलंगाना उच्च न्यायालय असम की उस अदालत के काम में कोई दखल देगा, जो पवन खेड़ा के खिलाफ मामले की सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि 5 अप्रैल को एक संवाददाता सम्मेलन में श्री खेड़ा ने आरोप लगाया था कि श्री सरमा के पास कई पासपोर्ट हैं और कई देशों में उनकी संपत्तियां हैं, जिनका जिक्र असम के सीएम ने अपने चुनावी हलफनामे में नहीं किया था।

उप्र सरकार ने श्रमिकों का न्यूनतम वेतन बढ़ाया

- एक अप्रैल 2026 से नई दरें लागू करने की अधिसूचना जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ । प्रदेश सरकार ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा समेत औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के विरोध और मजदूरी बढ़ाने की मांग के बाद न्यूनतम मजदूरी दरों में वृद्धि कर दी है। एक अप्रैल 2026 से नई दरें लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी गई है।

नई व्यवस्था के तहत प्रदेश को तीन श्रेणियों में बांटकर अलग-अलग मजदूरी दरें तय की गई हैं। सरकार के फैसले में नोएडा-ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद को श्रेणी-1 में रखा गया है, जबकि अन्य नगर निगम वाले जिले श्रेणी-2 और शेष जिले श्रेणी-3 में शामिल किए गए हैं। नई दरों के लागू होने से सबसे अधिक लाभ श्रेणी-1 के श्रमिकों को मिलेगा। नई दरों के अनुसार, गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में कुशल श्रमिकों का मासिक वेतन 13,940 रुपये से बढ़ाकर 16,868 रुपये कर दिया गया है, यानी करीब 3,288 रुपये की वृद्धि होगी। वहीं अर्द्धकुशल श्रमिकों का वेतन 12,445 रुपये से बढ़कर 15,059 रुपये और अकुशल श्रमिकों का वेतन 11,313 रुपये से बढ़कर 13,690 रुपये हो जाएगा। अन्य नगर निगम वाले जिलों में भी मजदूरी में बढ़ोतरी की गई है, जहां कुशल श्रमिकों का वेतन 16,025 रुपये तक पहुंचेगा। जबकि बाकी जिलों में कुशल श्रमिकों को 15,224 रुपये, अर्द्धकुशल को 13,591 और अकुशल को 12,356 प्रतिमाह मिलेंगे। इस तरह प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी न्यूनतम मजदूरी में कम से कम 1,300 रुपये से अधिक की वृद्धि सुनिश्चित की गई है। प्रदेश सरकार ने 13 अप्रैल को अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की थी, जिसने विभिन्न पक्षों से विचार-विमर्श के बाद संशोधित दरों की सिफारिश की। साथ ही श्रमिकों के वेतन से केवल ईपीएफ और ईएसआई की ही कटौती मान्य होगी। श्रम विभाग ने यह भी निर्देश दिए हैं कि श्रमिकों को ओवरटाइम का भुगतान दोगुनी दर से, साथ ही बोनस और ग्रेच्युटी का भुगतान नियमानुसार किया जाए। यदि किसी संविदाकार द्वारा समय पर वेतन नहीं दिया जाता या कम भुगतान किया जाता है, तो उस पर न केवल वसूली की कार्रवाई होगी, बल्कि लाइसेंस निरस्त कर ब्लैकलिस्ट भी किया जाएगा।

दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर

- इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कहा: ब्रिटिश नागरिकता की जांच करे सीबीआई

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

इसके बाद अब राहुल गांधी की मुश्किल बढ़ गई है। दोहरी नागरिकता के मामले में शुक्रवार को लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। यह मामला निचली अदालत के उस फैसले के खिलाफ है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया था। यूपी सरकार की तरफ से वकील ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई करे। इस पर जज ने मंजूरी दी। कहा कि एफआईआर करके मामले को सीबीआई को ट्रांसफर किया जाए। अब एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रकरण की जांच सीबीआई करेगी। गौरतलब है कि कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने यह याचिका दाखिल की थी। याची ने लखनऊ की विशेष एमपी/एमएलए अदालत के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की उसकी अर्जी खारिज कर दी थी।

गौतम अडानी बने एशिया के सबसे अमीर इंसान

अडानी की संपत्ति का शुद्ध मूल्य 92.6 अरब डॉलर आंका गया

- मुकेश अंबानी को पछाड़कर अडानी ने यह उपलब्धि हासिल की

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी एशिया के सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। ब्लूमबर्ग के दुनिया के 500 सबसे अमीर अरबपतियों के दैनिक सूचकांक में श्री अडानी की संपत्ति का शुद्ध मूल्य 92.6 अरब डॉलर आंका गया है।

पिछली सूची के बाद उनकी संपत्ति 3.56 अरब डॉलर बढ़ी है और वह दुनिया में 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। साथ ही वह एशिया के सबसे धनाढ्य व्यक्ति भी बन गए हैं। श्री अडानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। पिछली सूची के बाद श्री अंबानी की संपत्ति में 7.67 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ है और यह 90.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। वह वैश्विक सूची में अब 20वें स्थान पर हैं। इस सूची में पहले आठ स्थान पर अमेरिका का कब्जा है और ये सभी प्रौद्योगिकी कंपनियां हैं। जाने-माने उद्योगपति एलन मस्क 656 अरब डॉलर के साथ पहले स्थान पर हैं। उनके बाद क्रमशः लैरी पेज, जेफ बेजोस, सर्गेई ब्रिन और मार्क जुकरबर्ग रहे। शीर्ष 20 में अमेरिका के अलावा भारत के दो और फ्रांस, मेक्सिको तथा स्पेन की एक-एक कंपनियां शामिल हैं।

लगातार तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति चुने गए हरिवंश

- विपक्ष के सदस्यों को सभापति ने कुछ कहने की अनुमति नहीं दी

नई दिल्ली। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य हरिवंश को शुक्रवार को लगातार तीसरी बार उच्च सदन के उप सभापति के पद पर ध्वनिमत से चुन लिया गया।

नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने हरिवंश को उप सभापति चुने जाने का प्रस्ताव रखा, जिसका भारतीय जनता पार्टी की सदस्य एस. फांगनोन कोन्याक ने समर्थन किया। सदन ने इस प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया। वह इस पद पर लगातार तीसरी बार चुने गए हैं। प्रस्ताव रखे जाने के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने इस संबंध में कुछ कहना चाहा, लेकिन सभापति ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। विपक्ष की ओर से इस पद के लिए किसी का नामांकन नहीं किया गया था। यह पहला अवसर है, जब किसी मनोनीत सदस्य को सदन का उप सभापति चुना गया है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से बदली तकदीर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में कारगर साबित हो रही हैं। 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' के तहत मिल रही वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन से युवा न केवल अपना व्यवसाय शुरू कर रहे हैं, बल्कि रोजगार सृजन में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसी कड़ी में इटावा जनपद के गाड़ीपुरा निवासी बिलाल हसन ने इस योजना का लाभ उठाकर अपनी अलग पहचान बनाई है। बिलाल ने जिला उद्योग केंद्र से जानकारी प्राप्त कर योजना के तहत 10 लाख रुपये का ऋण हासिल किया और प्रिंटिंग प्रेस व फ्रलेक्स का कारोबार शुरू किया। शुरुआत में सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने मेहनत और लगन से अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया। आज उनका उद्यम स्थिर रूप से संचा. लित हो रहा है और वे प्रतिमाह 50 से 60 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने व्यवसाय के माध्यम से 5 अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराया है।

सिन्हा ने परशुराम जयंती पर शोभा यात्रा को दिखाई हरी झंडी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में जम्मू के चाणक्य चौक परेड से एक भव्य शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस जुलूस का आयोजन डोगरा ब्राह्मण प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित किया गया जिसमें भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के जीवन एवं शिक्षाओं का उत्सव मनाया गया। इससे पहले, उपराज्यपाल ने भगवान परशुराम को नमन किया और सभी के लिए शांति, प्रगति एवं समृद्धि की प्रार्थना की।

अपराध नियंत्रण के लिए 500 फॉरेंसिक एक्सपर्ट तैयार

प्रदेश के सभी 75 जिलों में 'साइबर सिघम' की एक सशक्त फौज तैयार की जा रही

शाह टाइम्स ब्यूरो

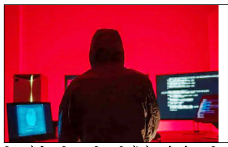

- प्रशिक्षित अधिकारी अपने-अपने जिलों और कमिश्नरेट में जाकर अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रशिक्षित करेंगे
- पूरे प्रदेश में फॉरेंसिक पुलिसिंग की मजबूत श्रृंखला विकसित होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अपराध नियंत्रण के लिए अब पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक जांच को बड़े पैमाने पर लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के सभी 75 जिलों में 'साइबर सिघम' की एक सशक्त फौज तैयार की जा रही है, जो अपराधियों पर शिकंजा कसने में अहम भूमिका निभाएगी।

इस दिशा में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) में बड़े स्तर पर क्राइम सीन एक्सपर्ट तैयार किए जा रहे हैं। पांच चरणों में 500 विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने की योजना के तहत अब तक 300 एक्सपर्ट तैयार किए जा चुके हैं, जबकि शेष दो बैचों का प्रशिक्षण जल्द पूरा होगा। इस पहल की खास बात यह है कि प्रशिक्षित अधिकारी अपने-अपने जिलों और कमिश्नरेट में जाकर अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रशिक्षित करेंगे। इससे पूरे प्रदेश में फॉरेंसिक पुलिसिंग की मजबूत श्रृंखला विक. सित होगी। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में ये एक्सपर्ट वर्कशॉप आयोजित कर आरक्षी से लेकर निरीक्षक स्तर तक के पुलिसकर्मियों को क्राइम सीन मैनेजमेंट, साइबर फॉरेंसिक और डिजिटल साक्ष्य संरक्षण की बारीकियां सिखाएंगे।

प्रशिक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को आधुनिक तकनीकों जैसे डिजिटल एविडेंस प्रिजर्वेशन, साइबर ट्रैकिंग, वैज्ञानिक सैंपलिंग और फॉरेंसिक विश्लेषण की गहन जानकारी दी जा रही है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि घटनास्थल पर पहुंचते ही हर पहलू को सटीक तरीके से सुरक्षित और विश्लेषित किया जा सके। संस्थान के संस्थापक निदेशक डा. जीके गोस्वामी के अनुसार तीन बैचों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है, जबकि चौथा बैच 27 अप्रैल से शुरू होगा। इसके बाद पांचवें चरण में सभी विशेषज्ञ तैयार कर लिए जाएंगे, जो प्रदेशभर में पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित करेंगे। राज्य सरकार की इस पहल से उत्तर प्रदेश में फॉरेंसिक आधारित पुलिसिग को नई धार मिलने की उम्मीद है। यह कदम प्रदेश को आधुनिक, तकनीक-सक्षम और मजबूत कानून-व्यवस्था वाले राज्य के रूप में और सुदृढ़ करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

मायावती ने फिर बोला कांग्रेस और सपा पर तीखा हमला

शाह टाइम्स ब्यूरो

- बसपा प्रमुख ने आरक्षण को लेकर साधा निशाना, लगातार अपना रुख बदलने का आरोप लगाया

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल एससी, एसटी और ओबीसी समाज के संवैधानिक अधिकारों के मुद्दे पर लगातार अपना रुख बदलते रहे हैं और अब महिला आरक्षण के नाम पर भी राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं।

मायावती ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में इन वर्गों के आरक्षण को पूरी तरह लागू करने की दिशा में कभी ठोस पहल नहीं की। उन्होंने ओबीसी आरक्षण के संदर्भ में मंडल आयोग की सिफारिशों का जिक्र करते हुए कहा कि इसे लागू कराने का श्रेय बसपा के प्रयासों और पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की सरकार को जाता है।

सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछड़े मुस्लिमों को ओबीसी का लाभ देने संबंधी आयोग की रिपोर्ट को सपा सरकार ने लंबे समय तक लागू नहीं किया, जबकि बसपा सरकार ने 1995 में इसे लागू किया था। उन्होंने आरा. ेप लगाया कि अब वही सपा राजनीतिक स्वार्थ के तहत महिलाओं के लिए अलग आरक्षण की बात कर रही है। महिला आरक्षण पर मायावती ने कहा कि परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस सत्ता में होती, तो वह भी भाजपा की तरह ही कदम उठाती।

अपने बयान में उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि देश में एससी, एसटी, ओबीसी और मुस्लिम समाज के वास्तविक हितों को लेकर कोई भी पार्टी पूरी तरह गंभीर नहीं रही है। उन्होंने इन वर्गों से अपील की कि वे किसी के बहकावे में न आएं और अपने हितों को ध्यान में रखते हुए आत्मनिर्भर बनें।

बीमार पिता से मिलने के लिए सांसद को रिहा करे केंद्रः कश्मीरी नेता

श्रीनगर, वार्ता

कश्मीर के राजनीतिक नेताओं ने केंद्र सरकार से अपील कर जेल में बंद सांसद इंजीनियर रशीद को गंभीर रूप से बीमार उनके पिता से मिलने देने के लिए मानवीय आधार पर रिहा करने का आग्रह किया है।

'अपनी पार्टी' अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से इंजीनियर रशीद की रिहाई पर विचार करने की अपील की। 'अपनी पार्टी' अध्यक्ष ने यह अपील श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल में इंजीनियर रशीद के बीमार पिता खाजिर मोहम्मद शेख से मुलाकात करने के बाद की। श्री बुखारी ने 'एक्स' पर कहा कि मैंने श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल में इंजी. नियर रशीद साहब के बीमार पिता खाजिर मोहम्मद शेख साहब से मुलाकात की। वह अपनी गंभीर बीमारी से जंग लड़ रहे हैं और उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। उनकी हालत अत्यंत चिंताजनक है और उनका परिवार बहुत ही मुश्किल और तकलीफदेह दौर से गुजर रहा है। इस मुश्किल घड़ी में हम उनके साथ खड़े हैं और अल्लाह से दुआ करते हैं कि वह खाजिर साहब को इस गंभीर स्थिति से पार पाने की हिम्मत दें। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से इंजीनियर रशीद को पैरोल देने की अपील करते हुए बुखारी ने लिखा, मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध करता हूं कि वे सांसद इंजीनियर रशीद को पैरोल देने पर विचार करें, ताकि वह अपने बीमार पिता और परेशान परिजनों के पास रह सकें।

राहुल ने संसदीय सीटों के परिसीमन विधेयक का किया कड़ा विरोध

देश का निर्वाचक मानचित्र बदलना चाहती है सरकार

नई दिल्ली, वार्ता

- विपक्ष के नेता ने कहाः यह 'देश द्रोह' है और विपक्ष इसे किसी कीमत नहीं होने देगा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार परिसीमन की आड़ में भारत का निर्वाचक मानचित्र बदल देना चाहती है, लेकिन इससे महिलाओं का सशक्तीकरण नहीं होने वाला है। गांधी ने संसदीय सीटों के परिसीमन विधेयक का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि यह 'देश द्रोह' है और विपक्ष इसे किसी कीमत नहीं होने देगा।

गांधी ने परिसीमन विधेयक 2026, संविधान (एक सौ इकतीसवां संशोधन) विधेयक 2026 और संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक 2026 पर हो रही चर्चा में शामिल होते हुए यह भी कहा कि सरकार लोक सभा सीटों का परिसीमन और विधायिका में महिलाओं का आरक्षण जिस तरह से देना चाहती है, वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलितों और अल्पसंख्यकों के हितों पर हमला है। विपक्षी सदस्य इसका कड़ा विरोध करते हैं। उन्होंने सत्ता पक्ष से कहा कि आप ओबीसी को, दलितों को हिन्दू तो कहते हैं, लेकिन सत्ता में उन्हें स्थान नहीं देते। आप इन्हें हिन्दू तो कहते हैं, लेकिन इन्हें कोई स्थान नहीं देते। कार्पोरेट में ओबीसी, दलित कहां हैं, शिक्षा क्षेत्र में वंचित वर्ग कहां है, निजी क्षेत्र में ओबीसी-दलित कहां हैं। सार्वजनिक क्षेत्र से वंचित वर्गों को हटाया जा रहा है। गांधी ने सरकार से कहा कि महिलाओं को विधायिका में आरक्षण देने वाला पुराना विधेयक लाइए, वह उसका समर्थन करेंगे।

उन्होंने कहा कि अतीत में ओबीसी, दलित और अल्पसंख्यकों के लोगों के साथ बहुत क्रूर बर्ताव किया गया। अब यह विधेयक लाकर उनके साथ बिल्कुल वही काम किया जा रहा है। ऐसा काम किया जा रहा है, जिससे पिछड़ों और दलितों के हाथ में सत्ता कभी न आने दी जाए। उन्होंने कहा कि मनुवाद संविधान पर हावी है।

परिसीमन के बाद राज्यों की लोकसभा सीटों में कमी होने की जताईआशंका

नई दिल्ली। लोकसभा में शुक्रवार को विपक्षी दलों ने परिसीमन विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि विधेयक के इस रूप में पारित होने से दक्षिण और छोटे राज्यों का लोकसभा में प्रतिनिधित्व कम होगा और उनके हक मारे जाने की आशंका बनी रहेगी। सदन में परिसीमन विधेयक 2026, संविधान (137वां संशोधन) विधेयक 2026 और संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक 2026 पर अधूरी रही चर्चा की शुरुआत करते हुए द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की कनिमोझी ने आज कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने परिसीमन के बाद राज्यों की बढ़ने वाली लोक सभा की सीटें बढ़ाने का जो सूत्र बताया है उसे भविष्य में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि परिसीमन के मामले में सरकार अपना एजेंडा लागू कर सकती है। परिसीमन आयोग की रिपोर्ट को नकारा भी जा सकता है। ऐसी स्थिति में न्याय कहां मिलेगा।

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 78493.54
निफ्टी 24353.55

सोना 152998
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

चांदी रु. 239934
प्रति किलो

शेयर बाजारों में तेजी, प्रमुख सूचकांक छह सप्ताह के उच्चतम स्तर पर

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को चौतरफा लिवाली देखी गई जिससे प्रमुख सूचकांक छह सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 504.86 अंक (0.65 प्रतिशत) चढ़कर 78,493.54 अंक पर पहुंच गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 156. 80 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार की समाप्ति पर 24,353.55 अंक पर रहा। यह दोनों सूचकांकों का छह सप्ताह का उच्चतम स्तर है। छोटी और मझौली कंपनियों में जबरदस्त लिवाली रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.25 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.27 प्रतिशत ऊपर बंद हुए। आईटी की 0.02 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में लिवाली हावी रही। एफएमसीजी का सूचकांक 2.65 प्रतिशत चढ़ गया। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, धातु, मीडिया, तेल एवं गैस और रियलटी समूहों में भी अच्छी तेजी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर में पौने पांच प्रतिशत का उछाल रहा। पावरग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बीईएल, टेक महिंद्रा, टाइटन, अडानी पोर्ट्स, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच चढ़े।

एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और भारती एयरटेल के शेयर भी हरे निशान में रहे। सनफार्मा का शेयर एक प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एलएंडटी में भी गिरावट रही।

चावल, गेहूं के दाम गिरे, दालों, खाद्य तेलों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल का औसत भाव गिर गया। चावल के साथ गेहूं भी सस्ता हुआ। चीनी में टिकाव देखा गया जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत छह रुपये घटकर 3,850 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं भी तीन रुपये सस्ता हुआ और 2,781 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत गत दिवस के स्तर पर टिकी रही। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव नजर आया। उड़द दाल की औसत कीमत 11 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई। तुअर दाल पांच रुपये और चना दाल चार रुपये महंगी हुई। मूंग दाल के दाम भी दो रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। मसूर दाल की कीमत लगभग पिछले कारोबारी दिवस पर ही रही। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जुलाई का पाम ऑयल वायदा 44 रिंगिट टूटकर 4,451 रिंगिट प्रति टन रह गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.58 प्रतिशत उतरकर 68.65 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सोया तेल की औसत कीमत 19 रुपये और पाम ऑयल की 13 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। सूरजमुखी तेल छह रुपये टूट गया। मूंगफली तेल और वनस्पति चार. चार रुपये सस्ता हुआ। सरसों तेल में तीन रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव दो रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। चीनी पिछले दिन के स्तर पर ही पड़ी रही।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल.दलहन: दाल चना 7696.66 रुपये, मसूर काली 8082.04 रुपये, मूंग दाल 10170.81 रुपये, उड़द दाल 10816.30 रुपये, तुअर दाल 11274.22 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2781.17 रुपये और चावल 3850.39 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3265.56 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चौहान के निर्देश पर अमानक बीज मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली, वार्ता

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से राजधानी दिल्ली में मध्यप्रदेश के धार और खरगोन जिले के किसानों ने मिलकर उनके समक्ष करेले की फसल में अमानक बीज और रोपाई से हुए भारी नुकसान का मामला रखा। इस पर सिंह ने कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए और दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उनके निर्देशों के बाद धार जिले के मनावर थाने में संबंधित कंपनी- नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। चौहान ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि किसानों के हित उनके लिए सर्वोपरि हैं। इन निर्देशों के बाद प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराएं 318(4) और 324(5), आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धाराएं 3 व 7 तथा बीज अधिनियम, 1966 की धारा 19 के तहत मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी में नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना को आरोपी के रूप में दर्ज किया गया है। किसानों की शिकायत है कि उन्होंने नवम्बर 2025 में विभिन्न नर्सरियों और कृषि सेवा केंद्रों से संबंधित इस कंपनी के बीज खरीदे थे, लेकिन बुआई और रोपण के बाद करेला फसल में अपेक्षित उत्पादन नहीं हुआ और फल छोटे, पीले होकर गिरने लगे। फसल उत्पादन में आई भारी गिरावट के बाद किसानों ने 17 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों द्वारा जांच की गई, जिसमें प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि अमानक बीज एवं अमानक बीज से तैयार रोपे किसानों को प्रमाणित बताकर बेचे गए, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचा।

पश्चिम बंगाल में फिर गरजेंगे योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

- उप्र के मुख्यमंत्री के कूचबिहार से लेकर बांकुड़ा तक ताबड़तोड़ कार्यक्रम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार फिर पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में उतरने जा रहे हैं। शनिवार को उनका दौरा बेहद अहम माना जा रहा है, जहां वे उत्तर से दक्षिण तक तीन जिलों में लगातार जनसभाएं और रोड शो कर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सबसे पहले कूचबिहार जिले के माथाभांगा विधानसभा क्षेत्र में दोपहर 12 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां वे भाजपा प्रत्याशी निशीथ प्रमाणिक के समर्थन में जनता से संवाद करेंगे। सीमावर्ती इस क्षेत्र में पार्टी अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में है और योगी की सभा को इस दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके बाद मुख्यमंत्री जलपाईगुड़ी जिले के धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्र पहुं. चेंगे, जहां दोपहर 1:20 बजे भाजपा उम्मीदवार नरेश चंद्र रॉय के समर्थन में जनसभा करेंगे। उत्तर बंगाल में पिछले चुनावों में मिली बढ़त को और मजबूत करने पर पार्टी का विशेष फोकस है। दिन के अंतिम चरण में मुख्यमंत्री बांकुड़ा पहुंचेंगे, जहां शाम 4:15 बजे भाजपा प्रत्याशी नीलाद्रि शेखर दाना के समर्थन में रोड शो करेंगे। जंगलमहल क्षेत्र के इस अहम जिले में इस रोड शो को शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है और स्थानीय स्तर पर इसकी व्यापक तैयारियां की गई हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हालिया रैलियों में उमड़ रही भारी भीड़ ने कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर दिया है। उनकी जनसभाओं में लोगों का उत्साह इस कदर देखने को मिल रहा है कि कार्यक्रम स्थल समय से पहले ही खचाखच भर जा रहे हैं।

जन समस्याओं का त्वरित समाधान कराएं अधिकारी: योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं और समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे 200 लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि घबराइए मत। सरकार, आपकी हर समस्या पर प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएगी।

कफ सिरप तस्करी मामले में शुभम जायसवाल समेत 18 के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप मामले में गुरुवार को कोतवाली पुलिस ने भगोड़े सरगना शुभम जायसवाल समेत 18 आरोपियों के खिलाफ माननीय न्यायालय में 38,000 पेज की चार्जशीट दाखिल कर दी है। दूसरी ओर, भगोड़े शुभम जायसवाल को देश लाने की कवायद भी तेजी से चल रही है। कोतवाली पुलिस ने कोडीनयुक्त कफ सिरप की अवैध बिक्री एवं तस्करी से जुड़े बड़े मामले में लगभग 38,000 पेज की चार्जशीट वाराणसी न्यायालय में दाखिल की है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त वाराणसी के अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई। मामला थाना कोतवाली कमिश्नरेट वाराणसी में मुक. दमा संख्या 235/2025 के तहत पंजीकृत है। आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 26(डी) के साथ ही बढ़ोत्तरी में धारा 61(2), 318(4), 336(3), 338, 340(2) बीएनएस तथा एनडीपीएस एक्ट की धाराएं 8, 21, 29 और 27ए के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस उपायुक्त काशी जोन के निर्देशन, अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली के नेतृत्व में यह चार्जशीट तैयार की गई है। इसमें कुल 18 अभियुक्त नामजद किए गए हैं, जिनमें एक फरार अभियुक्त भी शामिल है। प्रमुख अभियुक्त शुभम जायसवाल को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। अन्य प्रमुख अभियुक्तों में भोला प्रसाद जायसवाल, प्रतीक मिश्रा, विशाल कुमार सोनकर, प्रतीक कुमार, धर्मेंद्र कुमार अग्रवाल, आदित्य जायसवाल, राहुल यादव, हिमांशु कसेरा, आकाश पाठक, विकास सिंह, अंकित कुमार श्रीवास्तव, स्वप्निल केसरी, दिनेश यादव, आशीष यादव, महेश खेतान, बादल आर्या और विशाल कुमार जायसवाल शामिल हैं।

महिला पर अभद्र टिप्पणी, दो पक्षों में चले लाठी-डंडे

शादी समारोह में जा रही थी महिला, चार लोग घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। थाना ब्रह्मपुरी क्षेत्र में एक महिला से टिप्पणी और अभद्रता के विरोध में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में लाठी-डंडे चलने से चार लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना ब्रह्मपुरी क्षेत्र की एक महिला अपने परिवार के साथ थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र के मेवगढ़ी मजीदनगर में एक शादी समारोह में जा रही थी। रास्ते में खड़े एक युवक ने कथित तौर पर महिला के साथ टिप्पणी व अशोभनीय हरकत की। महिला द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी जिसके बाद मौके पर हंगामा हो गया। महिला के शोर मचाने पर उसके परिजन मौके पर पहुंच गए। इसी बीच, आरोपी पक्ष के लोग भी वहां आ गए

और दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। कहासुनी जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई, जिसमें लाठी-डंडे चले और क्षेत्र में अफरा-तफरी फैल गई। स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को शांत कराया और पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया।दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मेटलैब कार्यशाला में छात्रों ने सीखे आधुनिक कौशल

शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में 'मैटलैब एवं उसके अनुप्रयोग' पर कार्यशाला का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी), मोदीपुरम के यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में शुक्रवार को 'मैटलैब एवं उसके अनुप्रयोग' विषय पर एक विस्तृत एवं अत्यंत उपयोगी हैंड्स-ऑन कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक इंजीनियरिंग टूल्स, सिमुलेशन तकनीकों एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था।

इस कार्यशाला के विशेषज्ञ वक्ता मनोज कुमार, असिस्टेंट मैनेजर टेक्निकल, डिजाईनटेक सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को मेटलैब प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित कराया तथा सिमुलिंक मॉडल्स के माध्यम से जटिल समस्याओं के समाधान की प्रक्रियाओं को सरल तरीके से

समझाया। कार्यशाला के दौरान मशीन लर्निंग के विभिन्न अनुप्रयोगों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, मेटलैब की विभिन्न प्रोग्रामिंग भाषाओं जैसे पायथन, सी एवं वीएचडीएल के साथ कोम्पक्टिबिलिटी को भी स्पष्ट किया गया। विशेषज्ञ द्वारा सेंसर, मोबाइल, क्लाउड तथा वास्तविक समय (रियल-टाइम) डेटा को सिमुलिंक मॉडल्स के साथ जोड़ने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया, जिससे छात्रों को आधुनिक तकनीकों की गहरी समझ प्राप्त हुई।

इसके अतिरिक्त, मैथवर्क्स द्वारा उपलब्ध नि:शुल्क सर्टिफिकेशन प्रोग्राम्स की जानकारी भी दी गई, जिनके माध्यम से छात्र अपने तकनीकी कौशल को और सुदृढ़ कर सकते हैं। कार्यशाला में लाइव सिमुलेशन एवं प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विषयों को प्रभावी एवं रोचक बनाया गया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि छात्रों ने मेटलैब मोबा. इल ऐप के माध्यम से स्वयं अभ्यास किया, जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ और उनकी समझ और अधिक सशक्त हुई। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्रों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं प्रेरणादायक अनुभव बताया।

के.वी. पब्लिक के कक्षा 10 के बच्चों ने स्कूल का नाम किया रोशन

NOMINEE GAUTAM PERCENTAGE 98% | SAKSHI PERCENTAGE 97 % | AVNI PERCENTAGE 93 % | JAHANVI TANWAR PERCENTAGE 91.4 % | AARUSHI PERCENTAGE 90 %

शाह टाइम्स संवाददाता

परीक्षितगढ़। नगर में के.वी. पब्लिक स्कूल के कक्षा 10 के बच्चों का रिजल्ट शानदार रहा। बच्चों ने एक बार फिर अपनी मेहनत लग्न से स्कूल का नाम रोशन किया है। इसमें गांव रहदरा निवासी नोमिनी गौतम ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं साक्षी ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा व गांव पूठी निवासी अवनी ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। विषय वार नोमिनी गौतम ने हिंदी व आईटी में 98 प्रतिशत, अंग्रेजी में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं साक्षी ने गणित में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सामाजिक विषय में भी स्कूल का स्कोर 98 प्रतिशत रहा। परीक्षाफल घोषित होते ही स्कूल में खुशी का माहौल हो गया वहीं मेधावी बच्चों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। इससे स्कूल के अन्य बच्चों को भी प्रेरणा मिली। वहीं स्कूल के प्रधानाचार्य विनय गुप्ता ने सभी बच्चों व उनके अविभावकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये उनकी मेहनत और लग्न का ही परिणाम है जो देहात क्षेत्र के बच्चों ने नाम रोशन किया है। विद्यालय प्रबंधन व परिवार ने भी सभी को शुभकामनाएं दी।

स्टूडेंट सेवा समिति नेस्कूल संचालकों की मनमानी पर उठाए सवाल

मेरठ। शुक्रवार को स्टूडेंट सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष करार हुसैन ने स्कूलों में महंगी शिक्षा और एक्स्ट्रा चार्ज व स्कूल संचालक की मनमानी को लेकर शिक्षा विभाग अधिकारी से मिले। स्टूडेंट सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कार हुसैन व उनकी टीम ने महंगी बुक्स, ड्रेस, रजिस्टर, जूते जुराब, एक्स्ट्रा चार्ज, ट्रांसपोर्टेशन पेनल्टी, लेट पेनल्टी, बिल्डिंग चार्ज, री एडमिशन चार्ज, हर साल फीस बढ़ाना, क्वालिफाइड टीचर ना होना और एग्जाम के समय पर बच्चों को एग्जाम देने से रोकने पर स्कूल संचालकों पर कार्रवाई की बात की। प्राइवेट स्कूलों की कालाबाजारी व मनमानी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है उसके खिलाफ स्टूडेंट सेवा समिति के अध्यक्ष करार हुसैन द्वारा पिछले कई सालों से लड़ाई लड़ रहे है। इस मुद्दे को लेकर के जिसमें अभी तक कोई सुनवाई नहीं हो पाई है और अभिभावक परेशान हैं सभी के बच्चे प्राइवेट स्कूलों का शिकार बने हुए हैं जिस पर प्राइवेट स्कूल द्वारा पूरी तरह से लूटपाट मचा रखी है और अपनी मनमानी चलाते है नए-नए चार्ज लगा करके अभिभावकों को परेशान किया जा रहा है जिसकी वजह से बहुत बच्चे घर बैठे हुए उनकी पढ़ाई नहीं हो पा रही है। ऐसे सभी स्कूलों पर जांच कर कार्रवाई की जाए और बच्चों के भविष्य को बचाएं। वहीं अभिभावकों कहना है कि स्कूल संचालकों की मनमानी कब तक चलेगी और अधिकारी इन पर कार्रवाई क्यों नहीं करते।

भाजपा सरकार में ही महिला सशक्तिकरण को मिल रहा बढ़ावा: मनिंदरपाल सिंह

शाह टाइम्स संवाददाता

जानी खुर्द। शनिवार (आज) को जानी ब्लॉक में भाजपा का नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम आयोजित हो रहा है इसको लेकर भाजपा नेता मनिंदर पाल ने प्रेस कॉफ्रेंस आयोजित कर कहा कि यह कार्यक्रम केवल नारी शक्ति वंदन को ही नहीं दर्शाएगा बल्कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को भी मजबूत मंच देने का काम करेगा और इस कार्यक्रम में मंच से महिलाओं की मजबूत भागीदारी रहेगी।

शुक्रवार को जानी ब्लॉक में पत्रकारों बात करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता मनिंदर पाल सिंह ने बताया कि बागपत रोड स्थित ग्रीन लीफ रिजॉर्ट बनेगा शक्ति मंच और यह कार्यक्रम 4 बजे से शुरू होगा। आयोजन स्थल को लेकर तैयारियां तेज हैं और बड़ी संख्या में महिलाओं को भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य व भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी मौजूद रहेंगे उनके साथ-साथ क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जिला उपाध्यक्ष व जिला अध्यक्ष हरवीर पाल सिंह महिला मोर्चा अध्यक्ष मंजू शेट्टी भी मौजूद रहेगी। मनिंदर पाल ने कहा कि भाजपा सरकार में ही महिला

सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है भाजपा सरकार में ही महिलाओं पर अत्याचार कम हुए हैं जबकि अन्य सरकारों में महिलाओं पर रोज अत्याचार की घटनाएं देखने और सुनने को मिलती थी। वहीं मनिंदर पाल सिंह ने यह भी बताया है कि 19 अप्रैल को सिवाल खास विधानसभा में अंबेडकर जयंती का एक बड़ा प्रोग्राम किया जाएगा। इस दौरान मनिंदर पाल के साथ जानी ब्लॉक प्रमुख गौरव चौधरी, मनोज चौधरी आदि मौजूद रहे।

सीबीएसई 10वीं परीक्षा परिणाम में डीमोनफोर अकादमी का शानदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। घोषित हुए सीबीएसई कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में डी मोनफोर अकादमी के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय की छात्रा संस्कृति ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं परी ने 87.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा नवनीत ने 87.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. समीर वर्मा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत अनुशासन और निरंतर प्रयास का परिणाम है। उन्होंने सभी छात्रों को भविष्य में भी इसी लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के निदेशक डॉ. के.के. शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सही मार्गदर्शन से छात्र हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। विद्यालय की

निर्देशिका डॉ. गरिमा वर्मा ने सभी सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह परिणाम छात्रों की लगन और शिक्षकों के समर्पण का प्रमाण है। विद्यालय की उपप्रधानाचार्या रितु चिकारा ने कहा कि विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने सभी छात्रों को निरंतर प्रगति करते रहने का संदेश दिया। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

सुभारती विश्वविद्यालय में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पर विशेष व्याख्यान संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के 'लिबरल आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज' विभाग द्वारा वर्तमान युग के अत्यंत प्रासंगिक विषय 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पर एक गरिमामयी अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को नवाचार की कानूनी सुरक्षा और उसके वैश्विक महत्व से रूबरू कराया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. निशा राणा ने अपने प्रभावशाली व्याख्यान में आईपीआर के विविध पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क जैसे तकनीकी विषयों को अत्यंत सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के साथ साझा किया। डॉ. निशा ने रेखांकित किया कि कैसे एक छोटा सा विचार या मौलिक कृति कानूनी सुरक्षा के जरिए एक बड़ी संपदा में तब्दील हो सकती है। विभागाध्यक्ष डॉ. तारक नाथ प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन और डॉ. किरन रानी पंवार के सफल समन्वय में आयोजित इस सत्र में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रश्न-उत्तर सत्र के दौरान छात्रों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया, जिससे कार्यक्रम पूरी तरह संवादात्मक बना रहा। समन्वयक डॉ. किरन रानी पंवार ने अपने

संबोधन में कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक समय में आईपीआर की जानकारी विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं बौद्धिक विकास के लिए अपरिहार्य है। उन्होंने मुख्य वक्ता डॉ. निशा राणा का आभार व्यक्त करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. तारक नाथ प्रसाद के निरंतर सहयोग के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इस ज्ञानवर्धक सत्र के दौरान विभाग के प्राध्यापकगण और छात्र-छात्राओं में भारी उत्साह देखा गया। इस अवसर पर डॉ. अमृता चौधरी, डॉ. मोहिनी मित्तल, श्री कपिल तथा डॉ. शालिनी सिंह सहित अन्य फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता में अपना योगदान दिया।

फ्लिपकार्ट अब ऊबर की हर राईड पर देगा सुपरकॉईन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। भारत के होमग्रोन ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट ने भारत के प्रमुख मोबिलिटी प्लेटफॉर्म्स में से एक, ऊबर के साथ साझेदारी की है, जिसके अंतर्गत ऊबर की हर राईड पर फ्लिपकार्ट यूजर्स सुपरकॉईन प्राप्त कर सकेंगे। इस साझेदारी के साथ सुपरकॉईन का विस्तार लाईफस्टाईल लॉयल्टी प्रोग्राम तक हो गया है, जिससे यूजर्स को अपने दैनिक आवागमन के लिए सुपरकॉईन प्राप्त होंगे। इससे, एक तरफ, जहां पूरे भारत में लॉयल्टी सिस्टम के साथ रिवार्ड प्रोग्राम बनाने का फ्लिपकार्ट का लक्ष्य आगे बढ़ेगा, वहीं, दूसरी तरफ, ऊबर राईडर्स को अपनी दैनिक मोबिलिटी पर ज्यादा फायदा भी मिलेगा। गौरव अरोड़ा, वाईस प्रेसिडेंट, पेमेंट्स एंड सुपरकॉईन्स, फ्लिपकार्ट ने कहा सुपरकॉईन रोजमर्रा के उपयोग के दौरान एक व्यापक रिवार्ड प्रोग्राम के रूप में विकसित हो रहे हैं। मोबिलिटी में इनका विस्तार स्वाभाविक है। ऊबर के साथ इस साझेदारी द्वारा हम ग्राहकों के दैनिक लेन-देन को ज्यादा सुगमता से इंटीग्रेट कर सकेंगे।

फिजिक्सवाला छात्रों की सीबीएसई 10वीं बोर्ड 2026 में रिकॉर्ड सफलता

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। फिजिक्सवाला के कई विद्यार्थियों ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए। इनमें कुछ विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत अंक हासिल कर देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में पंजाब के फाजिल्का से वैभव अरोड़ा, गुजरात के अहमदाबाद से अमोलिक पंडिता और ओडिशा के भुवनेश्वर से आयुष्मान महापात्रा शामिल हैं जिन्होंने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, पीडब्ल्यू विद्यापीठ, जो फिजिक्सवाला के तकनीक-सक्षम ऑफलाइन केंद्र हैं, ने मेरठ में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में शहर के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। अपने अनुभव साझा करते हुए वैभव अरोड़ा ने कहा कि नियमित तैयारी, सतत अभ्यास और स्कूल व पीडब्ल्यू शिक्षकों के मार्गदर्शन ने मुझे पूर्ण अंक प्राप्त करने में मदद की। अमोलिक पंडिता ने बताया कि नियमित रिविजन और मॉक टेस्ट हल करना मेरे लिए 100प्रतिशत अंक लाने में बहुत सहायक रहा। आयुष्मान महापात्रा ने कहा कि अनुशासन बनाए रखते हुए एक सुव्यवस्थित अध्ययन योजना का पालन करना मेरी सफलता की कुंजी रहा।

सुभारती विवि में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्व. विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की विभिन्न इकाइयों द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में महिला सशक्तिकरण, समान अधिकार और सम्मान के प्रति जन-चेतना को बढ़ावा देना रहा। इस दौरान एनएसएस इकाई-1 एवं 2 द्वारा जागरूकता कार्यक्रम के तहत 'अब नारी चुप नहीं रहेगी' शीर्षक से एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। स्वयंसेवकों ने अपने सशक्त अभिनय के माध्यम से लिंग भेद, सामाजिक अन्याय और महिलाओं के विरुद्ध हिंसा जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। दर्शकों ने प्रस्तुति की सराहना करते हुए इसे जागरूकता फैलाने का प्रभावी माध्यम बताया। इसके अतिरिक्त इकाई-1 एवं 2 द्वारा पोस्टर निर्माण गतिविधि का भी आयोजन किया गया, जिसका संचालन कार्यक्रम अधिकारियों राम प्रकाश तिवारी एवं निशांत गौरव के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. अजीताभ दास

उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रो. डॉ. योगेंद्र पांडेय, प्रो. डॉ. ऋतेश चौधरी, प्रो. अशोक त्यागी (विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), डॉ. संतोष के. गौतम, डॉ. आशुतोष, डॉ. नेहा सिंह, डॉ. प्रीति सिंह तथा तरुण जैन शामिल रहे। इस दौरान स्वयंसेवकों ने आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से महिलाओं के अधिकार, सम्मान और समानता का संदेश प्रस्तुत किया। एनएसएस इकाई-3 एवं 4 द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विशाल सिंह एवं लक्ष्मीकांत शर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान भाषण, चर्चा एवं जन-जागरूकता गति. विधियों के माध्यम से अधिनियम के महत्व पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने इसे महिलाओं को समान अधिकार, सुरक्षा एवं सामाजिक सम्मान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प लिया। इसी क्रम में एनएसएस इकाई-3 एवं 4 द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में एक व्यापक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें लगभग 300 विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इस अभियान में एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारियों राम प्रकाश तिवारी, निशांत गौरव, लक्ष्मीकांत शर्मा, डॉ. विशाल सिंह एवं डॉ. शौर्य तौलियान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विवि की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शल्या राज ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। वहीं, एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अमित कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करते हैं। इन सभी गतिविधियों ने यह स्पष्ट किया कि आज की नारी सशक्त है, जागरूक है और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने को तैयार है। सुभारती विवि के एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी ने इन कार्यक्रमों को सफल एवं सार्थक बना दिया।

मासूम शर्मा की फिल्म लाइसेंस का डांस ट्रैक रिलीज

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मासूम शर्मा अभिनीत हरियाणवी फिल्म लाइसेंस के ट्रैक 'गच लागे' और 'लाइसेंस का असला' को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद, निर्माताओं ने अब 'गुंड्यां में बसंती' नामक एक हाई-एनर्जी डांस नंबर पेश किया है। इस गाने में लोकप्रिय डांसिंग सेंसेशन गोरी नागोरी के साथ-साथ मासूम शर्मा और अनुभवी अभिनेता यशपाल शर्मा की शानदार मौजूदगी है। अभिनेता, संगीतकार और गायक मासूम शर्मा ने कहा कि पिछले गानों के लिए हमें जो प्रतिक्रिया मिली है वह जबरदस्त रही है, मुझे पूरा विश्वास है कि हरियाणवी संगीत के प्रशंसक इस ट्रैक का भरपूर आनंद लेंगे और इसे उतना ही प्यार देंगे जितना उन्होंने हमारी पिछली रिलीज को दिया है।

धूमधाम से निकाली परशुराम शोभायात्रा

■ ग्राम खजूरी में हुआ आयोजन, सैकड़ों लोगों ने लिया भाग

शाह टाइम्स संवाददाता

परीक्षितगढ़। थाना क्षेत्र के ग्राम खजूरी में शुक्रवार को परशुराम शोभायात्रा धूमधाम हर्लोउल्लास के साथ निकाली गई जिसमें सैकड़ो लोगों ने भाग लिया। ग्राम खजूरी में हर वर्ष की भांति शुक्रवार को परशुराम शोभा यात्रा निकाली गई जिसका उद्घाटन प्रांत मंत्री राजकुमार डूंगर विनोद शर्मा व संयोजक सोनू त्यागी ने तिलक कर किया जिसमें गांव व क्षेत्र के सैकड़ो लोगों ने भाग लिया शोभायात्रा खजूरी मोड़ से मेरठ रोड होती हुई शिव मंदिर अंबेडकर चौपाल डेरी मोड होती हुई गांव के शिव मंदिर पर संपन्न हुई जिसमें ट्रैक्टर ट्रॉली में परशुराम की बड़ी सी मूर्ति सजी हुई थी तथा डीजे के साथ-साथ काफी संख्या में ट्रैक्टर भी रहे। डीजे की धुन पर युवक नाच गाते चल रहे थे जगह-जगह ग्राम वासियों ने शोभायात्रा का फूल मालाओं से स्वागत किया वहीं थाना पुलिस ने मुस्तैद रहकर शोभा यात्रा संपन्न कराई। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य पीलू त्यागी, अतुल त्यागी, अंकित धामा, राजेंद्र त्यागी, कपिल त्यागी, डॉ. अरुण प्रजापति, साधु भड़ाना, रक्षित नितिन आदि मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में हुई जिला सैनिक बंधु की मासिक बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। पूर्व सैनिक एंव शहीद व दिवंगत सैनिकों की पत्नियों तथा उनके आश्रितों की समस्याओं निस्तारण हेतु जिला सैनिक बन्धु की मासिक बैठक जिलाधिकारी मेरठ के द्वारा नामित अपर उप जिलाधिकारी मेरठ सत्य प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार मेरठ में आयोजित की गयी। बैठक में भूमि संबंधी शिकायतों, विवादो तथा पुलिस से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। कुल 11 आवेदन प्राप्त हुए जिन्हे संबधित विभागों को कार्यवाही हेतु भेज दिया गया। उपस्थित पूर्व सैनिको ने अपर उप जिलाधिकारी मेरठ का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मामलों को सुना। बैठक में भूतपूर्व सैनिक श्री अनिल कुमार चौहान द्वारा जमीन पर कब्जा एवं सुरक्षा के सम्बन्ध में, भूतपूर्व सैनिक वीर सिंह द्वारा अपने परिवार की जान माल की सुरक्षा प्रदान कराने, भूतपूर्व सैनिक गौहर अली खान को बैंक मकान के कागज नहीं देने, भूतपूर्व सैनिक की पत्नि सीमा खोखर के घरेलू विवाद और कार्यरत सैनिक की लम्बित मामलों पर चर्चा की गई।

लावड़ में खाटू श्याम के भंडारे का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

लावड़। कस्बे में जमालपुर मार्ग पर स्थित खाटू श्याम बाबा के मंदिर के तत्वाधान में आयोजकों ने भंडारे का आयोजन किया भंडारे का आयोजन सैनी चौराहे पर किया गया जिसमें भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान खाटू श्याम बाबा मंदिर के सेवक सोनू भगत जी, कपिल सैनी, हजारी लाल सैनी, ओमकार जाटव, पंकज सैनी, बबलू, रिंकू, सागर, शंकर, आकाश आदि मौजूद रहे।

☛ रेलयात्री कृपया ध्यान दें! ☚

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि-2026

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु पूर्व घोषित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के साथ-साथ रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ भी नीचे दी गई समय-सारणी के अनुसार संचालित की जायेंगी:-

04008/04007 आनन्द विहार (ट) - जोगबनी - आनन्द विहार (ट) आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 24 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04008 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04007 आगमन	प्रस्थान
----	08:30	आनन्द विहार (ट)	03:00	----
15:00	----	जोगबनी	----	18:30

चलने के दिन: 04008 आनन्द विहार (ट) से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 18.04.2026 से 11.07.2026 तक (23.05.2026 को छोड़कर) एवं 04007 जोगबनी से प्रत्येक रविवार को दिनांक 19.04.2026 से 12.07.2026 तक (24.05.2026 को छोड़कर)।
ठहराव: गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नवगछिया, कटिहार जं., पूर्णियाँ जं., अररिया कोर्ट एवं फारबिसगंज जं. स्टेशन।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर एवं शयनयान।

04072/04071 नई दिल्ली - सुपौल जं. - नई दिल्ली आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 170 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04072 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04071 आगमन	प्रस्थान
----	21:35	नई दिल्ली	15:00	----
06:35	----	सुपौल जं.	----	07:45

चलने के दिन: 04072 नई दिल्ली से दिनांक 15.07.2026 तक (21.05.2026 से 25.05.2026 को छोड़कर) एवं 04071 सुपौल जं. से दिनांक 18.04.2026 से 16.07.2026 तक (22.05.2026 से 26.05.2026 को छोड़कर)।
ठहराव: गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., गोविन्दपुरी, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., सिमरी बख्तियारपुर एवं सहरसा जं. स्टेशन।
स्थान: वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04002/04001 हजरत निजामुद्दीन - दादर - हजरत निजामुद्दीन आरक्षित सुपरफास्ट विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 26 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04002 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04001 आगमन	प्रस्थान
----	23:45	हजरत निजामुद्दीन	21:35	----
22:40	----	दादर	----	00:15

चलने के दिन: 04002 हजरत निजामुद्दीन से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 21.04.2026 से 14.07.2026 तक एवं 04001 दादर से प्रत्येक गुरुवार को दिनांक 23.04.2026 से 16.07.2026 तक।
ठहराव: कोसी कलां, मथुरा जं., गंगापुर सिटी, कोटा जं., रतलाम जं., वडोदरा जं., सूरत एवं बोरीवली स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता, वाता-2 टीयर एवं वाता-3 टीयर।

04028/04027 आनंद विहार (ट) - मुजफ्फरपुर जं. - आनंद विहार (ट) आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04028 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04027 आगमन	प्रस्थान
----	09:15	आनंद विहार (ट)	05:30	----
04:30	----	मुजफ्फरपुर जं.	----	06:15

चलने के दिन: 04028 आनंद विहार (ट) से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 24.04.2026 से 15.05.2026 तक एवं 04027 मुजफ्फरपुर जं. से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 25.04.2026 से 16.05.2026 तक।
ठहराव: मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., छपरा, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं. स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता, वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर एवं शयनयान।

04030/04029 आनंद विहार (ट) - मुजफ्फरपुर जं. - आनंद विहार (ट) आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 26 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04030 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04029 आगमन	प्रस्थान
----	09:00	आनंद विहार (ट)	05:30	----
04:30	----	मुजफ्फरपुर जं.	----	06:15

चलने के दिन: 04030 आनंद विहार (ट) से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 22.04.2026 से 15.07.2026 तक एवं 04029 मुजफ्फरपुर जं. से प्रत्येक गुरुवार को दिनांक 23.04.2026 से 16.07.2026 तक।
ठहराव: मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., छपरा, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं. स्टेशन।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर एवं शयनयान।

04088/04087 नई दिल्ली - दानापुर - नई दिल्ली आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 164 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04088 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04087 आगमन	प्रस्थान
----	15:50	नई दिल्ली	13:30	----
12:45	----	दानापुर	----	15:10

चलने के दिन: 04088 नई दिल्ली से दिनांक 20.04.2026 से 15.07.2026 तक (21.05.2026 से 25.05.2026 को छोड़कर) एवं 04087 दानापुर से दिनांक 21.04.2026 से 16.07.2026 तक (22.05.2026 से 26.05.2026 को छोड़कर)।
ठहराव: टूण्डला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एव आरा स्टेशन।
स्थान: वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04616/04615 फिरोजपुर कैंट जं. - पटना जं. - फिरोजपुर कैंट जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 26 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04616 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04615 आगमन	प्रस्थान
----	12:00	फिरोजपुर कैंट जं.	23:55	----
18:35	----	पटना जं.	----	20:20

चलने के दिन: 04616 फिरोजपुर कैंट जं. से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 21.04.2026 से 14.07.2026 तक एवं 04615 पटना जं. से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 22.04.2026 से 15.07.2026 तक।
ठहराव: मोगा, लुधियाना, अंबाला कैंट जं., यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर जं., रुड़की, नजीबाबाद जं., मुरादाबाद जं., बरेली जं., शाहजहांपुर जं., हरदोई, बालामऊ जं., आलम नगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., जंघई जं., वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, रघुनाथपुर, आरा एवं दानापुर स्टेशन।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04086/04085 मेरठ सिटी जं. - खड़गपुर - मेरठ सिटी जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04086 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04085 आगमन	प्रस्थान
----	23:00	मेरठ सिटी जं.	17:30	----
04:15	----	खड़गपुर	----	15:45

चलने के दिन: 04086 मेरठ सिटी जं. से दिनांक 19.04.2026 एवं 26.04.2026 को एवं 04085 खड़गपुर से दिनांक 21.04.2026 एवं 28.04.2026 को।
ठहराव: हापुड़ जं., खुर्जा जं., अलीगढ़ जं., गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ओन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., पहाड़पुर, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जं. गोमो, महुदा जं., भोजूडीह जं., आद्रा, बांकुड़ा, बिष्णुपुर एवं मिदनापुर स्टेशन।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04078/04077 दिल्ली जं. - न्यू जलपाईगुड़ी - दिल्ली जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04078 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04077 आगमन	प्रस्थान
----	23:55	दिल्ली जं.	16:10	----
07:30	----	न्यू जलपाईगुड़ी	----	10:30

चलने के दिन: 04078 दिल्ली जं. से दिनांक 18.04.2026 को एवं 04077 न्यू जलपाईगुड़ी से दिनांक 20.04.2026 को।
ठहराव: गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर जं., बरौनी जं., खगड़िया जं., नवगछिया, कटिहार जं., बारसोई जं. एवं किशनगंज स्टेशन।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04514/04513 चंडीगढ़ - हावड़ा जं. - चंडीगढ़ आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04514 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04513 आगमन	प्रस्थान
----	23:45	चंडीगढ़	19:20	----
06:30	----	हावड़ा जं.	----	09:00

चलने के दिन: 04514 चंडीगढ़ से दिनांक 18, 22 एवं 27.04.2026 को एवं 04513 हावड़ा जं. से दिनांक 20, 24 एवं 29.04.2026 को।
ठहराव: अंबाला कैंट, सहारनपुर जं., मुरादाबाद जं., बरेली जं., शाहजहांपुर जं., आलम नगर, उतरेटिया जं., सुल्तानपुर, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., गया जं., कोडरमा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जं. गोमो, आसनसोल, बर्द्धमान एवं बंडेल जं. स्टेशन।
स्थान: वाता-3 टीयर एवं शयनयान।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.govin अथवा NTES ऐप देखें।

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
www.nr.indianrailways.gov.in
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आयरन डिफिशिएंसी की सही समय पर जांच कराके करें इलाज: डॉक्टर

डॉ. दिव्यांशु सेंगर

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाओं में आयरन की कमी तेजी से बढ़ रही है। जिसको लेकर लाला लाजपत रॉय मेडिकल कोलिज के डॉक्टर दिव्यांशु ने जनकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे के अनुसार 15 से 49 वर्ष की महिलाओं में अनैमिया की दर फिफ्टी, 7 प्रतिशत और पुरुषों में 25 प्रतिशत है। ऐसे में यदि आप बिना वजह थकान महसूस कर रही हैं, आपको चक्कर आते हैं या चेहरे की चमक फीकी पड़ रही है तो यह आयरन डिफिशिएंसी के लक्षण हो सकते हैं। डॉ. दिव्यांशु सेंगर मेडिकल ऑफिसर ने बताया कि 15 से 49 वर्ष की 68.4 पृथसत भारतीय महिलाएं इनामिक हैं। यह आंकड़ा आधे से अधिक होने के कारण भारत में स्थिति ज्यादा गंभीर है। 1.92 अरब लोग आयरन की कमी और एनीमिया से प्रभावित हैं। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की है 30 से 33 प्रतिशत महिलाएं दुनियाभर में प्रजनन आयु 15 से 49 वर्ष में एनीमिया से ग्रस्त हैं

क्यों जरूरी है आयरन शरीर के लिए

आयरन शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व है जो हिमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है। हिमोग्लोबिन खून के जरिए ऑक्सीजन को पूरे शरीर में पहुंचाता है और ऊर्जा बनाए रखता है। आयरन मस्तिष्क के विकास, रोग प्रतिरोधक क्षमता और शरीर की कार्यक्षमता के लिए भी महत्वपूर्ण है।आयरन डिफिशिएंसी की वजह से ये सभी कार्य प्रभावित होते हैं।

आखिर क्यों होती है आयरन की कमी शरीर में

आयरन की कमी आज आम समस्या बन गई है। इसकी सबसे बड़ी वजह है संतुलित और पौष्टिक आहार की कमी और उसका 7 न करना, खासकर महिलाओं में मासिक धर्म के दौरान अधिक रक्तस्राव से आयरन की कमी हो जाती है। इसके अलावा, महिलाओं को गर्भावस्था में शरीर को अतिरिक्त आयन की आवश्यकता होती है, वहीं पाचन संबंधी समस्याएं भी आयरन के सही अवशोषण में बाधा डालती है। ऐसे में आपके लिए आयरन से भरपूर पौष्टिक आहार और सही देखभाल बहुत जरूरी है

आयरन डिफिशिएंसी के क्या होते हैं लक्षण

शरीर में आरण डिफिशिएंसी के लक्षण धीरे-धीरे सामने आते हैं जो थकान, कमजोरी, चक्कर आना और सांस फूलने जैसी परेशानियों के साथ दिखते हैं। साथ ही इसकी कमी से त्वचा पीली पड़ सकती है और बाल झड़ने की समस्या भी दिखाई देती है। कई मामलों में, सिरदर्द, दिल की धड़कन, तेज होना

सपा डेलीगेशन को पुलिस ने नोएडा जाने

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा/नोएडा। नोएडा में पीड़ित श्रमिकों की समस्याओं को जानने के लिए नोएडा जाने से पूर्व सपा के दस सदस्य डेलीगेशन को पुलिस ने रास्ते में रोक लिया तथा उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस लाइन ले जाया गया।

बताते चलें कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के दस सदस्य डेलीगेशन को नोएडा में चल रहे श्रमिकों के आंदोलन की हकीकत जानने के लिए वहां भेजा था। इस डेलीगेशन में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, पूर्व मंत्री एवं कांठ विधायक कमाल अख्तर, पूर्व विधायक सुधीर

VASTU HOUSING FINANCE

वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
यूनिट 203 और 204, दूसरी मंजिल, 'ए' विंग, नवभारत एस्टेट, जकारिया बंदर रोड, सेवरी (पश्चिम), मुंबई 400015, महाराष्ट्र, सीआईएन नंबर: U65922MH2005PLC272501

अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के प्रावधान के साथ पढ़ी जाती है।
इसके द्वारा आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं) को नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियों को सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी रखा गया है, जिसका भौतिक कब्जा वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की इसके बाद वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है। सुरक्षित संपत्तियां ई-नीलामी के माध्यम से "जैसा है जहां है", "जैसा है जो है" और "जो कुछ है" के आधार पर बेची जाएंगी।
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हम वेबसाइट https://sarfaesi.auctiontiger.net के माध्यम से सार्वजनिक ई-नीलामी आयोजित करने जा रहे हैं।

क्र. सं.	उधारकर्ता, सह-उधारकर्ता का नाम और खाता संख्या	तिथि एवं राशि अनुसार धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस और भौतिक कब्जे की दिनांक	संपत्ति/संपत्तियों का विवरण	आरक्षित मूल्य, बयाना राशि जमा (रुपये में)	ई-नीलामी की तिथि और समय, ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि, निरीक्षण की तिथि
1	एलपी0000000104183 मुस्तकीम (उधारकर्ता) सलीम (सह-उधारकर्ता) साहजान (सह-उधारकर्ता)	डिमांड नोटिस दिनांक 21/नवम्बर/25 और धनराशि रू. 1815495/- 03/नवम्बर/25 तक + ब्याज लागत आदि और 16/फरवरी/26	प्रॉपर्टी इलाकी एक आवासीय मकान नं. 173, क्षेत्रफल 194 वर्ग गज या 162.20 वर्ग मीटर, उत्तर प्रदेश- 25001	रू. 5119380/- रू. 511938/-	19/मई/2026 समय सुबह 10:00 से दोपहर 12:00 तक, 18/मई/2026 शाम 5:00 बजे तक, 02/मई/2026

1. सभी इच्छुक प्रतिभागियों/बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे वेबसाइट https://sarfaesi-auctiontiger-net पर जाएं। ई-नीलामी पर विवरण, सहायता, प्रक्रिया और ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए, संभावित बोलीदाता एम/एस ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क कर सकते हैं लिमिटेड (नीलामीकर्ता) पता: प्रधान कार्यालय: बी-706, वॉल स्ट्रीट II, ओरिएंट क्लब के सामने, गुजरात कॉलेज के पास, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद - 380 006 गुजरात (भारत)। संपर्क व्यक्ति: श्री राम शर्मा संपर्क नं. 8000023297/9265562818/9265562821/079-68136842/6869। ईमेल आईडी: ramprasad@auctiontiger.net, support@auctiontiger.net
2. ई-नीलामी में भाग लेने के लिए नियम और शर्तों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया https://sarfaesi.auctiontiger-net पर जाएं।
3. संपत्ति के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया अधिकृत अधिकारी रमन जोशी/सौरभ पाठक से संपर्क करें। संपर्क नंबर: 7838293620/9216986668

यह सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत एक वैधानिक 15 दिन की बिक्री सूचना भी है।

दिनांक: 18.04.2026
स्थान: चंडीगढ़

प्राधिकृत अधिकारी,
वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०

नाबालिग से कुकर्म में बाल अपचारी गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

रजबपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग छात्र से कुकर्म के प्रयास में पुलिस ने बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुरुवार को हिरासत में लेकर न्यायिक प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद उसे बाल सुधार गृह भेज दिया।

घटना मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे की है। क्षेत्र के एक गांव निवासी 10 वर्षीय छात्र, जो कक्षा 7 में पढ़ता है, को गांव का ही एक किशोर बहला-फुसलाकर पंचायत भवन के बाथरूम में ले गया था। उसने छात्र के साथ कुकर्म का प्रयास किया था। पीड़ित छात्र ने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती बता दी थी। घटना सामने आने के बाद पीड़ित के पिता ने रजबपुर थाने में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर तत्काल पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। रजबपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साक्ष्य जुटाए और गुरुवार को बाल अपचारी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपी बाल अपचारी को हिरासत में लेकर न्यायिक प्रक्रिया पूरी की, कोर्ट में पेश करने के बाद उसे बाल सुधार गृह भेज दिया।

मेरी B.Tech वर्ष 2017 डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश की डिग्री Serial No. B.TECH/2017/31126, Enrollment No. 132311036540, Roll No. 1323110065 वास्तव में कहीं खो गई है। -नइयर आज़म पुत्र खुर्शीद अहमद अंसारी निवासी ग्राम नवाबगंज, पोस्ट मटपा, थाना कुटुम्बा, महारजगंज, औरंगाबाद, बिहार 82411, मोबाइल नं. 7417517302

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, हस्तिनापुर, मेरठ

पत्रांक: 23/लेखा/सां०नि०/2026-27 | दिनांक : 16/04/2026

ई-प्रयोक्योरमेन्ट-निविदा सूचना

महामहिम श्री राज्यपाल उ०प्र० की ओर से खण्ड विकास अधिकारी हस्तिनापुर-मेरठ के द्वारा ग्रा०अ०वि० उ0प्र0 में ए०बी०सी०व डी श्रेणी की लागत की सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दूर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है । निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है।

1-कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्न प्रकार है

क्र० सं०	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) without GST	जमानत राशि 5 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	ग्राम सैफपुर फिरोजपुर मे श्री कुलविन्दर सिंह पुत्र श्री जसवंत सिंह के मकान से श्री कमलजीत मागट पुत्र श्री दीदार सिंह के मकान तक इन्टरलाकिंग टाईल्स निर्माण कार्य । लम्बाई 82 मी०	14.05	70000.00	1500.00	3 माह
2.	ग्राम रानी नंगला मे संजीव मा० के घेर से सौरण सिंह के घर तक सी०सी० व नाली निर्माण कार्य । लम्बाई 220 मी०	19.47	97000.00	2000.00	3 माह

2- वैबसाइट पर बिडडाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 18.04.2026
3- ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय 28.04.2026 को 12:00 बजे तक।
4- ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 28.04.2026 को 02:00 बजे तक।
5- निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लांज-9 के अनुसार परिषिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकारी है जो किसी भी समाचार पत्र मे प्रकाशित नही किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओ को सलाह दी जाती है कि वि नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखे। अधिक जानकारी के लिए कृपया बैबसाइड http//etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिडडाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करे ।
ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय 28.04.2026 12:00 बजे तक।

खण्ड विकास अधिकारी
हस्तिनापुर-मेरठ

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, रजपुरा-मेरठ

पत्रांक: 194/लेखा/सां.नि./2026-27 | दिनांक: 16.04.2026

ई-प्रयोक्योरमेन्ट-निविदा सूचना

महामहिम श्री राज्यपाल उ.प्र. की ओर से खण्ड विकास अधिकारी रजपुरा-मेरठ के द्वारा ग्रा.अ.वि. उ.प्र. में ए.बी.सी. व डी श्रेणी की लागत की सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है।

1- कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानि लागत (लाख रु. में)	जमानत राशि 10 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	ग्राम फत्तेहउल्लाहपुर मेन रोड पर गली नं.-28 आर में उस्मान मलिक के मकान से युनूस के मकान तक सी.सी. रोड कार्य लम्बाई 300 मी.	20.80	210000.00	1500.00	3 माह

2- वैबसाइट पर बिडडॉक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 18.04.2026
3- ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय 28.04.2026 को 12:00 बजे तक।
4- ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 28.04.2026 को 02:00 बजे तक।
5-निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकारी है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखे। अधिक जानकारी के लिए कृप्या वैबसाईट http//etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिडडाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।
ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय 28.04.2026 12:00 बजे तक।

खण्ड विकास अधिकारी
रजपुरा-मेरठ

गौशालाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं: डीएम

गौ आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी ने संबंधितों के साथ की समीक्षा बैठक

■ **केयरटेकर का भुगतान समय से नहीं होता तो संबंधित सचिव का भी रोका जाए भुगतान**

शाह टाइम्स संवाददाता
बागपत। संचालित स्थायी एवं अस्थायी गौ आश्रय स्थलों में संरक्षित गौवंशों के समुचित भरण-पोषण एवं व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में जिलाधिकारी ने गोचर/चारागाह भूमि पर हरा चारा उत्पादन, गौशालाओं में उपलब्ध सुविधाओं तथा समस्त व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि गौशालाओं में किसी प्रकार की अव्यवस्था या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित सचिवों को निर्देशित करते हुए कहा कि यदि केयरटेकर का भुगतान समय से नहीं किया जाता है तो संबंधित सचिव का भी भुगतान रोक दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में विद्युत कनेक्शन, पेयजल, छाया, पंखों का संचालन, साफ-सफाई, स्टॉक पंजिका, निरीक्षण रजिस्टर एवं दैनिक सूचना पट सहित सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। जिन गौशालाओं में विद्युत कनेक्शन उपलब्ध नहीं है, उसके लिए संबंधित अधिकारी उत्तरदायी होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद के सभी 6 विकास खंडों में कम से कम एक-एक चारागाह भूमि विकसित की जाए, जिसे निकटवर्ती गौ आश्रय स्थलों से जोड़ा जाए, ताकि हरे चारे की सतत उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। गोचर/चारागाह भूमि, कब्जा मुक्त भूमि एवं गौ आश्रय स्थलों से संबद्ध भूमि पर बोए गए चारे की स्थिति की भी समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों से फीडबैक प्राप्त किया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि गौशालाओं में स्वच्छता, पशुओं के स्वास्थ्य, चारा व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने नोडल अधिकारियों को नियमित भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसामान्य से गौ संरक्षण हेतु भूसा दान करने की अपील करते हुए कहा कि यह कार्य पुण्य के साथ-साथ समाज में सम्मान भी दिलाता है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी राहुल वर्मा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अरविंद कुमार त्रिपाठी, समस्त उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपीएमएसआरए ने न्यूनतम वेतन 26,000 की मांग को लेकर पीएम को भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता
बडौत। तहसील में पहुंचकर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन (यूपीएमएसआरए) ने मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये प्रति माह करने सहित श्रमिक हितों की मांगों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा।

जिलाध्यक्ष प्रदीप पुरी के नेतृत्व में एसोसिएशन के सदस्य शुक्रवार को बड़ौत तहसील पहुंचे और एसडीएम भावना सिंह को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में 26,000 रुपये न्यूनतम वेतन, 8 घंटे कार्य दिवस, डबल ओवरटाइम, कार्यस्थल सुरक्षा, दैनिक भत्ते में वृद्धि, ठेका प्रथा समाप्त कर नियमितीकरण, चार श्रम संहिताओं को निरस्त कर बिक्री संवर्धन कर्मचारी अधिनियम 1976 को लागू रखने की मांग की गई। साथ ही नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम व एनसीटी में मजदूरों पर दमन बंद करने, गिरफ्तार मजदूरों की रिहाई और त्रिपक्षीय वार्ता की मांग भी रखी गई। जिलाध्यक्ष प्रदीप पुरी ने कहा कि महंगाई के दौर में वर्तमान वेतन पर्याप्त नहीं है। मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस दौरान कोषाध्यक्ष राजीव शर्मा, सूर्यदत्त शर्मा, संदीप जैन, विपिन शर्मा, पवन सहित जिला पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

शाह टाइम्स संवाददाता
बिनौली। जिवाना के गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ, जिसमें सीबीएसई कक्षा दसवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्कूल प्रबंधन द्वारा पुरस्कृत किया गया।

प्रधानाचार्य पवन कुमार त्यागी ने बताया कि स्कूल का दसवीं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। जिनमें आन्या जैन (91.0प्रतिशत),पारस जैन 90.4प्रतिशत, वंश पांचाल 90.4प्रतिशत, स्तुति जैन 89.8प्रतिशत, अंशिका 89.4प्रतिशत, वतन दीक्षित 89.2प्रतिशत, रितिका 89प्रतिशत, विदुषी सोती 88.6प्रतिशत, आदेश 87.2प्रतिशत, निधि जैन 87प्रतिशत, कनिका राणा 87प्रतिशत, अंशिका 86.6प्रतिशत, चंचल तोमर 84.2प्रतिशत, अर्पित तोमर 84.2प्रतिशत, अंश84.2प्रतिशत, आरव शर्मा 84प्रतिशत व अविका त्यागी 81प्रतिशत ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मेधावी विद्यार्थियों को प्रबंधक डा.अनिल आर्य ने स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र देकर पुरस्कृत किया।

उधार दिए रुपए वापस मांगने पर व्यापारी के साथ मारपीट

■ **पीड़ित व्यापारी ने आरोपियों के खिलाफ की सख्त कार्रवाई की मांग**

शाह टाइम्स संवाददाता
खेकड़ा। कस्बे में उधार दिए पैसे वापस मांगना एक व्यापारी को महंगा पड़ गया। पैसे मांगने पर व्यापारी के साथ मारपीट की घटना सामने आई है, जिसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत की है।

खेकड़ा निवासी व्यापारी बिजेंद्र कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कुछ समय पहले सांकरौद निवासी एक व्यक्ति ने उनसे दो लाख रुपये उधार लिए थे। काफी समय बीत जाने के बावजूद जब पैसे वापस नहीं किए गए, तो बिजेंद्र ने कई बार उससे संपर्क कर रकम लौटाने की मांग की, लेकिन हर बार टालमटोल की जाती रही। शुक्रवार को बिजेंद्र को सूचना मिली कि संबंधित व्यक्ति खेकड़ा मंडी में किसी काम से आया हुआ है। इस पर बिजेंद्र अपने पुत्र के साथ मंडी पहुंच गए और शालिनता से उससे अपने पैसे वापस मांगे। आरोप है कि पैसे मांगने पर उस व्यक्ति के पुत्र ने गाली-गलौज शुरू कर दी और रकम देने से साफ इनकार कर दिया। जब बिजेंद्र ने गाली देने से मना किया, तो मामला और बिगड़ गया और आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान बिजेंद्र के पुत्र ने बीच-बचाव कर किसी तरह स्थिति को संभाला। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित व्यापारी ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। खेकड़ा थाने के क्राइम इंस्पेक्टर ओमप्रकाश सिरोही ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

19 अप्रैल को लगाया जाएगा निःशुल्क नेत्र शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता
बडौत। तहसील क्षेत्र के बड़ावद गांव में डॉक्टर चंद्र किरण शर्मा के घेर में नहर पुल के पास शिव मंदिर के निकट आंखों की जांच मोतियाबिंद ऑपरेशन दवाइयां वितरण का निःशुल्क कैंप एडीके जैन अस्पताल द्वारा 19 अप्रैल रविवार को सुबह-9:30 बजे से 2 बजे तक लगाया जाएगा। वरिष्ठ समाजसेवी मास्टर प्रहलाद सिंह आर्य जिला पंचायत सदस्य बागपत सुनील कुमार आर्य राष्ट्रीय लोकदल के बडौत विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष अमित चिकारा द्वारा यह जानकारी दी गई। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी मास्टर प्रहलाद सिंह आर्य ने कहा कि समय-समय पर क्षेत्र में आंखों के निःशुल्क कैंप लगाए जाते हैं जिनका उद्देश्य गरीबों की सेवा करना गरीबों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना ही हमारा मैन मकसद है यह निशुल्क कैंप 1 बैटरी 1 मार्बल्स चिकारा का रेडिमेंट द्वारा निःशुल्क लगाया जाता हैं। इस कैंप में चश्मे वितरण करना दवाइयां का मुक्त वितरण आने जाने वाले मरीज के लिए सभी सुविधाओं की व्यवस्था निःशुल्क की गई है।

अमावस्या के अवसर पर स्वस्ति यज्ञ का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवददाता
बडौत। बरनावा के महर्षि वेद व्यास वानप्रस्थ आश्रम में शुक्रवार को अमावस्या के अवसर पर स्वस्ति यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान आचार्य विजयपाल शास्त्री इकड़ी ने कहा कि दान और निस्वार्थ सेवा करने से आध्यात्मिक और मानसिक शांति मिलती है। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य विजयपाल शास्त्री इकड़ी ने वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ यज्ञ संपन्न कराया। इसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां देकर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। आत्मानंद और मूलचंद गुप्ता इस यज्ञ के यजमान रहे, जबकि ब्रह्मचारी आदित्य ने वेद मंत्रें का सस्वर पाठ किया। इस अवसर पर यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य विजयपाल शास्त्री ने अपने संबोधन में कहा कि मानव को धर्म, अर्थ, काम और पुरुषार्थ का पालन करना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि सही जगह दिया गया दान धन को दोगुना करता है और मोह को कम करता है, जिससे व्यक्ति के जीवन में समस्याओं से मुक्ति और सुख-समृद्धि आती है। यज्ञ में संयोजक आचार्य विजय कुमार भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

परिवार से मारपीट और जान से मारने की दी धमकी

शाह टाइम्स संवददाता
छपरौली। कस्बे में घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित तहसीम पुत्र सबीर ने थाने में तहरीर दी है, जिसमें उसने तीन लोगों पर आरोप लगाया है। तहसीम के अनुसार, 10 अप्रैल को फुरकान पुत्र सबीर, उसका बड़ा बेटा अनस और फुरकान की पत्नी मुस्कान उसके घर में घुस आए। आरोप है कि तीनों ने तहसीम और उसके बच्चों के साथ गाली-गलौज की और लाठी-डंडों से जान से मारने की नीयत से हमला किया। पीड़ित के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। जाते समय उन्होंने तहसीम का मोबाइल फोन तोड़ दिया और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। तहसीम ने अपनी तहरीर में यह भी बताया कि 11 अप्रैल को आरोपियों में से एक ने फेसबुक आईडी के माध्यम से सोशल मीडिया पर उसे फिर से जान से मारने की धमकी दी और आपत्तिजनक बातें लिखीं। छपरौली कोतवाली प्रभारी आशीष पुंडीर ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

छात्राओं ने निकाली नारी सशक्तिकरण के तहत जागरूकता रैली

शाह टाइम्स संवाददाता
खेकड़ा। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेमोरियल इंटर कॉलेज, तमेलागढ़ी की छात्राओं ने शुक्रवार को नारी सशक्तिकरण के तहत एक जागरूकता रैली निकाली। छात्राओं ने (बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ) जैसे नारे लगाकर गांव की बालिकाओं और ग्रामीणों को जागरूक किया। यह रैली विद्यालय से शुरू होकर बैंड-बाजों के साथ गांव की गलियों से गुजरी। इसका उद्देश्य ग्रामीणों और बालिकाओं को नारी सशक्तिकरण के महत्व से अवगत कराना था। प्रधानाचार्य रूकमपाल यादव ने इस अवसर पर कहा कि एक शिक्षित नारी ही समाज की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से पीछे नहीं हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली नारी शक्ति वंदन अभियान पदयात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता
बागपत। नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा शहर में पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता एवं स्थानीय महिलाएं मौजूद रहीं।

पदयात्रा शहर के मेरठ रोड स्थित वात्स्यायन पैलेस से प्रारम्भ होकर राष्ट्रवन्दना चौक पहुंची। इसके बाद पदयात्रा शौकत मार्केट, गांधी बाजार व बड़ा बाजार से होते हुए नगरपालिका परिषद कार्यालय पर संपन्न हुई। पदयात्रा के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने नारी शक्ति वंदन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया। महिलाओं द्वारा हाथ में पीएम नरेंद्र मोदी धन्यवाद की तख्ती लेकर चलने से माहौल उत्साहपूर्ण रहा। पदयात्रा में महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के खूब नारे लगाए तथा नारी शक्ति को सम्मान देने के लिए उनका आभार जताया। मार्ग में जगह-जगह पर नागरिकों द्वारा पदयात्रा का स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से देश की मातृशक्ति को राजनीतिक क्षेत्र में 33 प्रतिशत आरक्षण का अधिकार मिला है। यह भाजपा की महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आज की पदयात्रा उसी संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। जिला उपाध्यक्षा एवं महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष लता सिसौदिया ने कहा कि भाजपा सरकार में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, मातृत्व वंदना योजना जैसी योजनाओं से महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त हुई हैं। आज सैकड़ों की संख्या में बहनों का इस पदयात्र में शामिल होना पीएम मोदी के प्रति आभार प्रकट करता है। जिला उपाध्यक्ष व कार्यक्रम जिला संयोजक कुलदीप भारद्वाज ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि मातृशक्ति के सम्मान का महायज्ञ है। भाजपा ने हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। बागपत की महिलाएं भी विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगी।

पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार हुए युवक को दिलाई बड़ी राहत

शाह टाइम्स संवाददाता
छपरौली। पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार एक युवक को बड़ी राहत दिलाई है।
पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके बैंक खाते से ठगे गए 95,000 रुपये में से 85,000 रुपये सफलतापूर्वक वापस करा दिए हैं। यह मामला छपरौली क्षेत्र के रठौड़ा गांव निवासी अनुज खोखर से जुड़ा है।

अनुज खोखर के साथ अज्ञात साइबर ठग ने 95,000 रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी की थी। पीड़ित ने इस संबंध में राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी।
शिकायत मिलते ही थाना छपरौली की साइबर टीम ने तुरंत संज्ञान लिया और कानूनी कार्रवाई शुरू की। साइबर टीम प्रभारी उप निरीक्षक सतेन्द्र सिंह के नेतृत्व में की गई जांच और कार्रवाई के दौरान, धोखाधड़ी की गई कुल धनराशि में से 85,000 रुपये अनुज खोखर के खाते में वापस जमा करा दिए गए। अपनी राशि वापस मिलने पर पीड़ित अनुज खोखर ने छपरौली पुलिस का आभार व्यक्त किया और उनकी तत्परता की सराहना की। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक आशीष कुमार, उप निरीक्षक सतेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल सुमित चौधरी और हेड कांस्टेबल मनोज कुमार शामिल थे। छपरौली पुलिस की इस पहल से क्षेत्र में साइबर अपराधों से निपटने में पुलिस की क्षमता प्रदर्शित हुई है।

तैतिस प्रतिशत आरक्षण देकर भाजपा ने मातृशक्ति का बढ़ाया सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता
दोघट। श्री राम इंटर कॉलेज में छपरौली विधानसभा का महिला सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। सम्मेलन में वक्ताओं ने (नारी शक्ति वंदन अभियान) पर चर्चा की और महिलाओं के लिए तैतिस प्रतिशत आरक्षण देने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री एवं प्रभारी मंत्री जसवंत सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को राजनीतिक क्षेत्र में तैतिस प्रतिशत आरक्षण देकर भाजपा ने मातृशक्ति का सम्मान बढ़ाया है। यह कानून आने वाली पीढ़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, मातृत्व वंदना योजना जैसी योजनाओं से महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त हुई हैं। नारी शक्ति वंदन अभियान महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का माध्यम है। माता और बहनों को अगर किसी ने सम्मान दिया है तो वह भाजपा सरकार ने दिया है। उनके सम्मान के लिए हमेशा सरकार ने काम किया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद पूर्व विधायक सहेंद्र सिंह रमाला ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से गांव-गांव की बेटियों को पंचायत से लेकर संसद तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। छपरौली विधानसभा की महिलाएं भी विकसित भारत के निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाएंगी।

टीडी वैक्सीनेशन को लेकर उप जिलाधिकारी ने की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता
खेकड़ा। तहसील में शुक्रवार को उप जिलाधिकारी मनीष यादव की अध्यक्षता में टीडी वैक्सीनेशन अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शिक्षा विभाग, नगर पंचायत, नगर पालिका और बाल विकास परियोजना विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य आगामी 20 अप्रैल से शुरू होने वाले टीडी वैक्सीनेशन अभियान को सफल बनाने की रणनीति तैयार करना था।

उप जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे इस अभियान में अपना पूर्ण सहयोग सुनिश्चित करें। विशेष रूप से शिक्षा विभाग को जिम्मेदारी दी गई कि वह क्षेत्र के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में पहले से ही टीडी वैक्सीनेशन के बारे में जानकारी उपलब्ध कराए। उन्होंने बताया कि 5 वर्ष, 10 वर्ष और 16 वर्ष आयु के सभी बच्चों को टीडी की बूस्टर डोज अनिवार्य रूप से लगाई जाए।

बैठक में यह भी तय किया गया कि वैक्सीनेशन अभियान के दौरान सभी स्कूलों में स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंचकर बच्चों को टीका लगाएगी। इस दौरान अभिभावकों को भी जागरूक किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक बच्चे इस अभियान का लाभ उठा सकें।

सीएचसी खेकड़ा के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा.ताहिर ने टीडी वैक्सीन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह टेटनस और डिप्थीरिया जैसे गंभीर बैक्टीरियल संक्रमणों से बचाव के लिए बेहद जरूरी है। यह वैक्सीन बच्चों, किशोरों और वयस्कों के लिए बूस्टर के रूप में दी जाती है, जिससे इन बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है।

इस कार्य के लिए सीएचसी खेकड़ा की एक विशेष टीम उपलब्ध होगी। ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर रूपेंद्र शर्मा ने जानकारी दी कि अभियान के तहत ब्लॉक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में जाकर बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा।

प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को टीडी वैक्सीन अवश्य लगवाएं, ताकि वे गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रह सकें।

छात्रों को किया अनुशासन, वीरता प्रदर्शन, ड्रिल और आत्मरक्षा की तकनीकों का प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता
बागपत। खट्टा प्रहलादपुर के देवनागरी इंटर कॉलेज में एक स्काउट एंड गाइड शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में छात्रों को अनुशासन, वीरता प्रदर्शन, ड्रिल और आत्मरक्षा की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया।
शिविर के दौरान, कॉलेज के प्रधानाचार्य आशुतोष गुप्ता को उपस्थित ट्रेनर द्वारा गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रधानाचार्य आशुतोष गुप्ता ने बताया कि स्काउट्स को नारी शक्ति और आत्मरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग न केवल अनुशासन सिखाती है, बल्कि छात्रों को देश सेवा के लिए भी तैयार करती है। उन्होंने योग और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों के लाभ पर भी जोर दिया। इस कार्यक्रम में शिक्षक अशोक, सुशील, योगेश और मनु जैन सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बैसला ने आगामी 2027 के चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने पर दिया जोर

शाह टाइम्स संवाददाता
बागपत। रटौल में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सपा नेता रवि बैसला ने बागपत के विकास और शिक्षा के स्तर को बढ़ाने को अपनी पहली प्राथमिकता बताया।

यह बैठक डा.बाबू खान के आवास पर हुई, जिसमें कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आहवान किया गया। बैसला ने आगामी 2027 के चुनावों में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान को बचाने और देश हित के लिए उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी का सत्ता में आना आवश्यक है। बैसला ने दावा किया कि जनता अब (जनता विरोधी) पार्टियों को नकार चुकी है। बैसला ने बागपत को शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ बताया। उन्होंने कहा कि यहां के बच्चों को तैयारी के लिए दिल्ली और अन्य शहरों में जाना पड़ता है क्योंकि कॉलेजों की कमी है। इस समस्या को दूर करने और बागपत का विकास सुनिश्चित करने के लिए समाजवादी पार्टी को सत्ता में लाना जरूरी है। बैठक के बाद, रवि बैसला मनोज के आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने डा.अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने रटौल बाजार में दुकानदारों की समस्याएं भी सुनीं और लोगों से समाजवादी पार्टी से जुड़ने का आहवान किया। बैठक में नूरहसन सिद्दीकी, अवेश, नवाब अली, राहुल, नरेंद्र, मनोज और डा.मुस्तफा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 77/3 गर्ग कॉम्पलेक्स ई.के. रोड निकट एन.ए.एस. कालिज, मेरठ (उप्र) से प्रकाशित।
सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0121-4005303, 4007303
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
UPHIN/2007/20661
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम, नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत जनपद हापुड़ में शुक्रवार को आर.के. प्लाजा, रेलवे रोड पर भव्य कार्यक्रम और प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला अध्यक्ष भाजपा कविता माधरे की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ, जिसमें महिला सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण में नारी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम का आयोजन भाजपा, जिला प्रशासन एवं सूचना विभाग के संयुक्त सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कविता माधरे ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' केवल राजनीतिक आरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं को नेतृत्व और निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी,

जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों को नीति निर्माण में अधिक प्राथमिकता मिलेगी। जिला अध्यक्ष ने केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में डा. कमलेश रानी अग्रवाल, पायल गुप्ता (जिला उपाध्यक्ष), राहुल उपाध्याय (जिला उपाध्यक्ष), जिला मंत्री हितेश मोदी, जिला मीडिया प्रभारी अमित सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था भी की गई।

आपत्तिजनक कंटेंट पर सख्ती, इंस्टाग्राम यूजर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और विवादित पोस्ट करना एक युवक को महंगा पड़ गया। थाना धौलाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऐसे ही एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से सोशल मीडिया पर गलत सामग्री पोस्ट करने वालों में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध नियंत्रण और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आपत्तिजनक टिप्पणी व पोस्ट करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना धौलाना पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए इंस्टाग्राम पर विवादित पोस्ट करने वाले युवक की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

थाना प्रभारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी तैय्यब पुत्र ताज मोहम्मद निवासी ग्राम देहरा, थाना धौलाना है। आरा. पी द्वारा सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और उसे उसके गांव से ही हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी का कहना है कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ या आपत्तिजनक सामग्री किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। फिलहाल आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सोशल मीडिया का प्रयोग जिम्मेदारी के साथ करें और किसी भी प्रकार की भ्रामक या विवादित सामग्री पोस्ट करने से बचें, अन्यथा कड़ी कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

भारत विकास परिषद सृजन शाखा में निर्विरोध बनी नई टीम, गोविंद अग्रवाल बने प्रधान

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। भारत विकास परिषद, सृजन शाखा में नवीन सत्र 2026-27 के लिए पदाधिका. रियों का चयन सर्वसम्मति और निर्विरोध रूप से संपन्न हुआ। शाखा के सभी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में गोविंद अग्रवाल को प्रधान, वैभव गोयल को सचिव तथा सुमित जिंदल को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। चयन प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जहां सभी सदस्यों ने एकमत होकर नई कार्यकारिणी का समर्थन किया। इस दौरान संगठन की एकजुटता और सेवा भावना साफ झलकती दिखाई दी।

नवनिर्वाचित प्रधान गोविंद अग्रवाल और सचिव वैभव गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी सत्र में परिषद सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देते हुए सेवा कार्यों को नई दिशा देगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में शाखा के सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और आशा जताई कि उनके नेतृत्व में परिषद सेवा और संस्कार के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी।

मोनाड विश्वविद्यालय में नारी शक्ति का सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मोनाड विश्वविद्यालय परिसर में 'नारी शक्ति वंदन' कार्यक्रम का भव्य और गरिमामयी आयोजन किया गया, जिसमें महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक विरासत और विकसित भारत के संकल्प को केंद्र में रखते हुए विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार के राज्य मंत्री भगवत प्रसाद मकवाना रहे, जिन्होंने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान और उसकी अहम भूमिका को विस्तार से रेखांकित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत डा. उमा अग्रवाल और कंचन के स्वागत संबोधन से हुई। इसके बाद मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डा. एन.के. सिंह, कुलसचिव कर्नल डी.पी. सिंह, कुलपति प्रो. डा. एम. जावेद, प्रो. योगेश पाल सिंह, एडवोकेट पंकज राणा, डा. सुल्तान सिंह एवं डा. रितु चिक्कारा सहित अनेक शिक्षाविद एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। माँ सरस्वती की वंदना के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा। मुख्य अतिथि भगवत प्रसाद मकवाना ने अपने संबोधन में वेदों और पुराणों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी का स्थान सदैव पूजनीय रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' की सराहना करते हुए संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को ऐतिहासिक कदम बताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियां देकर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। उन्होंने 'विकसित भारत 2047' के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया। इस दौरान डा. अश्वनी कुमार, डा. आशीष गर्ग, डा. उमेश कुमार, डा. नेहा शर्मा, सनाउल मुस्तफा एवं प्रीति तोमर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

d,e fofo e uDdM ukVd d tfj, fn;k efgyk l'kfädj.k dk ln'k

'kkg VkbEl loknnkrk

eFkjkA केएम विश्वविद्यालय में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के तहत प्रतिदिन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसी श्रृंखला में आज विवि के छात्र-छात्राओं और शिक्षिक-शिक्षिकाओं ने नुक्कड़ नाटक के जरिए महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया एवं छात्राओं को अधिनियम के महत्व एवं इसके प्रमुख प्रावधानों की जानकारी नुक्कड़ नाटक द्वारा दी गई।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने छात्राओं के जागरूकता कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए उन्हें सामा. जिक अभियानों में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। आज के कार्यक्रम का शुभारंभ विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजा. पति एवं कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने करते हुए कहा नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में शामिल करने का मजबूत माध्यम बनेगा। विवि की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के जरिए समाज में महिलाओं की भूमिका, अधिकारों और समानता के प्रति जागरूक किया और खुलकर अपने विचार व्यक्त किए। छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक में उत्साहपूर्वक भाग लिया और नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया।

Jh—".k tUeHkfe e Hkfä d ekgky e y,Up gvk ^—".kkork

'kkg VkbEl loknnkrk

eFkjkA भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य गाथा को बड़े पर्दे पर जीवंत करने वाली फिल्म 'कृष्णावतारम' का ट्रेलर एक भव्य और आध्यात्मिक माहौल में लॉन्च किया गया, जिसने इसे सिर्फ एक फिल्मी इवेंट ही नहीं, बल्कि आस्था का उत्सव भी बना दिया।

यह ऐतिहासिक क्षण श्रीकृष्ण की पावन जन्मस्थली, मथुरा में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में दर्ज किया गया, जहाँ हर ओर भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। ट्रेलर लॉन्च के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिसने इस आयोजन को एक सामूहिक आध्यात्मिक अनुभव में बदल दिया। यह अनूठा अनावरण केवल एक स्थान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वृंदावन और मथुरा के कई प्रमुख धार्मिक स्थलों, जैसे रमन रेती मंदिर, राधा रानी मंदिर, प्रेम मंदिर और इस्कॉन वृंदावन तक विस्तारित किया गया।

lL—fr fofo e py vfHk;ku e ukjh 'kfä onu vf/kfu;e dk fd;k leFku

'kkg VkbEl loknnkrk

eFkjkA संस्कृति विश्वविद्यालय में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रति जागरूकता और समर्थन के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन सभी कार्यक्रमों की नोडल अधिकारी डा. श्रीमती मीनाक्षी शर्मा का कहना है कि कार्यक्रमों में छात्राओं की विशेष रुचि होने के कारण उनकी भागीदारी भी बड़ी संख्या में देखने को मिल रही है।

इसी क्रम में मिस्ड कॉल देकर और दीवार पर संदेश लिखकर और हस्ताक्षर कर नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन किया गया। डा. श्रीमती मीनात्री शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नारी शक्ति वंदन के समर्थन एवं जागरूकता के लिए चलाए गए मिस्ड कॉल अभियान में सैकड़ों छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और निर्धारित नंबर पर मिस्ड कॉल देकर अधिनियम के प्रति अपना समर्थन दर्ज कराया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को अधिनियम के महत्व एवं इसके प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में विशेष उत्साह एवं जागरूकता देखने को मिली।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता ने इस अवसर पर छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें ऐसे सामाजिक अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन डा. आरएन त्रिवेदी एवं डा.रतीश शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजन में डा. डीएस तोमर का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डा. रघुराम भट्ट, डा. केके पाराशर, विजय सक्सैना सहित अन्य अधिकारीगण एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया एवं भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया। वहीं एक अन्य कार्यक्रम में नारी शक्ति वंदन अभियान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हस्ताक्षर दीवार पर छात्राओं ने बढ़चढ़कर महिला सशक्तिकरण से जुड़े संद. `श, विचार एवं संकल्प लिखे, जो समाज में महिलाओं की भूमिका, अधिकारों और समानता के प्रति जागरूकता का सशक्त माध्यम बने। इस दीवार पर छात्राओं को अपने विचार खुलकर व्यक्त करने का अवसर मिला।

छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने रचनात्मक विचारों के माध्यम से नारी सश. क्तिकरण का संदेश दिया। पूरे परिसर में सकारात्मक ऊर्जा एवं जागरूकता का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम नोडल अधिकारी डा. श्रीमती मीनाक्षी शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

pMhx< ;fuofl Vh u eFkjk e y,Up fd;k ,Meh'ku o Ld,yjf'ki ikVy

'kkg VkbEl loknnkrk

eFkjkA भारत, जो विश्व की सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है, अब एआई के क्षेत्र में भी तेजी से उभर रहा है। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में देश की पहली एआई सिटी विकसित करने की तैयारी चल रही है।

इस क्रम में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने उन्नाव के एससीआर क्षेत्र, कानपुर-लखनऊ रोड पर लगभग 2500 करोड़ रुपये के निवेश से एक अत्याधुनिक एआई-समर्थित कैंपस स्थापित किया है। इसके साथ ही यह देश का पहला निजी एआई सपोर्टेड कैंपस बन गया है। यहां विद्यार्थियों को केवल तकनीकी रूप से उन्नत शिक्षा ही नहीं दी जा रही, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप तैयार भी किया जा रहा है। यह बात चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश प्रो वाइस चांसलर डॉ. थिपेंद्र पी. सिंह ने मथुरा में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। इस अवसर पर मथुरा में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश ने अपने स्कॉलरशिप व एडमिशन पोर्टल 'सीयूसीईटी 2026' की आधिकारिक शुरुआत करते हुए छात्र-छात्राओं को 50 करोड़ रुपये तक की स्कॉलरशिप देने की घोषणा की। यह पहल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रिसर्च और इनोवेशन आधारित उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। इस मौके पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश के प्रो वाइस चां. सलर डॉ थिपेंद्र पी सिंह, ने बताया कि सीयूसीईटी 2026 स्कॉलरशिप योजना ने अपने पहले ही शैक्षणिक सत्र में प्रभावशाली परिणाम दिए हैं। योजना के तहत अब तक 2,000 से अधिक छात्रों को करोड़ों रुपये की स्कॉलरशिप प्रदान की जा चुकी है, जिससे विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए नई प्रेरणा और आत्मविश्वास मिला है। सीयू यूपी का दीर्घकालिक लक्ष्य उत्तर प्रदेश को एआई आधारित शिक्षा, शोध और तकनीकी इनोवेशन का वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करना है। यूनिवर्सिटी के इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप फोकस को रेखांकित करते हुए डॉ थिपेंद्र पी सिंह, ने कहा कि 'कैम्पस टैंक' और 'सीयू एआई स्पेस' जैसी पहलें स्टार्टअप्स और युवा इनोवेटर्स को सीड फंडिंग, इनक्यूबेशन और पेटेंट फाइलिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं। इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट मिनिस्टर नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' द्वारा लॉन्च किए गए कैम्पस टैंक के माध्यम से अब तक 1,000 से अधिक स्टार्टअप्स को 6 मिलियन अमेरिकी डॉलर की फंडिंग से जोड़ा जा चुका है। उन्होंने बताया कि गवर्नर आनंदीबेन पटेल द्वारा शुरू की गई नारी योजना टेक्नोलॉजी आधारित रिसर्च और इना. `वेशन में महिलाओं के लिए नए अवसर सृजित कर रही है। डॉ थिपेंद्र पी सिंह ने बताया कि चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश का एआई-एनहैंस्ड स्मार्ट कैंपस लगभग 2,500 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित किया गया है, जो क्वालिटी एजुकेशन के साथ एडवांस्ड रिसर्च को भी मजबूती प्रदान कर रहा है।

एक नजर

नरहरपुर कांड में निष्पक्ष जांच की मांग

veBhA के नरहरपुर गांव में 12 अप्रैल को भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने के दौरान हुए विवाद का मामला तूल पकड़ता जा रहा है।आज सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव के नेतृव में बड़ी संख्या में गांव की महिलाये कलेक्टरेट पहुँची जहा उन्होंने अतिरिक्त।एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और बेगुनाहों पर कार्यवाही न करने की मांग की।सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव ने कहा कि कुछ लोगो के इशारे पर घटना का राजनी. तिक करण किया जा रहा है। दरअसल ये पूरा मामला रामगंज थाना क्षेत्र के नरहरपुर गांव का है जहाँ 12 अप्रैल को ग्रामीणों ने सरकारी भूमि पर।अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी।मामले की जानक. ारी मिलते ही एसडीएम समेत कई थानों की फोर्स मौके पर पहुँची और चबूतरे को जेसीबी से तुड़वाते हुए प्रतिमा को सुरक्षित रखा दिया।इसी बीच ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव कर दिया जिसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए 14 लोगो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।घटना को लेकर आज बड़ी संख्या में गांव की महिलाओं के साथ सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव कलेक्टरेट पहुँचे जहा उन्होंने अतिरिक्त निरीक्षक नीतीश राज को ज्ञापन सौपते हुए मामले में निष्पक्ष जांच और बेगुनाहों पर कार्यवाही न करने का निवेदन किया है।सपा नेता ने कहा कि गांव के दलितो व ग्रामीणों ने गांव में प्रतिमा लगाई थी और मौके पर मौजूद लेखपाल ने माहौल बिगाड़ने के लिए पथराव किया और आरोप ग्रामीणों पर लगाया गया।कई गरीब ग्रामीणों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया और आज भी ग्रामीणों को प्रताड़ित किया जा रहा है।इस पूरी घटना का कुछ लोगो के इशारे पर राजीनीतिक करण किया जा रहा है।आज भी वहां पीएसी लगाई गई है और ग्रामीणों को डराया धमकाया जा रहा है।हमारी प्रसाशन की मांग है मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और बेगुनाहों को परेशान न किया जाय।प्रसाशन ग्रामीणों से बात कर बीच का रास्ता निकाले जिससे कि ग्रामीणों में दहशत समाप्त हो सके। इस मौके पर मनीराम वर्मा, मनु पाल, दिवाक

ट्रेन की चपेट में आने से मां-बेटी की मौत, बेटा गंभीर

veBhA जनपद अमेठी के जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र में एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। शुकुल बाजार रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन की चपेट में आने से मां और बेटी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनका नाबालिग बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों अचानक ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि मां और बेटी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। घायल बच्चे को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जगदीशपुर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। फिलहाल मृतकों और घायल की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस उनकी पहचान कराने में जुटी है।र,चंद्रकांत पाल, विजय सही कई दर्जन महिलाएं मौजूद रही।

सड़क दुर्घटना में अधेड़ की हुई दर्दनाक मौत

veBhA उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद के गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नेता रोड तिराहा रामगंज में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जिसमें मोपेड सवार अधेड़ की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गौरीगंज मुसाफिरखाना रोड पर स्थित नेता रोड तिराहा रामगंज में दूध डेरी के पिकअप वाहन से मोपेड सवार अधेड़ टकरा गया। जिसके चलते अधेड़ की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे उतर गई। इसके बाद पिकअप सवार ड्राइवर सहित दो लोग बाल बाल बच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पिकअप वाहन एवं उसके ड्राइवर को कब्जे में ले लिया है तथा मृत्यु के संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर रही है। गौरीगंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि मृतक की पहचान नन्हे बाबू पांडेय पुत्र गया प्रसाद पांडेय निवासी इंदरिया मजरे किटियांवा थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों को सूचित करते हुए लाश का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

शासन से नामित पार्षदों ने ली पद की शपथ

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। महापौर डॉ अजय कुमार ने आज नगर निगम स्थित अपने कार्यालय में शासन द्वारा मनोनीत नामित दस पार्षदों को शपथ दिलायी और उनसे परस्पर समन्वय बनाते हुए महानगर के विकास में सहयोग देने की अपील की। शपथ ग्रहण करने वाले नामित पार्षदों में धनपाल कश्यप, मुरारी खेतवाल, मनीष सचदेवा, शिवमंगल सिंह, राजेश वालिया, जसवीर मोगा, प्रवीण रोहिला, राहुल झाम, निशांत वर्मा व अरुण गुप्ता शामिल रहे।

सभी नामित पार्षदों को एक सादे समारोह में महापौर डॉ. अजय कुमार ने शपथ दिलायी और महानगर के विकास में योगदान की अपील करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। शपथ के पश्चात महापौर डॉ. अजय कुमार, निगर विधायक राजीव गुबर व रामपुर मनिहारान विधायक देवेंद्र निम व महानगर भाजपा अध्यक्ष शीतल विश्नोई गोयल, उपसभापति मयंक गर्ग तथा पार्षद दिग्विजय चौहान और मुकेश गक्खड़ आदि अन्य पार्षदों ने सभी नामित पार्षदों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

महापौर डॉ. अजय कुमार ने नामित पार्षदों को मंगल कामनाएं देते हुए कहा कि सभी नामित पार्षद नगर निगम बोर्ड की बैठकों में तो सहभागिता करेंगे ही साथ ही शहर के विकास, जनहित तथा सुशासन को भी एक नई दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके आने से निगम को नयी ऊर्जा और नयी ताकत मिलेगी। नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि यह उन कर्मठ कार्यकर्ताओं के लिए स्वर्णिम क्षण है जिन्हें पार्षद के रुप में नामित होने का अवसर व सम्मान मिला है। उन्होंने सभी से एक दूसरे के साथ मिलकर परस्पर सामंजस्य बनाते हुए शहर के विकास में कार्य करने की अपील की।

विधायक देवेंद्र निम ने कहा कि सभी नामित पार्षद संगठन के जिम्मेदार कार्यकर्ता है अत: उन पर अब विकास को गति देने की दोहरी जिम्मेदारी है। भाजपा महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई ने सभी नामित पार्षदों से आह्वान किया कि वे शहर को विकास की दृष्टि से आगे ले जाने और उसे सजाने-संवारने का काम करें। इस दौरान नगरायुक्त शिपू गिरि, अपर नगरायुक्त मृत्युंजय के अलावा बड़ी संख्या में पार्षद व नामित पार्षदों के समर्थक शामिल रहे। संचालन सदन प्रभारी जेपी यादव ने किया।

विधायक आशु मलिक की निधि से होंगे 3 करोड़ के निर्माण कार्य

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सपा के देहात विधायक आशु मलिक की निधि से करीब तीन करोड रुपये के निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा शीघ्र शुरू कराये जायेंगे। विधायक ने कहा कि जन-जन तक विकास पहुंचाने के लिये हरसंभव प्रयास किये जायेंगे।

विधायक आशु मलिक की निधि से नगर निगम के वार्ड 27 में रफाकत जिम वाली गली से होते हुये अरशद के मकान से होते हुये अतीक के घर की तरफ से घूमते हुये सदफ मेडिकल से मिर्जा के मकान तक 600 मी इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, ब्लाक बलियाखेडी के ग्राम कोटा बस स्टैण्ड से प्राथमिक स्कूल तक सड़क लगभग 700 मी. इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, वार्ड 13 हरेटी में पुवॉका ब्लॉक की बराबर से जमालपुर, सलेमपुर पाड़ली होते हुये खुर्द सम्पर्क मार्ग तक लगभग 01 किमी इण्टरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, ब्लॉक पुवॉका के ग्राम कलालहटी मेन सड़क कब्रिस्तान के अन्दर गाँव की ओर खाले की पुलिया तक लगभग 600 मी. इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, ब्लाक पुवॉका ग्राम मोहिद्दीनपुर में जिन्दा के मकान से लेकर बल्ले वाले की पुलिया तक लगभग 600 इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, ग्राम गागलहेडी में नसीर वेल्डिंग दुकान से लेकर मक्का बॉस की ओर जाने वाला रास्ता लगभग 01 किमी इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, नगर निगम के वार्ड 27 में कृष्णा कालोनी में सुहैल के मकान से वसीम के घर की ओर नफीस की तरफ होते हुये शाहिद कुरैशी के मकान तक लगभग 600 मी. इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, वार्ड 8 नाजिरपुरा से ग्राम मढ़ तक 600 मी इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण स्वीकृत हुआ है। जिसे लोक निर्माण विभाग द्वारा जल्द पूरा किया जायेगा।

पुराने आंकड़ों पर देश का भविष्य तय करना छल: रूही

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सपा के प्रदेश सचिव रूही अंजुम ने कहा कि 2026 में खड़े होकर 2011 के पुराने आंकड़ों पर देश का भविष्य तय करना एक छल है। संविधान का 131वां संशोधन विधेयक 2026 केवल महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास नहीं है बल्कि महिला आरक्षण जैसे पवित्र मुद्दे की आड़ में लोकतंत्र और संघीय ढांचे के साथ किया जा रहा एक बड़ा संवैधानिक प्रयोग है।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक जनगणना और परिसीमन के अटूट रिश्ते को तोड़ रहा है। अब तक मर्यादा रही है कि हर परिसीमन से पहले ताजा जनगणना अनिवार्य है लेकिन अब इसे सरकार की मर्जी पर छोड़ दिया गया है। पिछले 15 वर्षों में देश की आबादी और सामाजिक बनावट बदल चुकी है। ताजा जनगणना से भागना इस बात का प्रमाण है कि सरकार जातिगत जनगणना और पिछड़ों के वास्तविक आंकड़ों का सामना करने से डर रही है। प्रदेश सचिव ने कहा कि बिना नई जनगणना के परिसीमन उन राज्यों के साथ अन्याय है जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर काम किया है। साथ ही लोकसभा की सीटें बढ़ाकर 850 करना और राज्यसभा को वैसा ही छोड़ देना राज्यों की परिषद को शक्तिहीन बनाने की साजिश है। संयुक्त बैठक की स्थिति में राज्यसभा की आवाज पूरी तरह दबा दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक नियम आधारित व्यवस्था से हटकर सरकार निर्भर व्यवस्था की ओर ले जाने वाला कदम है। हम महिलाओं के लिए आरक्षण चाहते हैं लेकिन लोकतंत्र की बलि देकर या पिछड़ों के हक छीनकर यह दिखावा स्वीकार नहीं करेंगे। मेरी सरकार से मांग है कि इस राजनीतिक मायाजाल को छोड़कर वर्तमान 543 सीटों पर ही तत्काल 33 प्रतिशत महिला आरक्षण सुनिश्चित किया जाए।

भाजपा के पास कोई उपलब्धि नहीं: हरीश रावत

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि भाजपा के नो साल के कार्यकाल में कोई उपलब्धि नहीं है।

हरीश रावत ने यह बात छुटमलपुर में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय महासचिव मुजतबा एडवोकेट के निवास पर पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण अत्यधिक स्वागत योग्य है राजीव गांधी ने ये सपना देखा था कि पंचायतों में महिला आरक्षण मिले। संसद में आये सोनिया गांधी के नेतृत्व में लगातार ये आवाज उठायी जा रही थी। राज्यो के अंदर जो परिसीमन होगा इस निर्णय के साथ वो किस आधार पर होगा कई राज्य चिंतित है उत्तराखण्ड को भी चिंतित होना होगा दक्षिण के राज्यो की भी कई चिंता है जिन राज्यो की जनसख्या ज्यादा है कहीं उन्हीं राज्यो का दबदबा ना हो जाये। उन्होंने कहा कि हमारा संघीय संविधान है जो एक संतुलन आधार पर आधारित है परिसीमन के मामले में हमारी केंद्र सरकार को सलाह है सब राज्यो से परामर्श होना जरूरी है इस मुद्दे पर जल्दबाजी नहीं करनी चाहिये।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस उत्तराखण्ड में भारी बहुमत से सरकार बनाने जा रही है भाजपा के नो साल के कार्यकाल में कोई उपलब्धि नहीं है भ्रष्टाचार, महंगाई, दिन दहाड़े हत्या लूट अब उत्तराखंड में आम बात हो गई है, जो उद्योग कांग्रेस ने लगाये थे वो बंदी की कगार पर है किसान परेशान है फसलो के दाम नहीं मिल रहे है खाद बीज की किल्लत है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सिर्फ झूठ बोलकर और हिंदू मुस्लिम धर्म की राजनीति कर सत्ता में आयी है गैस की किल्लत सब के सामने है भाजपा सरकार के मंत्री भ्रष्टाचार में डूबे है ।देहरादून में कघनून व्यवस्था चरमराई हुई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली से देहरादून पहुँचना आसान हुआ है लेकिन देहरादून आईएसबीटी से अंदर कितना भारी भरकम जाम लग रहा है क्योंकि भाजपा की सरकार ने अंदर के जाम की समस्या के बारे में कोई मास्टर प्लान नहीं बनाया जो आने वाले समय में और चिंता बढ़ायेगा।

इस अवसर पर अब्दुल हसीब मलिक, मनोज चौधरी, प्रधान फरमान, प्रधान नासिर, कारी आबिद, राव यूसुफ, याहिया मलिक, अरशद मलिक, फेसल मिर्जा, अजीम मलिक, पदम् सिंह, रामबीर सिंह, महबूब तलहेड़ी, आजम मलिक, फजल मिर्जा आदि मोजूद रहे।

शव मिलने से सनसनी

सहारनपुर। थाना सदर बाजार क्षेत्र के न्यू मक्खन कॉलोनी के पास स्थित एक पुराने रेलवे यार्ड में गुरुवार को एक अज्ञात शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही थाना सदर बाजार पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार शव काफी पुराना होने के कारण उसकी हालत अत्यंत खराब हो चुकी थी, जिससे मृतक की पहचान नहीं हो सकी। मौके पर फील्ड यूनिट को बुलाकर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों से भी शव की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

बाबा साहेब के सिद्धांतों पर चलें: गुम्बर

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। भारत के महान संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के पावन अवसर पर भव्य सम्मेलन कर बाबा साहब के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया गया।

गढी मलूक में आयोजित सम्मेलन में नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि बाबा साहेब के विचारों को समाज में समानता, न्याय और बंधुत्व विचारों को जन-जन तक पहुँचाना है। हमारी सरकार बाबा साहब के पंच तीर्थ एवं बाबा साहब से जुड़े हुए समय समस्त स्मृतियों को सम्मान देने का काम कर रही है। मेयर अजय सिंह ने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डाला। रामपुर मनिहारान विधायक देवेंद्र निम ने बाबा साहब के बताये मार्ग पर चलने का आहवान किया। महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई, पूर्व महापौर संजीव वालिया ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में पार्षद संजीव कर्णवाल, बाल्मीकि समाज के अध्यक्ष विनोद घावरी, जय राम गीतम, भाजपा महामंत्री ललित कटारिया, उपाध्यक्ष मनोज ठाकुर, संत किरण दास, राम कुमार, महावीर दास, सतीश दास, सुरेंद्र दास, ओम प्रकाश कटारिया, बाबूराम, किरात दास, राजपाल, राजेश दास, रामकुमार, किशोर शर्मा, नितिन परमार, अंकित जाटव, प्रदीप शर्मा, मानवेंद्र भारद्वाज, राजेश जौहरी, गोपाल मेंहदीरत्ता, मयंक धींगडा, राजेश वालिया, सागर कटारिया, कैलाश नामदेव आदि मौजूद रहे।

पार्षद फराज ने कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम में स्तिथ विधुत विभाग कार्यालय में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत महिला अधिकारी के स्थानांतरण को लेकर पार्षद एकजुट नजर आ रहे हैं। कई पार्षदों के द्वारा स्थानांतरित शासनादेश का हवाला देते हुए मंडलायुक्त को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की।

इसी कड़ी में वार्ड संख्या 45 के पार्षद फराज अंसारी ने भी मंडलायुक्त को ज्ञापन प्रेषित किया है जिसमे उनके द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम में स्तिथ विधुत विभाग कार्यालय की महिला अधिकारी का स्थानांतरण का आदेश 4 सितम्बर 2025 को वाराणसी में कर दिया गया था परन्तु नगर निगम में भरस्टाचार के चलते अभी तक भी महिला अधिकारी को स्थानांतरित नहीं किया गया है। पार्षद फराज अंसारी ने आरोप लगाते हुए बताया कि नगर निगम में इनके द्वारा जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने वार्ड में होने वाली विधुत से सम्बंधित कार्यों की अवहेलना की जाती है जिससे पार्षदों के कार्य नहीं हो पा रहे हैं। पार्षद फराज अंसारी का कहना है कि लगभग 1 माह पूर्व भी मंडलायुक्त के द्वारा नगर आयुक्त को स्थानांतरण के आदेश जारी किये गए थे परंतु आज तक भी महिला अधिकारी को स्थानांतरित नहीं किया गया है जो जनहित में उचित नहीं है। पार्षद फराज अंसारी ने मंडलायुक्त से इस मामले पर संज्ञान लेकर कार्यवाही की मांग की है।

महिला अपने अधिकार पहचानें: शीतल

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत एक भव्य महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया।

गलीरा रोड पर आयोजित सम्मेलन में महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई ने कहा इस सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सम्मान और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना व महिलाओं की समाज में बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला और उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सम्मेलन में पूर्व विधायक रविंद्र मोहल्लू, प्रदेश मंत्री नूतन शर्मा व अल्पना तलवार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। सम्मेलन में सरदार सूपनीत सिंह,संयोजक महानगर मंत्री आरती शर्मा, कंचन धवन, नीलू राणा, मंत्री सोनम कश्यप, कुसुम वालिया, रूमा पाल संगीता, मीनाक्षी, राशि, ऊषा सरिता, भारती, जय श्री, रेखा, ममता, सोनिया, गीता पूनम, आरती, कविता, शीबा, बबली, मोनिका, जूली, रूपा, नेहा, नीरू अरोड़ा, सोशल मीडिया संयोजक प्रदीप शर्मा हेमंत धीमान, मयंक धींगरा, मंडल अध्यक्ष जोगेंद्र लाला, पार्षद सूपिन पाल, विजय अरोड़ा, विपिन कुमार आदि उपस्थिति रहे।

पुलिस ने शांतिभंग में दो आरोपियों को जेल भेजा

सहारनपुर। थाना नगर कोतवाली पुलिस ने शांति भंग की धाराओं में दो आरोपियों का चालान काटकर जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार थाना नगर कोतवाली पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह व उपनिरीक्षक महेंद्र सिंह के नेतृत्व में शांति भंग के आरोप में दो आरोपियों शिवम पुत्र रमेश निवासी इस्लामनगर थाना रामपुर मनिहारान व हर्ष कुमार पुत्र बवित कुमार निवासी सौराना थाना सरसावा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को को शांति भंग की धाराओं में चालान काटकर जेल भेज दिया।

भव्य हाल के निर्माण का विधि विधान से शिलान्यास

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नगर के प्राचीन क्षेत्र छत्ता बारूमल स्थित 150 वर्ष पुराने अतिशय क्षेत्र श्री दिगंबर जैन चंद्रप्रभ मंदिर के पावन परिसर में भव्य हॉल के निर्माण हेतु बुधवार को विधि-विधान से शिलान्यास संपन्न हुआ।

जैन समाज के अध्यक्ष राजेश कुमार जैन ने कहा कि अतिशय क्षेत्र का स्वरूप प्राप्त कर चुके इस प्राचीन जिनालय में हॉल निर्माण का शुभारंभ हो रहा है। भविष्य में यह हॉल असंख्य भव्य जीवों के सम्यकदर्शन, स्वाध्याय, जाप, सामायिक, भक्ति एवं पूजा-अर्चना में निमित्त बनेगा और आत्म-कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने ट्रस्ट के पदाधिकारियों को निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर पूर्ण करने की प्रेरणा दी।

समाज के संरक्षक एवं पूर्व महानगर भाजपा अध्यक्ष राकेश जैन ने कहा कि प्राचीन जिन मंदि. रों का जीर्णोद्धार नवीन मंदिर निर्माण से भी अधिक पुण्यदायी माना गया है। प्राचीन धरोहर की रक्षा हमारा परम कर्तव्य है। प्राचीन मंदिर प्राय: अतिशय क्षेत्र होते हैं जहाँ की ऊर्जा और पवित्रता अतुलनीय है। सीए अनिल जैन, महामंत्री संजीव जैन, निर्माण संयोजक अविनाश जैननाटी ने भी विचार रखे।

इस पावन अवसर पर डी.के. जैन एडवोकेट, चौधरी अनुज जैन, संजीव-जैन बब्बू राजीव जैन सर्राफ, मनीष जैन गोटे वाले, अवनीश जैन वैभव जैन, अरुण जैन, सुमित जैन, मानसिंह पूर्व पार्षद, नीरज जैन, चक्रेश जैन, जैन मिलन के महामंत्री अजय जैन, क्षेत्रीय अध्यक्ष राजीव जैन नानौता वाले, अनुज जैन पार्षद, दीपक जैन एडवोकेट, विशाल जैन तारवाले, पवन जैन, प्रदीप जैन, राजीव जैन अरिहंत सहित सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं साक्षी बने।

पंचायत चुनाव को लेकर ग्राम प्रधानों का प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। ग्राम प्रधान संगठनों से जुड़े प्रधानों ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रधानों ने आगामी पंचायत चुनाव समय पर न होने की स्थिति में एक वर्ष का कार्यकाल बढ़ाने तथा प्रशासक नियुक्त न किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

जिलाधिकारी को ज्ञापन देने की मांग को प्रधानों ने हंगामा किया, जिसके बाद मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी को प्रर्दशनकारी प्रधानों ने अपना ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के लिए विभिन्न ग्राम प्रधान संगठन के प्रतिनिधि हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में एकत्रित हुए। इसके बाद सभी प्रधान नारेबाजी करते हुए जुलूस के रूप में जिला मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश की त्रिस्तरीय पंचायतों का कार्यकाल आगामी 26 मई 2026 एवं 19 जुलाई 2026 को समाप्त होने जा रहा है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए समय पर पंचायत चुनाव कराना संभव प्रतीत नहीं होता। मतदाता सूची के पुनरीक्षण में हो रही देरी, समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन की लंबित प्रक्रिया तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 'ट्रिपल टेस्ट' की प्रक्रिया पूरी न होना प्रमुख कारण बताए गए हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि ग्राम प्रधान एवं अन्य पंचायत प्रतिनिधि सीधे जनता द्वारा चुने जाते हैं और अपने क्षेत्र की समस्याओं व आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझते हैं। ऐसे में वे अधिक पारदर्शिता, संवे. दनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हैं। संगठन ने प्रदेश सरकार से मांग करते हुए कहा कि वर्तमान पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखा जाए और प्रशासक नियुक्त न कर ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाया जाये। जिलाधिकारी को ज्ञापन देने की मांग को लेकर ग्राम प्रधान अडिग हो गये। आरोप है कि जिलाधिकारी द्वारा स्वयं ज्ञापन न लेकर मजिस्ट्रेट को नामित कर दिया गया। जैसे ही मजिस्ट्रेट ज्ञापन लेने पहुंचे, प्रधानों ने इसका विरोध करते हुए जिलाधिकारी को ही ज्ञापन देने की मांग पर अड़ गए। इस दौरान नाराज प्रधान जमीन पर ही धरने पर बैठ गए और जमकर नारेबाजी व हंगामा किया जिसके बाद धरने पर बैठे ग्राम प्रधानों के बीच जिलाधिकारी पहुंचे ओर उनका ज्ञापन लिया। इस दौरान ग्राम प्रधान संजय वालिया, राहुल त्यागी, अनुप कुमार, सविता देवी, शिवकुमार, बीना सैनी, पंकज, कुसुम, मौ. बाबर, रेनू, राजकुमार, तेजपाल समेत आदि प्रधान मौजूद रहे।

परीक्षाफल देख बच्चों के चेहरों पर मुस्कान

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सीबीएसई बोर्ड के हाईस्कूल का परीक्षाफल घोषित होने पर छात्रों में खुशी की लहर है।

बेहट कस्बे के मोहल्ला महाजनान निवासी मनीष शर्मा और माला शर्मा की बेटी मनस्वी शर्मा ने हाईस्कूल की परीक्षा में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने परिजनों एवं शिक्षकों का नाम रोशन किया है। मनस्वी शेमफोर्ड स्कूल की छात्रा है। छात्रा की इस उपलब्धि पर परिजनों में खुशी की लहर है। परिजनों ने छात्रा की इस उपलब्धि पर उसका मुंह मीठा कराया। मनस्वी का कहना है कि उसने यह लक्ष्य कड़ी मेहनत के बल पर प्राप्त किया है।

नानौता। नानौता के सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों का हाईस्कूल का रिजल्ट शानदार रहा ब्राईट होम, ग्रीन फील्ड, रेडिएंट पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

ग्रीन फील्ड एकेडमी कि तनु पुंडीर ने 96.07 प्रतिशत अंक लाकर स्कूल टाप वहीं सार्थक शर्मा ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा व जैद अंसारी ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया विद्यालय का कक्षा 10 का परिणाम शत् प्रतिशत रहा ब्राइट होम पब्लिक स्कूल में उत्कृष पुण्डीर ने 95.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल को टोप किया। शारस चावला ने 93.20 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतिष्ठा चौधरी ने 93.00 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त कर अपने अभिभावकों व शिक्षकों का मान बढाया। प्रधानाचार्य मौ. अहमद खान ने मेधावी छात्रों को मिष्ठान खिलाकर अग्रिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। रेडिएंट पब्लिक स्कूल में राशि तथा तानवी ने 95.60% अंक लाकर स्कूल टॉप किया वहीं वैष्णवी ने 95.40 अंक प्राप्त किए अनुष्का सैनी ने 94.80 व आदित्य ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए तो कुमुद तोमर, हर्ष, आर्यन चौहान, वर्षा, अमृता राव, पलक ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये।

एक नजर

उमना फातिमा गोल्ड मेडल से सम्मानित

किरतपुर। क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि काजी तारिक अली की पुत्री उमना फातिमा ने जामिया हमदर्द से एम.एससी (बायोमेडिकल साइंस) अंतिम वर्ष में प्रथम स्थान हासिल कर परिवार व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से नगर में खुशी और उत्साह का माहौल है। उमना फातिमा को उनकी इस शानदार सफलता पर माननीय चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण क्षण रहा। उनके पिता काजी तारिक अली ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जामिया हमदर्द का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संस्थान ने उनकी पुत्री को बेहतरीन शिक्षा और अनुकूल वातावरण प्रदान किया, जिससे वह इस मुकाम तक पहुंच सकीं। साथ ही उन्होंने माननीय चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति सूर्यकांत का भी धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि उमना की सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, शिक्षकों का मार्गदर्शन, परिवार का सहयोग और समाज का आशीर्वाद शामिल है। उमना फातिमा की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों में हर्ष का माहौल है। विभिन्न सामाजिक व शिक्षण क्षेत्र से जुड़े लोगों द्वारा परिवार को बधाइयां दी जा रही हैं। यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

होम डिलीवरी की लिस्ट फाड़ने पर हंगामा

नजीबाबाद। उप जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार के आदेश पर होम डिलीवरी के माध्यम से गैस सिलेंडर वितरण की व्यवस्था के बावजूद इंडियन गैस एजेंसी के गोदाम पर हंगामा हो गया। उपभोक्ताओं की भीड़ ने वितरण के लिए लगाई गई सूची फाड़ दी। स्थिति बिगड़ती देख एजेंसी स्टाफ ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। एसडीएम के आदेश के अनुसार प्रतिदिन 290 उपभोक्ताओं को सूची के आधार पर सिलेंडर दिए जाने हैं। सभी सिलेंडर उपभोक्ताओं के घर तक पहुंचाए जाएंगे। इस व्यवस्था में किसी भी उपभोक्ता को गोदाम पर आने या लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है। इसके बावजूद आज रात 12 बजे से ही गोदाम के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी लाइन लग गई। सुबह भीड़ बढ़ने पर कुछ उपभोक्ताओं ने गोदाम पर चस्पा की गई वितरण सूची फाड़ दी। हंगामा बढ़ने पर इंडियन गैस एजेंसी स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और आपूर्ति विभाग के अधिकारी धर्मेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस बल की मदद से गोदाम के बाहर जमा भीड़ को हटाया गया। अधिकारियों ने कहा कि सभी गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं को घर पर ही उपलब्ध कराए जाएंगे। इंडियन गैस एजेंसी के वर्कर होम डिलीवरी के माध्यम से घर-घर गैस पहुंचाएंगे। इंडियन गैस एजेंसी के मैनेजर खेम सिंह ने बताया कि सात अप्रैल से जिन उपभोक्ताओं की बुकिंग हुई है, उन सभी उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर घर पर पहुंचाया जाएगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से कहा कि वे गोदाम पर भीड़ न लगाएं और सूची के अनुसार घर पर ही सिलेंडर प्राप्त करें।

छात्राओं को अधिनियम की जानकारी दी

बिजनौर। आरबीडी डिग्री कॉलेज में प्राचार्या प्रो.पारुल त्यागी के निर्देशन में महिला आरक्षण अधिनियम 2023 (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) प्रचार अभियान के अंतर्गत भाषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में राजनीति विज्ञान विभाग की असि.प्रो. डा.अल्पना सिंह ने छात्राओं को अधिनियम के बारे में जानकारी दी। इसके बाद हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डा. शारदा द्विवेदी ने भी छात्राओं को अधिनियम के बारे में जागरूक करते हुए निरंतर आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। इसके उपरांत बीए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा आयशा परवीन, फायजा परवीन, मंतशा एवं कशिश ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि यदि भविष्य में उनको अवसर मिलेगा, तो वह नारी सशक्तिकरण में अपना योगदान देंगी व समाज में व्याप्त नारी समस्याओं का समाधान करेंगी। डा. अल्पना सिंह ने यह भी कहा की इस प्रकार के कार्यक्रम आम नारी को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हैं। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डा. आराधना दीक्षित का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने छात्राओं को देश की सशक्त नारियों के उदाहरण देते हुए उनके जीवन परिचय से अवगत करवाया।

एजुकोल का रिजल्ट रहा शत प्रतिशत

धामपुर। एजुकोल द गर्ल्स स्कूल में कक्षा दसवीं बोर्ड का परीक्षाफल गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शत प्रतिशत रहा। परीक्षाफल देखकर सभी छात्राएं खुशी से झूम उठीं। कक्षा दसवीं में मदीहा रहमानी ने 96%, डिम्पल राणा ने 94%, जिज्ञासा आर्या ने 93.8%, वरुनी ने 93.6%, रहमा नूर ने 92.4% प्राप्त कर विद्यालय का नाम उज्जवल किया। सभी छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों एवं माता-पिता को दिया। जिनके परिश्रम एवं आशीर्वाद से उन्होंने यह सफलता प्राप्त की। विद्यालय प्रबंधक डा. लोकेंद्र सिंह ने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए मिठाई वितरित की तथा प्रधानाचार्या मिस प्रीति अग्रवाल ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सभी छात्राएं आगे भी ऐसे ही अपने विद्यालय, माता-पिता तथा गुरुजनों का नाम रोशन करें। इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजद रहा।

मिट्टी से लदे वाहनों से उड़ रही धूल

स्कूली बच्चों की सेहत पर संकट

शाह टाइम्स संवाददाता

नजीबाबाद। बुंदकी रोड इन दिनों धूल के गुबार और अनियंत्रित रफ्तार का पर्याय बन गई है। मानकों को ताख पर रखकर मिट्टी का अवैध परिवहन करने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली और डंपर क्षेत्र के लोगों, विशेषकर स्कूली बच्चों के लिए बड़ी मुसीबत बन गए हैं। बिना तिरपाल ढके और मिट्टी के ओवरलोड वाहन न केवल यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, बल्कि मासूमों की सेहत से भी खिलवाड़ कर रहे हैं। बुंदकी रोड पर तीन से चार प्रमुख निजी स्कूल संचालित हैं। स्कूल खुलने और छुट्टी के समय सड़क पर बच्चों की भारी भीड़ रहती है। इसी दौरान मिट्टी से लदे वाहन तेज रफ्तार से निकलते हैं। नियमानुसार मिट्टी परिवहन के दौरान उसे तिरपाल से ढकना अनिवार्य है। लेकिन यहां चालक बेखौफ होकर खुले में मिट्टी उड़ाते हुए निकल रहे हैं। सड़क पर उड़ने वाली धूल के कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धूल की वजह से दृश्यता कम हो जाती है। जिससे दुर्घटना का भय बना रहता है। साथ ही बच्चों में सांस की तकलीफ और आंखों में जलन जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि घनी आबादी और स्कूल जोन होने के बावजूद इन वाहनों पर कोई अंकुश नहीं लगाया जा रहा है। नागरिकों का आरोप है कि ये वाहन चालक बिना किसी डर के फर्राटे भर रहे हैं। इससे प्रतीत होता है कि इन्हें प्रशासन या पुलिस का कोई खौफ नहीं है। नागरिकों ने मांग की है कि बिना मानक मिट्टी ढोने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि किसी बड़ी अनहोनी को टाला जा सके।

फ्यूचर चिल्ड्रन एकेडमी का शानदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

शिवाला कलां। फ्यूचर चिल्ड्रन एकेडमी के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि विद्यालय के कक्षा 10 के विद्यार्थियों का परिणाम सीबीएसई द्वारा घोषित किया गया। जिसमें विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन एवं अनुशासन के बल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस वर्ष कई विद्यार्थियों ने शानदार अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों में कुनाल ने 95%, कनिका ने 92%, आदर्श ने 92%, शशांक ने 85% तथा लविश ने 84% अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। विद्यालय प्रबंधन एवं समस्त शिक्षकों ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। साथ ही सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग को दिया गया है। विद्यालय के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य ने कहा कि फ्यूचर चिल्ड्रेन एकेडमी सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी विद्यार्थियों को इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती रहेगी।

तीन दिवसीय पर्यवेक्षक प्रशिक्षण का शुभारंभ

व्यावहारिक समस्याओं और उनके निराकरण पर विस्तृत चर्चा

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। एडीएम/जिला जनगणना अधिकारी वान्या सिंह के दिशा निर्देश में आज तहसील एवं नगर निकाय स्तर पर तीन दिवसीय प्रगणक एवं पर्यवेक्षक की ट्रेनिंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

एडीएम वान्या सिंह ने बताया कि आगामी जनगणना कार्यों को शुद्धता और समयबद्धता के साथ संपन्न कराने के लिए शासन के मंशानुसार आज जनपद में व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आगाज हुआ। एडीएम वान्या सिंह के कुशल दिशा-निर्देशों के क्रम में आज जनपद की समस्त तहसीलों एवं नगर निकायों में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया।

उन्होंने बताया कि जनगणना एक राष्ट्रव्यापी महत्वपूर्ण कार्य है, जिसकी सफलता सटीक डेटा पर निर्भर करती है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जनगणना की बारीकियों, तकनीकी पहलुओं और मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा फीडिंग की प्रक्रिया में दक्ष बनाना है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी तीन दिनों तक निरंतर जारी रहेगा। इस बार डिजिटल माध्यमों पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि डेटा संकलन में त्रुटि की गुंजाइश न रहे। प्रशिक्षण के दौरान फील्ड में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं और उनके निराकरण पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने विभिन्न केंद्रों पर आयोजित सत्रों में संबंधित तहसीलदारों और अधिशासी अधिकारियों ने मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से प्रगणकों को संबोधित किया। प्रगणकों को निर्देशित किया गया कि वे घर-घर जाकर जानकारी जुटाते समय आम जनमानस के साथ मृदु व्यवहार करें और प्रत्येक कॉलम को सावधानीपूर्वक भरें।

जिला जनगणना अधिकारी ने स्पष्ट किया कि पर्यवेक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे सुनिश्चित करेंगे कि उनके अधीन कार्य कर रहे प्रगणक निर्धारित क्षेत्र (Layout Map) के अनुसार ही कार्य कर रहे हैं और कोई भी परिवार गणना से वंचित न रहे।

इस मौके पर जिला प्रभारी जे पी यादव, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, मास्टर ट्रेनर्स और बड़ी संख्या में प्रगणक एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

उर्वरकों के संतुलित उपयोग की जानकारी दी

शाह टाइम्स संवाददाता

नगीना। कृषि क्षेत्र में बढ़ती लागत को कम करने और मिट्टी की सेहत सुधारने के उद्देश्य से आज ग्राम चन्दुपुरा (कोतवाली) में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्राप्त समाचार के अनुसार कृषि विज्ञान केंद्र नगीना द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'उर्वरकों का संतुलित उपयोग और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन' रहा। कार्यक्रम में केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. शिवांगी ने किसानों को संबोधित करते हुए मृदा परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बिना जांच के अंधाधुंध उर्वरकों का प्रयोग न केवल मिट्टी की संरचना को बिगाड़ रहा है, बल्कि किसान की खेती की लागत भी बढ़ा रहा है। उन्होंने संतुलित उर्वरक प्रबंधन के गुर सिखाते हुए बताया कि किस तरह सही मात्रा में खाद डालकर पैदावार को बढ़ाया जा सकता है।

गन्ना बेल्ट होने के कारण फसल सुरक्षा पर विशेष चर्चा हुई। वैज्ञानिक डा. पिंटू कुमार ने गन्ने में लगने वाले विभिन्न कीटों और बीमारियों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से 'टॉप बोरर' कीट की पहचान और उसके जैविक व रासायनिक नियंत्रण के उपायों के बारे में विस्तार से बताया, ताकि किसान समय रहते अपनी फसल को नुकसान से बचा सकें। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. केके सिंह ने किसानों को रसायनों पर निर्भरता कम करने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा वर्तमान समय में 'नवरत्न हरी खाद' की बुवाई मिट्टी की उर्वरता शक्ति सुधारने का सबसे सशक्त माध्यम है। इससे न केवल यूरिया-डीएपी पर निर्भरता कम होगी, बल्कि भूमि की जलधारण क्षमता भी बढ़ेगी। इसके साथ ही उन्होंने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों को उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

क्षेत्र के प्रगतिशील किसान नितिन सिरोही ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आज के दौर में पारंपरिक खेती के बजाय नवीन वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तकनीक आधारित खेती ही भविष्य में कृषि को लाभ का सौदा बनाएगी। कार्यक्रम में गन्ना मिल धामपुर के सीनियर केन मैनेजर सुरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की हुंकार

आठ विधानसभा सीटों पर तेज होगी तैयारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आर.के. फार्म्स में संगठन सृजन एवं समीक्षा की एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली बैठक आयोजित की गई, जिसने जिले की राजनीति में एक स्पष्ट और मजबूत संदेश दिया।

बैठक की समीक्षा एआईसीसीसचिव एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रदीप नरवाल द्वारा किया गया। उन्होंने प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों पर सरकार की उदासीनता अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस पार्टी जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष को और तेज करेगी। नरवाल ने विशेष रूप से बिजनौर जनपद की सभी आठ विधानसभा सीटों पर मजबूती के साथ काम करने का आह्वान किया और कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव, जो अब केवल लगभग आठ महीने दूर हैं के लिए पूरी तरह तैयार रहने एवं संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने पर जोर दिया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती हैनरीता राजीव सिंह ने पिछले एक वर्ष में बिजनौर कांग्रेस द्वारा किए गए संघर्षों और उपलब्धियों को मजबूती से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हर मोर्चे पर जनता की आवाज बनकर प्रशासन को जवाबदेह बनाने का कार्य किया है। चाहे वह किसानों, युवाओं, महिलाओं या आम नागरिकों के मुद्दे हों।

उन्होंने कार्यकर्ताओं के जज्बे और संघर्षशीलता की सराहना करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी कांग्रेस का हर कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ जनता के हक की लड़ाई लड़ रहा है।

बैठक के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, जो इस बात का प्रमाण है कि जनता का विश्वास तेजी से कांग्रेस की ओर बढ़ रहा है और आने वाले समय में संगठन और भी सशक्त होकर उभरेगा।

इस अवसर पर जिला, शहर, नगर, ब्लॉक, विभाग एवं प्रकोष्ठ के अध्यक्षगण, उनके समिति सदस्य, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पीसीसी सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एक नजर

विवेक में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम

बिजनौर। विवेक विश्वविद्यालय परिसर में आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम-प्रचार अभियान के अंतर्गत नारी शक्ति दीवार और मानव श्रृंखला के कार्यक्रम आयोजित किए गए। नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम की संयोजिका डा.मीना चौधारी ने संस्कृतिक कार्यक्रम समिति के सदस्यों के साथ विज्ञान, कॉर्मस और इंजीनियरिंग की छात्राओं ने विश्वविद्यालय के आयुर्वेद स्कूल में मानव श्रृंखला बनवाई तथा नारी शक्ति जागरण तथा नारी असमिता पर विस्तृत संदेश दिया। इस श्रृंखला निर्माण के अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति इंजी.दीपक मित्तल, वित्त-निदेशक डीके अग्रवाल, कुलसचिव डा. हितेश शर्मा तथा डीन साइंस डा. संजय कुमार त्यागी उपस्थित रहे। प्रतिकुलाधिपति द्वारा नारी शक्ति दीवार की स्थापना भी की जिस पर शिक्षिकाओं और छात्राओं ने विचार लिखे और हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम की सफलता में ऋचा चौधरी, डा. निधि शुक्ला, डा. पुष्पा जोशी, डा. संतोष गुप्ता, डा. माया देवी, डा. डीजी बारी, शालिनी राजपूत, ऋतु बिष्ट, डा. मीनाक्षी, डा. पूनम अग्रवाल, धयुति त्यागी, मनिका विश्नोई, डा. राशि तंवर आदि का सहयोग रहा।

जनगणना के लिए सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण

नगीना। आगामी जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में आज ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नियुक्त प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ कर दिया गया है। यह प्रशिक्षण अभियान 29 अप्रैल तक जारी रहेगा। तहसीलदार नगीना व चार्ज अधिकारी (ग्रामीण क्षेत्र) द्वारा जारी सूचना के अनुसार जनगणना अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए तहसील नगीना के ग्रामीण क्षेत्रों में 748 प्रगणक और 125 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, किसी भी आपात स्थिति या आवश्यकता के लिए 75 प्रगणकों और 13 सुपरवाइजरों को रिजर्व में रखा गया है। प्रशासन ने प्रशिक्षण कार्य को व्यवस्थित करने के लिए कुल 18 बैच बनाए हैं। प्रशिक्षण का कार्यक्रम चार चरणों में निर्धारित किया गया है। प्रथम बैच 16, 17, 18 अप्रैल, द्वितीय बैच 20, 21, 22 अप्रैल, तृतीय बैच 23, 24, 25 अप्रैल और चतुर्थ बैच 27, 28, 29 अप्रैल 2026 को सुबह 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक रहेगा। इसके लिए नगर के एमएम इंटर कॉलेज और हिंदू इंटर कॉलेज के भवनों को चिन्हित किया गया है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, नियुक्त प्रगणकों द्वारा जनगणना के प्रथम चरण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इसके तहत 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का महत्वपूर्ण कार्य संपादित किया जाएगा। प्रशासन ने सभी नियुक्त कर्मचारियों को समय से प्रशिक्षण में उपस्थित होने और कार्य को पूरी गंभीरता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

गेहूं की फसल जलकर राख

हीमपुर दीपा। खेत में आग लगने से किसान की फसल जलकर राख हो गई और हजारों रुपए का नुकसान भी हो गया। ग्राम माढ़ी में किसान सतपाल सिंह पुत्र बसंत की दो बीघा जमीन में खडी गेहूं की फसल में आग लग गई। जिससे किसान को लगभग 20 हजार रुपए का नुकसान हो गया। पीड़ित ने बताया कि किसी नशेड़ी के द्वारा बीड़ी या सिगरेट डालने के कारण आग लग गई।

नारी शक्ति बंधन अधिनियम पर संगोष्ठी

धामपुर। श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेज एंड हॉस्पिटल पीपलसाना में नारी शक्ति बंधन अधिनियम 2023 विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कॉलेज प्रबंधक डा. एनपी सिंह ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को समाज में समान अधिकार एवं अवसर प्रदान करना समय की आवश्यकता है, जिस देश का विकास संभव हो सके। प्राचार्या डा.ममता सिंह ने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो महिलाओं को सशक्त बनाकर उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाती है। संगोष्ठी में उपस्थित फैकेल्टी चंचल सैनी, सलोनी चौहान, हिमांशु कुमार,इकरा परवीन, शैली चौहान, तनु चौहान, तनु ज्योति, वर्षा सैनी, प्रिया चौहान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महिलाओं की भागीदारी को हर क्षेत्र में बढ़ने पर जोर दिया।

चुराई नकदी के साथ दबोचा

नजीबाबाद। थाना पुलिस ने क्षेत्र में एक घर से हजारों रुपए चोरी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई पूरी रकम भी बरामद कर ली। सोनू पुत्र जगदीश निवासी ग्राम जसवन्तपुर उर्फ लुकादड़ी में 15 अप्रैल को थाना नजीबाबाद में तहरीर देकर बताया था कि ग्राम के ही निवासी रिजवान पुत्र यामीन ने उसके घर से पांच हजार रुपए चोरी कर लिए। इस संबंध में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। उपनिरीक्षक तेजवीर सिंह, कांस्टेबिल नीरज पंवार व कांस्टेबल सीताराम ने आरोपी रिजवान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए पांच हजार रुपए भी बरामद कर लिए। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से कोर्ट ने आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

संयुक्त चिकित्सालय में बंद कमरे से मिली स्वास्थ्यकर्मी की लाश

शाह टाइम्स संवाददाता

चन्दौसी। संयुक्त चिकित्सालय चन्दौसी में उस समय हड़कंप मच गया जब एक बंद कमरे से तेज दुर्गंध आने पर सफाईकर्मियों ने दरवाजा खोलने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तुड़वाया गया। अंदर का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए।

कमरे में पलंग के नीचे एक व्यक्ति का शव पड़ा था, जिस पर मक्खियां भिनभिना रही थीं और दुर्गंध इतनी तेज थी कि वहां रुकना मुश्किल हो रहा था। घटना की खबर फैलते ही अस्पताल के कर्मचारी भी मौके पर एकत्र हो गए।मृतक की पहचान मोहन पाठक पुत्र केशवदत्त निवासी नीरकोट, रानीखेत के रूप में हुई, जो वर्तमान में चन्दौसी के आवास विकास क्षेत्र में रह रहे थे तथा संयुक्त चिकित्सालय में तैनात थे।

उनके भाई विजय पाठक ने दिल्ली से आकर उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। परिजनों के अनुसार, मोहन पिछले करीब 12 वर्षों से कैंसर से पीडिघ्त थे और ऑनलाइन सट्टा खेलने की लत के कारण मानसिक तनाव में भी रहते थे। सीएचसी प्रभारी डॉ. हरविंदर चौधरी ने बताया कि मोहन पाठक नियमित रूप से ड्यूटी पर आते थे, लेकिन सोमवार के बाद से वह दिखाई नहीं दिए। शुक्रवार को कमरे से दुर्गंध आने पर ताला तोड़कर अंदर देखा गया तो घटना का पता चला।

उन्होंने बताया कि मृतक गंभीर बीमारी से ग्रसित थे और मानसिक रूप से भी परेशान थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर फोरेंसिक टीम ने भी पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। जिस कमरे में शव मिला, उसकी चाबी पहले एक स्वास्थ्यकर्मी के पास थी, जिसने बीआरएस ले लिया था, बाद में यह चाबी मोहन पाठक को सौंप दी गई थी। फिलहाल मामला आत्महत्या और बीमारी के बीच उलझा हुआ है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बेढंगे खड़े बिजली के खम्बों को हटाने का काम शुरू

कांठ (शाह टाइम्स) उमरी कला में बेढंगे खड़े बिजली के खम्बो को हटाने का काम नगर पंचायत अध्यक्ष हाजी उस्मान अली ने शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि उमरी कला में कुछ खंबे नालियो में खड़े हैं और कुछ खंबे सड़कों के बीच में आ गए हैं जिसकी वजह से आवागमन भी बाधित होता है और कुछ खम्बो का कोई उपयोग भी नहीं हो रहा है इससे सड़कों की सफाई व्यवस्था भी खराब हो रही थी नगर वासियों द्वारा इस मामले में जानकारी देने पर हाजी उस्मान अली ने अपने कर्मचारियों को लगाकर खंबे हटाने का काम आज अपनी देखरेख में शुरू करा दिया।

एक नजर

गाली-गलौज और मारपीट में देवर व जेठ पर एफआईआर

कांठ (शाह टाइम्स)। गाली गलौज कर मारपीट करने के आरोप में महिला की शिकायत पर पुलिस ने जेठ एवं देवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। थाना क्षेत्र के गांव रुस्तमपुर निवासी महिला का कहना है कि वह घर पर थी जहां उसका जेठ पवनीत और देवर राहुल आ गए और गालियां देनी शुरू कर दी विरोध किया तो मारपीट पर उतारू हो गए और कमरे की और खींचने लगे जिससे उसके कपड़े भी फट गए महिला ने देवर और जेठ पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया और कहा कि इस मारपीट में उसे काफी चोट आई आरोप है कि दोनों हमलावरों ने उसका मोबाइल भी छीन कर फोड़ दिया इससे पहले भी यह लोग कई बार उसका मोबाइल तोड़ चुके हैं और आए दिन मारपीट कर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते रहते हैं। महिला की शिकायत पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

लाखों की चोरी में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कांठ (शाह टाइम्स)। लाखों की चोरी में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के गांव चकफेरी निवासी दीपक पुत्र जिले सिंह का परिवार रोजाना की तरह ही रात करीब 11 बजे खाना खाकर सोया था सुबह उसकी पत्नी सोनी की आंख खुली तो घर में रखें संदूक का ताला टूटा हुआ था जाकर देखा तो उसमें रखे सोने चांदी के जेवर एवं 11हजार रुपए नकदी गायव थी।

महिला ने बाकी परिवार को जगाकर घटना की जानकारी दी पीड़ित थाने पहुंचा और अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव कार्यक्रम घोषित, 15 मई को होगा मतदान

मुरादाबाद। जिला बार एसोसिएशन ने वार्षिक चुनाव की घोषणा कर दी है। एल्डर कमेटी के चेयरमैन फारूक अहमद निजामी, सदस्य ललित अरोड़ा, जयवीर सिंह,रामाशंकर टंडन एवं सत्यप्रकाश भटनागर ने चुनावी कैलेंडर जारी किया।चंदा जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, नामांकन की तिथि 4 मई,नामांकन जांच की तिथि 6 मई, नामांकन वापसी की तिथि11 मई, मतदान की तिथि 15 मई,मतगणना 16 मई चुनावी कैलेंडर की घोषणा जिला बार एसोसिएशन के सभागार में आयोजित बैठक में की गई।

बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष हर प्रसाद ने की तथा संचालन महामंत्री सरदार प्रकाश वीर सिंह ने किया।इस बैठक में डीजीसी सिविल अजय कुमार गुप्ता, सोमपाल सिंह,अनिल पाल सिंह, शेर सिंह बौद्ध, फुरकान अहमद, गोपाल कृष्ण, हर स्वरूप, चौतन्य पाल सिंह, ए. एच. जैदी, पूनम पाल, गजराम सिंह, भीकम सिंह सैनी, सत्यपाल सिंह, संजीव तिवारी, गजेन्द्र पाल सिंह, रागिनी ठाकुर, गुलफ्शा, वैशाली गुप्ता,आफरीन अकीक आदि ने प्रतिभाग किया।

18 अप्रैल को फिर लगेगा तहसील में विद्युत विभाग का कैंप

कांठ (शाह टाइम्स) बिजली विभाग की ज्यादा शिकायत पाए जाने पर मंडल आयुक्त के आदेश से 18 अप्रैल को एक बार फिर तहसील में विद्युत विभाग का कैंप लगाया जाएगा उक्त निर्देश उप जिला अधिकारी संत दास पवार ने उपखंड अधिकारी कांठ और अगवानपुर को दिए हैं। दिए निर्देशो में बताया गया की 9 अप्रैल को गढ़ी गांव में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया था जिसमें मंडल आयुक्त के सामने बिजली विभाग की ज्यादा शिकायते आई तो उन्होंने कैंप लगाकर इन शिकायतों के निस्तारण के निर्देश दिए।

इस क्रम में 16 अप्रैल को नगर पंचायत कार्यालय परिसर में विद्युत विभाग ने कैंप लगाया लेकिन उसमे मात्र 10 शिकायत आई जिनमें 5 का मौके पर निस्तारण किया गया। आज एसडीएम ने दोनों उपखंड अधिकारियों को पत्र जारी किया और कहा कि एक बार फिर कैंप लगाकर लोगों की शिकायतो का निस्तारण पांच दिवस में कराकर इसकी जानकारी उनके कार्यालय में दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत 13 इकाइयों का लक्ष्य, दस लाख तक ऋण पर ब्याज उपादान

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुरादाबाद को 13 इकाइयों का लक्ष्य आवंटित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा देना और परम्परागत व तकनीकी रूप से योग्य कारीगरों को प्राथमिकता देकर उद्यम स्थापना में सहायता करना है।जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सत्यवीर सिंह ने बताया कि योजना के अंतर्गत सेवा एवं उत्पादन सेक्टर में उद्यम की स्थापना के लिए 10.00 लाख रुपये तक का ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। पात्र उद्यमी 18 वर्ष से 50 वर्ष तक के पुरुष एवं महिला ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ब्याज उपादान का प्रावधान: अधिकतम 10.00 लाख रुपये तक के प्रोजेक्ट पर सामान्य श्रेणी के उद्यमियों को 4 प्रतिशत ब्याज स्वयं वहन करना होगा। उससे ऊपर का ब्याज, ब्याज उपादान के रूप में शासन/विभाग द्वारा टर्मलोन (पूंजीगत ऋण) पर 05 वर्षों तक प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत घटते क्रम में वित्तपोषण करने वाली बैंक शाखा को उपलब्ध कराया जाएगा।वहीं आरक्षित वर्ग जैसे अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक एवं महिलाओं के लिए ब्याज की पूरी धनराशि उपादान के रूप में शासन/विभाग द्वारा टर्मलोन पर 05 वर्षों तक प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत घटते क्रम में संबंधित बैंक शाखा को दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, मुरादाबाद से संपर्क किया जा सकता है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सत्यवीर सिंह ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी कार्यालय से संपर्क कर योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनें और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करें।

बच्चे पर हमले के उपरांत आज वन विभाग ने सलेमपुर के जंगल में लगाया पिंजरा, तेंदुए को लेकर दहशत व्याप्त

कांठ(शाह टाइम्स) सलेमपुर गांव के राजीव का परिवार जंगल में गेहूं कटाई कर रहा था शाम को वह गेहूं इकट्ठा कर रहे थे उनके साथ उनका 5 साल का बेटा लव्यांश भी था तभी अचानक गन्ने के खेत से तेंदुए ने आकर लव्यांश पर हमला कर दिया और उसे दबोच कर खेत के अंदर ले जाने लगा बच्चे के चीखने की आवाज सुनकर राजीव और उसकी पत्नी उस और दौड़ पड़े और तेंदुए से भिड़ते हुए बच्चे को उसके चंगुल से बचा लिया लेकिन तब तक बच्चा काफी घायल हो गया घायल बच्चे को सरकारी अस्पताल लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार देकर उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर

दिया गया। लेकिन इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत फैल गई ग्रामीणों ने कहा कि 25 दिन के भीतर तेंदुआ बच्चों समेत कई लोगों पर हमला कर चुका है केवल एक तेंदुआ अभी तक पकड़ में आया है बाकी पिंजरे खाली है लोगों ने तेंद.ओ से निजाद दिलाए जाने की मांग उठाई और कहा कि इस संबंध में शासन और प्रशासन जरूरी कदम उठाए। आज वन विभाग की टीम पिंजरा लेकर घटनास्थल पर पहुंची और तेंदुआ पकड़ने के लिए पिंजरा लगाकर लौट आई लेकिन समाचार लिखे जाने तक तेंदुआ अभी पिंजरे में नहीं फस पाया था क्षेत्र में इसे लेकर दहशत व्याप्त है।

महानगर सपा ने नव नियुक्त वार्ड अध्यक्षों को सौंपे मनोनयन पत्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय पर शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी संगठन के विस्तार करते हुए वार्डों अध्यक्षों को मनोनयन पत्र प्रदान किए गए। महानगर अध्यक्ष इकबाल हुसैन अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में महानगर के विभिन्न क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में निम्नलिखित वार्ड अध्यक्षों को उनके वार्डों की कमान सौंपी गई जिसमे वार्ड संख्या 27 उबैद हुसैन , वार्ड संख्या 45 से वसीम अनवर ,वार्ड संख्या 48 से अहमद अली , वार्ड संख्या 63 से रेहान खान , वार्ड संख्या 69 से मौहम्मद अलमान आदि को नियुक्ति पत्र सौंप गए। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष इकबाल हुसैन अंसारी ने नवनियुक्त अध्यक्षों को बधाई देते

हुए उनसे संगठन के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि प्रत्येक वार्ड अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से उठाएं और उनके त्वरित समाधान के लिए संघर्ष करें। अंसारी ने कहा कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं का निराकरण करना और समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन युवा और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं के जुड़ने से महानगर में समाजवादी पार्टी पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी और आगामी समय में पार्टी को और अधिक मजबूती मिलेगी। नवनियुक्त अध्यक्षों ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती के लिए अपना पूर्ण योगदान देने का संकल्प लिया।

इस मौके पर महानगर उपाध्यक्ष सलीम वारसी, नगर विधानसभा अध्यक्ष कमरूज्जमा सैफी लालू परवेज पूर्व जिला अध्यक्ष लोहिया वाहिनी शमशाद अंसारी मसरूर हसन शन्नू अरबाज खान एडवोकेट, अहमद मुरादाबादी आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मिशन शक्ति के तहत पुलिस की पहल

चन्दौसी। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति-5.0' के अंतर्गत जनपद सम्भल पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को एंटी रोमियो टीमों ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। चौपाल लगाकर बालिक.ाओं को जागरूक किया गया और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संवाद स्थापित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई तथा उन्हें आत्मनिर्भर और सजग बनने के लिए प्रेरित किया गया।

इस दौरान महिला पुलिस कर्मियों ने विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही पंपलेट वितरित कर लोगों को इन सेवाओं के उपयोग के प्रति जागरूक किया गया।

खाद वितरण के नए नियम लागू, फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य

शाह टाइम्स संवाददाता

चन्दौसी। किसानों के लिए खाद वितरण को लेकर नए नियम लागू कर दिए गए हैं। अब किसानों को खाद प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही यूरिया या डीएपी खाद लेने के लिए आधार कार्ड दिखाना भी जरूरी कर दिया गया है।

नुक्कड़ नाटक वर्कशॉप में महिला सदस्यों ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का किया स्वागत

मुरादाबाद। नुक्कड़ नाटक वर्कशॉप के माध्यम से यप महिला सदस्यों ने मनमोहक प्रस्तुतियों द्वारा नारी अधिनियम बिल का स्वागत करते हुए खुशी का इजहार किया एवं दूर दूर तक जनचेतना प्रचार प्रसार पीली कोठी स्थित होटल में किया यह बदलाव केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सोच, व्यवस्था और नेतृत्वख्रतीनों स्तर पर दिखाई दे रहा है।

महिलाओं को "लाभार्थी" नहीं, बल्कि "निर्णयकर्ता" बनाने का काम हुआ है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम कानून सिर्फ 33% आरक्षण का प्रावधान नहीं है, बल्कि यह भारत की राजनीति और लोकतंत्र को नया स्वरूप देने वाला परिवर्तन है। अब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी, और देश के बड़े फैसलों में उनकी सीधी भूमिका होगी।हमने देखा है कि जब महिलाओं को अवसर मिलता है, तो वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। इसका सीधा अर्थ है कि अब महिलाएं केवल दर्शक नहीं रहेंगी, बल्कि नीति-निर्माण और निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएंगी। यह बदलाव केवल संख्या बढ़ाने का नहीं है, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी, संतुलित और प्रतिनिधिक बनाने का है।पिछले वर्षों में महिलाओं के जीवन में कई बड़े बदलाव महिलाओं को विकास के केंद्र में रखा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि लोकतंत्र को और मजबूत करने वाला ऐतिहासिक कदम है।

कुंदरकी विधायक ने तीन गांवों में ग्राम चौपाल का किया शुभारंभ, समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

कुंदरकी। शासन के निर्देश पर विकास खंड कुंदरकी के ग्राम इमरतपुर उद्यो एवं विकास खंड मूंढापांडे के ग्राम अक्का डिलारी और वीरपुर वरियार में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। तीनों चौपालों का शुभारंभ कुंद.रकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने किया।इस दौरान विधायक ने स्थानीय ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने इन समस्याओं के त्वरित और न्यायोचित निस्तारण के लिए चौपाल में मौजूद संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। विधायक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जन समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रशासन की जवाबदेही पर जोर दिया।ग्राम चौपाल में स्वास्थ्य विभाग, ग्राम विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, समाज कल्याण विभाग, राजस्व विभाग, पूर्ति विभाग, कृषि विभाग, विद्युत विभाग, पुलिस विभाग, महिला एवं बाल कल्याण

विभाग सहित सभी प्रमुख विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सभी सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक सरलता से पहुंचे। उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रशासन की पूर्ण प्रतिबद्धता दोहराई। विधायक ने कहा कि खुशहाल गांव और सशक्त ग्रामीण ही उनकी प्राथमिकता हैं।चौपाल में मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान किया गया। फार्मर रजिस्ट्री सहित अनेक व्यक्तियों के विभिन्न पेंशन योजनाओं के लिए आवेदन कराए गए।

विद्युत विभाग के मीटर संबंधी शिकायतों का भी तत्काल निस्तारण किया गया। ग्रामीणों ने सड़क, नाली, आवास, राशन कार्ड और पेयजल से जुड़ी समस्याएं रखीं, जिन पर अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए।इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह, पूर्ति निरीक्षक शैलेंद्र सिंह, सहायक विकास अधिकारी कुलदीप सिंह, लेखपाल निक्की कुमारी, सीएचओ विशेष कुमार, विवेक कुमार, मंडल अध्यक्ष बबलू जाटव, विजेंद्र चौधरी, इरशाद खान, शक्ति केंद्र संयोजक राकेश कश्यप, राजवीर सिंह, जिला मंत्री ज्योति वाल्मीकि, मुदित त्यागी, अंकित चौहान, बबलू प्रजापति, महेन्द्र प्रजापति, केपी सिंह, उस्मान अली, विनोद यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेदखली सूचना

हमने अपने पुत्र मो. नदीम (उम्र 26 वर्ष) पुत्र हबीब अहमद निवासी हाशमपुर चौराहा पाकबडा, मुरादाबाद को गलत संगत/गलत आचरण व दुर्व्यवहार करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति व सामा.जिक रिश्तों से बेदखल कर पारिवा.रिक संबंध विच्छेद कर लिए हैं। भविष्य में मो. नदीम के द्वारा किए गए किसी भी कृत्यो/लेनदेन व मुकदमें बाजी इत्यादि के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। आज के बाद हमारा व हमारे परिवार के किसी भी अन्य सदस्य से कोई ताल्लुक व वास्ता नही होगा। हबीब अहमद पुत्र हमीदुल्लाह व श्रीमती शमशादी पत्नी हबीब अहमद निवासीगण हाशमपुर चौराहा के पास आजाद नगर कस्बा व थाना पाकबड़ा तहसील व जिला मुरादाबाद

बेदखली सूचना

मैंने अपने पुत्र शेखर कुमार उर्फ नन्हे एवं पुत्रवधू मीनाक्षी पाल को उनके गलत आचरण के चलते अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करते हुए उनसे संबंध विच्छेद कर लिए हैं। उनके किसी कृत्य से मेरा और बाकी परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। **अशोक कुमार पुत्र फूलचंद सिंह, निवासी मुख्तियारपुर नवादा, तहसील कांठ, जिला मुरादाबाद।**

कोलकाता ने गुजरात को 181 का टारगेट दिया

कैमरन ने 55 बॉल पर 79 रन बनाए, कगिसो रबाडा को 3 विकेट

अहमदाबाद, वार्ता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के 25वें मैच में गुजरात टाइटंस को 181 रन का टारगेट दिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में केकेआर ने बैटिंग चुनी। कोलकाता 20 ओवर में 180 पर आलआउट हो गई। जवाबी पारी में गुजरात ने पहले ओवर में बिना नुकसान के 3 रन बना लिए हैं।

साई सुदर्शन और शुभमन गिल क्रीज पर हैं। कैमरन ग्रीन ने सीजन की पहली फिफ्टी लगाई। उन्होंने 55 बाल पर 7 चौके और 4 छक्के के सहारे 79 रन की पारी खेली। कगिसो रबाडा ने 3 विकेट झटके। मोहम्मद सिराज और अशोक शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान को एक-एक विकेट मिला। 20वें ओवर की आखिरी बाल पर कैमरन ग्रीम 79 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें राशिद खान ने जोस बटलर के हाथों कैच कराया। इसी के साथ कोलकाता 20 ओवर में 180 रन पर आलआउट हो गई। 19वें ओवर में कोलकाता ने 9वां विकेट गंवाया। यहां कार्तिक त्यागी 6 रन बनाकर रनआउट हो गए। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने जोस बटलर के थ्रो पर नान स्ट्राइक पर रनआउट किया। 18वें ओवर की तीसरी बाल पर कोलकाता ने 8वां विकेट गंवाया। यहां पर सुनील नरेन जीरो पर आउट हुए। उन्हें मोहम्मद सिराज ने ग्लेन फिलिप्स के हाथों कैच कराया। 17वें ओवर में कोलकाता ने 7वां विकेट गंवाया। यहां पर रमनदीप सिंह (17 रन) को अशोक शर्मा ने सिराज के हाथों कैच कराया। अशोक शर्मा को दूसरा विकेट मिला है। 16वें ओवर में कोलकाता ने छठा विकेट गंवाया। यहां पर रिंकू सिंह एक रन बनाकर आउट हुए। रबाडा की गुड लेंथ बाल बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर जोस बटलर के दस्तानों में चली गई। रबाडा को तीसरा विकेट मिला है। इसी ओवर में कोलकाता ने 150 रन का आंकड़ा भी पार किया। 15वें ओवर में कोलकाता ने पांचवां विकेट गंवा दिया। ओवर की पांचवीं बाल प्रसिद्ध कृष्णा ने आफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर फेंकी। अनुकूल राय एक्स्ट्रा कवर्स के ऊपर से शाट खेलने गए, लेकिन काट बिहाइंड हो गए। वे 9 रन ही बना सके, लेकिन कैमरन ग्रीन के साथ पांचवें विकेट के लिए 60 रन की पार्टनरशिप कर गए। 14वें ओवर में कैमरन ग्रीन ने राशिद खान की बाल पर लगातार तीन बाउंड्री लगाई। उन्होंने पहली बाल पर छक्का लगाया। उसके बाद अगली दो बाल पर दो चौके लगाए दिए। राशिद के इस ओवर से 17 रन आए। 13वें ओवर में कैमरन ग्रीन ने अशोक शर्मा की बाल पर छक्का लगाया। जोकि मैदान के अंदर खड़ी डिस्प्ले कार पर लगा। ग्रीन ने गुड लेंथ की स्लोअर बाल को डीप बैकवर्ड पाइंट की दिशा में खेला था। अशोक के इस ओवर से 19 रन आए। 13वें ओवर में कैमरन ग्रीन ने फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने इस सीजन का पहला अर्धशतक लगाया। उन्हें 34 बाल लगी। उन्हें कोलकाता ने पिछली नीलामी ने 25 करोड़ 20 लाख रुपए में खरीदा था। 12वें ओवर में कोलकाता ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया।

हैदराबाद के आतिशी व सैमसन की स्थिरता के बीच होगा मुकाबला

हैदराबाद, वार्ता। आज रात हैदराबाद में, जब माहौल थोड़ा तनावपूर्ण है, एक ऐसा मुकाबला खेला जा रहा है जो लीग मैच से कहीं अधिक क्रिकेट के दो दर्शनों की शांत परीक्षा है - एक पुराना और आजमाया हुआ, दूसरा नया और अभी भी अपने आप से जूझ रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स एक ऐसी संस्था की तरह मैदान में उतरी है जो संन्यास लेने से इनकार करती है।

रुतुराज गायकवाड़ निरंतरता का भार लेकर टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, वहीं इस सीजन में सबसे अधिक रन बनाने वाले संजू सैमसन बल्लेबाजी में ऐसी शालीनता दिखाते हैं जैसे उन्हें घबराहट में कोई दिलचस्पी नहीं है। उनके साथ, आयुष म्हात्रे युवा जोश और प्रतिष्ठा की परवाह न करते हुए बेखौफ होकर खेलते हैं, डेवाल्ड ब्रेविस अपनी अनूठी रचनात्मकता से सबको प्रभावित करते हैं, सरफराज खान दृढ़ निश्चय के साथ खेलते हैं, और शिवम दुबे चेन्नई सुपर किंग्स की उस जानी-पहचानी लय को बनाए रखते हैं जो पारी को लयबद्धता की नहीं, बल्कि विराम चिनों की जरूरत होने पर काम आती है। उनके पीछे, प्रशांत वीर एक शांत और उपयोगी गेंदबाज के रूप में मौजूद हैं,

जेमी ओवर्टन अंग्रेजी शैली की वह बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करते हैं जो सीएसके के लिए हमेशा उपयोगी रही है, नूर अहमद एक कुशल गेंदबाज की तरह धैर्यपूर्वक स्पिन गेंदबाजी करते हैं, अंशुल कंबोज बढ़ते आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजी करते हैं, और गुरजपनीत सिंह उस गेंदबाजी इकाई को पूरा करते हैं जिसने केवल आक्रमण करने के बजाय टिके रहना सीख लिया है। बेंच से, अकील हुसैन प्रभाव डालने वाले विकल्प के रूप में तैयार हैं - एक ऐसा गेंदबाज जो बिना आवाज उठाए अपना मिजाज बदल लेता है। इसके विपरीत, सनराइजर्स हैदराबाद एक ऐसी टीम के रूप में आई है जिसने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह खुद का कौन सा रूप पसंद करती है। अभिषेक शर्मा शीर्ष क्रम में लय बनाते हैं - कभी विस्फोटक, कभी अपनी महत्वाकांक्षा के कारण समय से पहले आउट हो जाते हैं। उनके बाद ट्रैविस हेड आते हैं, जो समान रूप से विनाशकारी या निराशाजनक प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। कप्तान ईशान किशन जिम्मेदारी और आजादी दोनों निभाते हैं, ऐसे बल्लेबाजी करते हैं जैसे हर पारी एक ऐसी बहस हो जिसे उन्हें जीतना ही है। उनके मध्य क्रम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन सबसे सटीक गेंदबाज बने हुए हैं, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी और अनिकेत वर्मा युवा आक्रामकता का प्रतिनिधित्व करते हैं जो संरचना खोजने की कोशिश कर रही है।

खेल विशेष

मेसी ने बार्सिलोना का एक निचली लीग क्लब खरीदा

मैड्रिड, वार्ता। एफसी बार्सिलोना के पूर्व फॉरवर्ड लियोनेल मेसी ने स्पेन के पांचवें दर्जे के क्लब यूएई कोर्नेला को खरीदने का काम पूरा कर लिया है। अर्जेंटीना के इस दिग्गज खिलाड़ी ने, जो एमएलएस टीम इंटर मियामी के लिए खेलते हैं, बार्सिलोना के बाहरी इलाके में स्थित इस क्लब का 100 प्रतिशत मालिकाना हक हासिल कर लिया है। यूएई कोर्नेला फिलहाल आरएफईएफ थर्ड डिवीजन के ग्रुप 5 से ऊपर उठने की कोशिश कर रहा हैद्ध पिछले सीजन में यह आरएफईएफ सेकंड डिवीजन (जो चौथा दर्जा है) से नीचे खिसक गया था। 1951 में स्थापित इस क्लब ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि मेसी का आना ष्क्लब के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत है, जिसका मकसद खेल और संस्थागत, दोनों तरह की तरक्की को बढ़ावा देना, इसकी नींव को मजबूत करना और नई प्रतिभाओं में लगातार निवेश करना है। बयान में आगे कहा गया।

ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद उबेर कप से हटीं

नई दिल्ली, वार्ता। भारत की शीर्ष महिला युगल जोधी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, ट्रीसा की चोट के कारण उबेर कप फाइनल्स 2026 में हिस्सा नहीं लेंगी। भारतीय बैडमिटन संघ ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उनकी जगह श्रुति मिश्रा और प्रिया कोंजेंगबम को टीम में शामिल किया गया है। उबेर कप में भारतीय महिला टीम मौजूदा और 16 बार के चैंपियन चीन के साथ ग्रुप-ए में है। मेजबान डेनमार्क और यूक्रेन इस ग्रुप की अन्य टीमें हैं। भारत उबेर कप के पिछले टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल में जापान से हारकर बाहर हो गया था।

शुभंकर ने जीता पहला बोल्डर्स क्लासिक खिताब

हैदराबाद, वार्ता। राउंडग्लास स्पोर्ट्स के एथलीट और ब्रांड एंबेसडर शुभंकर शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हैदराबाद के बोल्डर हिल्स गोल्फ एंड कंट्री क्लब में आयोजित पहले 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि के बोल्डर्स क्लासिक का खिताब अपने नाम किया। दिसम्बर 2021 के बाद अपने पहले घरेलू टूर्नामेंट में डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई सर्किट पर वापसी करते हुए, दो बार के डीपी वर्ल्ड टूर विजेता शर्मा ने अपने अनुभव और क्लास का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। पूरे टूर्नामेंट के दौरान शर्मा का दबदबा कायम रहा। उन्होंने अपनी सटीक बॉल-स्ट्राइकिंग और शांत स्वभाव के दम पर कोर्स को लगातार नियंत्रित किया। उनके प्रत्येक दिन के स्कोर ने उनके प्रदर्शन को दर्शाया-पहले दिन उन्होंने छह अंडर 66 का संयमित स्कोर बनाया, जिसके बाद दूसरे दिन भी छह अंडर 66 के शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने हाफवे स्टेज पर दो शॉट की बढ़त बना ली। तीसरे दिन शर्मा ने पूरी तरह नियंत्रण दिखाते हुए आठ अंडर 64 का स्कोर बनाया, जिसमें नौ बर्डी और केवल एक बोगी शामिल थी।

बेंगलुरु-दिल्ली के बीच बड़े मुकाबले में विराट पर रहेंगी सबकी नजरें

बेंगलुरु, वार्ता। चिन्नास्वामी में विराट कोहली बनाम दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं होता। यह उम्मीदों, यादों और उस खामोश हार को मान लेने की भावना से भरा होता है, जो पहली गेंद फेंके जाने से पहले ही मेहमान टीमों पर छा जाती है। आरसीबी पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर है, पांच में से चार मैच जीत चुकी है,

और उस टीम जैसा थोड़ा-सा घमंड भी रखती है, जिसे अब खुद पर भरोसा होने लगा है। अपने घरेलू मैदान पर अजेय रहते हुए, वे चिन्नास्वामी की सिर्फ रक्षा ही नहीं करते, बल्कि उसे अपना घर मानते हैं। यह मैदान, अपनी छोटी बाउंड्री और बल्लेबाजों के लिए मददगार आसमान के साथ, एक वेन्यू से ज्यादा उनकी बैटिंग लाइनअप का ही एक हिस्सा लगता है। विराट कोहली, पांच पारियों में 57 की औसत और लगभग 160 के स्ट्राइक रेट से 228 रन बनाकर, इस सब के केंद्र में हैं। न तो जोर-शोर से, न ही नाटकीय अंदाज में, बल्कि उस शांत आत्मविश्वास के साथ, जो किसी ऐसे खिलाड़ी में होता है जिसने इस लीग के हर रूप को देखा हो और पाया हो कि उनमें से ज्यादातर रूप दो. हराए जाते हैं। उनके आस-पास, रजत पाटीदार 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं, मानो समय कोई ऐसी चीज हो जिसे सम्मान देने के बजाय पूरी तरह से इस्तेमाल कर लेना चाहिए। फिल सॉल्ट, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड मिलकर एक ऐसी बैटिंग लाइनअप बनाते हैं, जो एक क्रम से ज्यादा एक के बाद एक आने वाले तूफानों जैसी लगती है। दिल्ली कैपिटल्स पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर है, चार में से दो मैच जीते हैं, और उनका हालिया इतिहास थोड़ा उनके खिलाफ रहा है। वे कोई कमजोर टीम नहीं हैं, वे बस अभी पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उनका क्रिकेट अक्सर उम्मीदों के साथ शुरू होता है और सवालों के साथ खत्म होता है। समीर रिजवी ने चार मैचों में 55-33 की औसत से 166 रन बनाकर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

कोहली को रोकने के लिए अक्षर को थामनी होगी नई गेंद

बेंगलुरु, वार्ता। आईपीएल 2026 में शनिवार के पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) का सामना दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) से बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। जहां आरसीबी की टीम पांच में से चार मुकाबले जीतकर शीर्ष-2 में है, वहीं डीसी चार में से दो मुकाबले जीत और दो मुकाबले हारकर अंक तालिका के बीच में है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 33 मुकाबलों में आरसीबी को 20, जबकि डीसी को 12 में जीत मिली है, जबकि एक मुकाबला रद्द हुआ था। बेंगलुरू में हुए दोनों टीमों के बीच 13 मुकाबलों में भी आरसीबी 7-5 से आगे है। पांच पारियों में दो अर्धशतकों के साथ 228 रन बना चुके विराट कोहली को अगर रोकना है, तो डीसी के कप्तान अक्षर पटेल को खुद नई गेंद थामनी होगी। अक्षर ने कोहली को आईपीएल में सिर्फ एक बार आउट किया है, लेकिन कोहली, उन पर सिर्फ 113 के स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाते हैं। अक्षर,कोहली के सलामी जोड़ीदार फिल सॉल्ट को भी परेशान करते हैं और सॉल्ट भी उनके खिलाफ सिर्फ 113 के ही स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। सॉल्ट, अक्षर के खिलाफ चार पारियों में दो बार आउट भी हुए हैं, जबकि लुंगी एनगिडी ने भी सॉल्ट को चार में से दो पारियों में आउट किया है। अक्षर ना सिर्फ शुरुआती बल्कि बाद के ओवरों में भी इस मैच में अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं। उन्होंने टिम डेविड और जितेश शर्मा को दो-दो बार आउट किया है। जितेश उन पर सिर्फ 87 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं।

हमें कुछ कठिन सवालों के जवाब ढूंढने होंगे और जिम्मेदारी लेनी होगी: हार्दिक

मुंबई, वार्ता। मुंबई इंडियंस (एमआई) के आईपीएल 2026 में लगातार चौथा मैच हारने के बाद उनके कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि टीम को अपनी कस्मित बदलने के लिए कुछ कठिन सवालों के जवाब ढूंढने होंगे। उनकी ताजा हार पंजाब किंग्स के खिलाफ आई, जिन्होंने एमआई को 195/6 पर रोका और फिर 16-3 ओवरों में ही सात विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। इसका मतलब यह रहा कि एमआई पांच मैचों में सिर्फ एक जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर बनी हुई है।

पंड्या ने मैच के बाद कहा कि हमें सच में देखना होगा कि क्या हमें कुछ मुश्किल फैसले लेने की जरूरत है या हमें इसी तरह आगे बढ़ते रहना चाहिए और उम्मीद करनी चाहिए कि चीजें बदल जाएंगी। ए कुछ कठिन सवाल हैं, जिनका जवाब हमें देना होगा और इसकी जिम्मेदारी भी लेनी होगी। मेरे पास अभी कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। मुझे लगता है हमें फिर से शुरुआत करनी होगी और देखना होगा कि हम कहां कमी कर रहे हैं। क्या यह व्यक्तिगत स्तर पर है, क्या टीम के तौर पर है, या प्लानिग में कोई कमी है? हम इसे समझेंगे और देखेंगे कि आगे क्या किया जा सकता है। साथ ही, पंड्या ने विपक्ष को तीनों विभागों में बेहतर खेलने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है हमें उन्हें भी क्रेडिट देना चाहिए। पहली पारी में गेंद रिवर्स होने लगी थी और उस समय ओस नहीं आई। दूसरी पारी में ओस आई और पिच थोड़ी बेहतर हो गई। लेकिन इसके बावजूद, उन्होंने हमें हर विभाग में मात दी। उन्होंने बेहतर गेंदबाजी की, बेहतर बल्लेबाजी की और फील्डिग भी बेहतर की और यही हमारे मैच हारने की वजह बनी।

श्रेयस अय्यर भारतीय टी-20 टीम में सीधे आने के लायक हैं: चावला

मुंबई, वार्ता। श्रेयस अय्यर ने आईपीएल 2026 में अपनी पिछली तीन पारियों में 50, नाबाद 69 और 66 रन बनाए हैं। यह उन कारणों में से एक हैं, जिसकी वजह से पंजाब किंग्स इस समय चार जीत और एक वॉशआउट के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। उनकी हालिया शानदार पारी के बाद आरोन फिच के पास उनकी तारीफ के लिए शब्द कम पड़ गए।

पंजाब की मुंबई इंडियंस पर जीत के बाद फिच ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइमआउट शो में कहा कि उन्हें खेलते देखकर हैरानी होती है कि वह कितने अच्छे हैं। उन्होंने पिछले और अभी के आईपीएल के बीच कोई टी20 मैच नहीं खेला और फिर भी उन्होंने शुरुआत से ही धमाकेदार प्रदर्शन किया है। उनकी कप्तानी शानदार है। यह देखकर हैरानी होती है कि वह भारत के लिए और ज्यादा क्रिकेट क्यों नहीं खेलते। वह बेहतरीन खिलाड़ी हैं और देखने में भी बहुत अच्छे लगते हैं। वह गेंद को जोर से मारने की कोशिश नहीं करते।

विकेट के दोनों तरफ खेलते हैं, फ्रंट फुट और बैक फुट दोनों पर शानदार हैं। अब उन्होंने अपने खेल के उस हिस्से को काफी सुधार लिया है। जहां पहले लगता था कि शॉर्ट गेंद पर उन्हें रोका जा सकता है या आउट किया जा सकता है, अब वह उसे भी नियंत्रण के साथ खेलते हैं। फिच के साथ बैठे पीयूष चावला मानते हैं कि अय्यर को टीम में होना चाहिए।

चावला ने कहा, ष्मेरे हिंसाब से अगर मैं चयनकर्ता होता, तो वह सीधे टीम में आते। वह मध्य क्रम के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके पास क्रिकेटिंग दिमाग है, वह टीम को लीड भी कर सकते हैं। भविष्य के लिए देखें तो वह जरूर टीम में जगह बनाते हैं। 2025 की शुरुआत से आईपीएल में 500 से ज्यादा रन बनाने वाले 22 बल्लेबाजों में उनका स्ट्राइक रेट तीसरा सबसे ज्यादा है। अभिषेक शर्मा और उनके टीममेट प्रियांश आर्य उनसे ऊपर हैं। इस दौरान उनका औसत भी तीसरा सबसे बेहतर है। विराट कोहली और जॉस बटलर उनसे ऊपर हैं। इन दो सीजन में अब तक सिर्फ चार बल्लेबाजों ने उनसे ज्यादा रन बनाए हैं।

टी-20 विश्वकप में कनाडा के मैच की हो रही है जांच

दुबई, वार्ता। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीयू) क्रिकेट कनाडा से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही है। इसमें भारत और श्रीलंका में हुए पुरुष टी-20 विश्व कप के दौरान कनाडा से जुड़ा हुआ एक मैच भी शामिल है। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार एसीयू के पास दो सक्रिय जांचें लंबित है। ए जांचें क्रिकेट कनाडा के अलग-अलग पहलुओं और अंतर्राष्ट्रीय व घरेलू स्तर पर आईसीसी के एंटी-करप्शन कोड के उल्लंघन के आरोपों से जुड़ी हैं।

इन आरोपों का खुलासा 'करप्शन, क्राइम और क्रिकेट' नामक एक डॉक्यूमेंट्री में हुआ, जिसे कनाडा के इन्वेस्टिगेटिव प्रोग्राम द फिफ्रथ इस्टेट ने बनाया है। 43 मिनट की यह फिल्म क्रिकेट कनाडा में भ्रष्टाचार और प्रशासन से जुड़े कई गंभीर आरोपों की पड़ताल करती हुई दिखती है। इस डॉक्यूमेंट्री को शुक्रवार को सार्वजनिक प्रसारक, कनैडियन ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन (सीबीसी) ने प्रसारित किया। डॉक्यूमेंट्री के अनुसार, विश्व कप में भ्रष्टाचार का आरोप कनाडा और न्यूजीलैंड के मैच से जुड़ा है। जांच का केंद्र न्यूजीलैंड की पारी का पांचवां ओवर है, जब कनाडा कप्तान दिलप्रीत बाजवा गेंदबाजी करने आए। बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से केवल तीन हफ्रते पहले कप्तान बनाया गया था। मुख्य रूप से बल्लेबाजी ऑलराउंडर और ऑफ स्पिन गेंदबाज बाजवा ने गेंद तब संभाली, जब न्यूजीलैंड का स्कोर 35 रन पर दो विकेट था। कनाडा ने तेज गेंदबाज जसकरण सिंह और डिलन हेलिंगर से शुरुआत की थी और उन्होंने अपने पहले ओवर में क्रमश: 15 और 14 रन दिए। इसके बाद तीसरे ओवर में साद बिन जफर को लाया गया, जिन्होंने मेडेन ओवर विकेट डाला। चौथे ओवर में हेलिंगर ने एक विकेट लिया और फिर बाजवा आए। उन्होंने ओवर की शुरुआत नो-बॉल से की, फिर लेग साइड पर वाइड डाली और कुल 15 रन दे बैठे। दूसरी जांच एक टेलीफोन कॉल की रिकॉर्डिंग से जुड़ी है, जिसमें उस समय के कनाडा कोच खुर्रम चौहान यह दावा करते हैं कि क्रिकेट कनाडा के कुछ सीनियर द्धअब पूर्वक्र्र बोर्ड सदस्यों ने उन पर राष्ट्रीय टीम में कुछ खिलाड़ियों को चुनने का दबाव डाला। यह ऑडियो पिछले साल लीक हुआ था और तब से एसीयू इसकी जांच कर रही है। इस रिकॉर्डिंग में मैच फिक्सिग की कोशिशों के भी आरोप हैं, हालांकि उन्हें साबित करना मुश्किल बताया गया है। आईसीसी की इंटीग्रिटी यूनिट के अंतरिम जनरल मैनेजर एंड्रयू एफग्रेव ने बयान में कहा कि एसीयू को सीबीसी द्वारा प्रसारित इस कार्यक्रम की जानकारी है। हमारी प्रक्रिया के अनुसार, हम इसमें लगाए गए आरोपों के विवरण पर टिप्पणी नहीं कर सकते।

सीएसके के दल के साथ हैदराबाद पहुंचे धेनी

हैदराबाद, वार्ता। क्या एमएस धोनी शनिवार शाम को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ होने वाला चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का अगला मुकाबला खेलेंगे? भले ही इसकी पुष्टि अभी नहीं हो सकती लेकिन धोनी के टीम के साथ हैदराबाद की यात्रा करने के चलते इसकी संभावना काफी बढ़ गई है। जब टीम हैदराबाद एयरपोर्ट पर पहुंची तब प्रशंसक धोनी की एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़े।

सीएसके द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में यह देखा जा सकता है कि जब धोनी टीम बस में जा रहे हैं तब प्रशंसक उनका नाम चिल्ला रहे हैं। धोनी इस समय काफ स्ट्रेन से उबर रहे हैं और आईपीएल 2026 में सीएसके के पहले पांचों मुकाबले से बाहर रहे। उन्होंने घर के बाहर मुकाबलों के लिए सीएसके के साथ गुवाहाटी और बेंगलुरु की यात्रा भी नहीं की। वह सीएसके के मुकाबलों के दिन चेपॉक भी नहीं गए थे।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले की पूर्व संध्या पर उन्होंने टीम के अभ्यास सत्र के अंतिम चरण में थोड़ी देर के लिए अभ्यास किया था लेकिन इस दौरान उन्होंने सिर्फ थ्रोडाउन का ही सामना किया था। सीएसके ने सीजन की शुरुआत लगातार तीन हार से की थी लेकिन उन्होंने अपने पिछले दोनों मुकाबले जीते हैं।

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

कामकाजी परिस्थितियां!

भारत की औद्योगिक क्षमता के विस्तार से पुराने पड़ चुके बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ रहा है, ज्यादा से ज्यादा संयंत्र करीब-करीब अपनी अधिकतम क्षमता पर काम कर रहे हैं, और उनके प्रबंधन में व्याप्त खामियों को मीडिया में अधिक कवरेज और राजनीतिक ध्यान मिल रहा है। संभव है कि ये इकाइयां लंबे समय से अपने कामगारों को खतरनाक कामका. जी परिस्थितियों में झोंक रही हों और लिहाजा पैदा होने वाले संकट पूरी तरह से आकस्मिक नहीं हैं। अनुबंध पर काम करने वाले श्रमिक (कांट्रैक्ट लेबर) सबसे ज्यादा जोखिम में हैं। कामगारों का एक बढ़ता हुआ हिस्सा उपठेकेदारों के जरिए काम पर रखे गए प्रवासी श्रमिकों का है। किसी आपदा के बाद ये कामगार और संचालक एक-दूसरे पर दोष मढ़ते हैं। सुरक्षा संबंधी संकेत और नियमावली अक्सर कामगारों की मातृभाषा में उपलब्ध नहीं होते हैं। हाल ही में बायलर विस्फोट की घटनाओं में आई बाढ़ के पीछे की एक इंजीनियरिंग से जुड़ी हकीकत यह है कि बायलर कभी भी इस तरह अचानक खराब नहीं होते हैं। ये हादसे आमतौर पर बहुत ज्यादा दबाव, क्षमता में बदलाव (स्केलिंग), पानी के स्तर के कुप्रबंधन और/या फिर से सक्रिय करने संबंधी तनाव (रिवाइवल स्ट्रेस) की वजह से होते हैं। इनमें से हरेक कारक का जोखिम वक्त के साथ बढ़ता जाता है। कुल 20 लोगों की जिंदगी लील लेने वाले छत्तीसगढ़ के शक्ति संयंत्र में हुए बायलर विस्फोट और 2020 में विशाखापत्तनम गैस रिसाव एवं 2020 में नेवेली के एक ताप विद्युत केंद्र में हुए विस्फोट में काफी कुछ समानताएं हैं। विशाखापत्तनम वाले मामले में जहां लाकडाउन के बाद फिर से शुरू होने पर एक इकाई में सुरक्षा प्रणालियां निष्क्रिय या ठीक नहीं थीं, वहीं नेवेली वाले मामले में संयंत्र को दोबारा चालू करने की प्रक्रिया ने विस्फोट को जन्म दिया। शक्ति संयंत्र को भी हाल ही में अधिग्रहित व चालू किया गया था और विस्फोट के वक्त वह अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर रहा था। संच. ालन की इन अस्थिर स्थितियों में, विफलताएं अक्सर क्षणिक तापीय और दबाव संबंधी असंतुलन की वजह से होती हैं। हालांकि, व्यवहार में, न तो राष्ट्रीय बायलर निरीक्षण व्यवस्था और न ही नियामक ढांचा इन चरणों में निगरानी को बढ़ाता है। बायलर की स्थिति भले ही रोजाना बदलती रहती हो, लेकिन इनका प्रमाणन एक साल तक वैध रहता है। मौजूदा ढांचा असुरक्षित संचालन के बजाय काम बंद रहने की अवधि (डाउनटाइम) के लिए दंडित करता है और रखरखाव के लिए की गई कार्यबंदी (शटडाउन) को पुरस्कृत करता है। शक्ति संयंत्र में हुए हादसे जैसी घटनाएं इस बात का भी सबूत हैं कि निरंतर यंत्रीकरण (इंस्ट्रूमेंटेशन) और जांच के बजाय निर्माण संबंधी मानकों पर ढांचे का ध्यान केंद्रित करना कारगर नहीं है। केंद्र सरकार का व्यावसाय करने में आसानी पर ध्यान केंद्रित करने से औचक सरकारी निरीक्षणों की जगह पर स्व-प्रमाणीकरण और निर्धारित तीसरे-पक्ष द्वारा जांच को बढ़ावा मिला है।

महिलाओं का सशक्तिकरण नहीं होने वाला

सरकार परिसीमन की आड़ में भारत का निर्वाचक मानचित्र बदल देना चाहती है, लेकिन इससे महिलाओं का सशक्तीकरण नहीं होने वाला है, संसदीय सीटों का परिस. ीमन देश द्रोह है और विपक्ष इसे किसी कीमत नहीं होने देगा सरकार लोक सभा सीटों का परिसीमन और विधायिका में महिलाओं का आरक्षण जिस तरह से देना चाहती है, वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलितों और अल्पसंख्यकों के हितों पर हमला है। विपक्षी सदस्य इसका कड़ा विरोध करते हैं, आप ओबीसी को, दलितों को हिन्दू तो कहते हैं, पर सत्ता में उन्हें स्थान नहीं देते, कार्पोरेट में ओबीसी, दलित कहां हैं, शिक्षा क्षेत्र में वंचित वर्ग कहां है, निजी क्षेत्र में ओबीसी -दलित कहां हैं, सार्वजनिक क्षेत्र से वंचित वर्गों को हटाया जा रहा है।

-राहुल गांधी, नेता विपक्ष, लोकसभा

धरोहरों में धड़कता भारतीय इतिहास

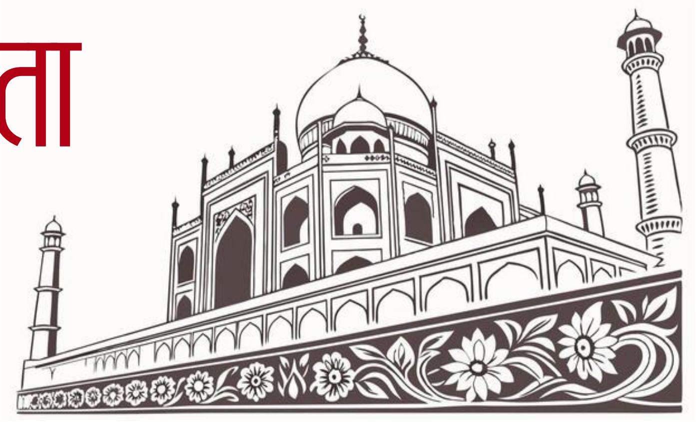

विश्व धरोहर दिवस, जिसे आधिकारिक रूप से 'स्मारकों और स्थलों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस' कहा जाता है, मानव सभ्यता की स्मृतियों और भविष्य की जिम्मेदारियों के बीच सेतु का प्रतीक है। वर्ष 1983 में यूनेस्को द्वारा स्थापित यह दिवस हर वर्ष 18 अप्रैल को हमें यह स्मरण कराता है कि इतिहास केवल पुस्तकों में नहीं बल्कि पत्थरों, गुफाओं, नदियों, जंगलों और स्मारकों में जीवित रहता है। यह उन कहानियों का जीवंत संग्रह है, जिन्हें समय ने तराशा है और जिन्हें संरक्षित रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। भारत, जो हजारों वर्षों की सतत सभ्यता का वाहक रहा है, अपनी विविधता, गहराई और सांस्कृतिक समृद्धि के कारण विश्व धरोहर मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान रखता है।

वर्तमान में भारत के पास 44 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं, जो इसे वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में स्थापित करते हैं और यह दर्शाते हैं कि भारत केवल अतीत का संग्रहालय नहीं बल्कि प्रकृति और संस्कृति के अद्भुत संतुलन का जीवंत उदाहरण है। भारत की सांस्कृतिक धरोहरों में ताजमहल की श्वेत संगमरमर में उकेरी गई प्रेमगाथा, कुतुब मीनार की स्थापत्य भव्यता, खजुराहो मंदिर की कला और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम तथा अजंता और एलोरा गुफाओं की भित्ति चित्रों और शिल्पकला की अनूठी परंपरा शामिल है। यह केवल स्मारक नहीं बल्कि भारतीय चेतना की परतों को खोलने वाली जीवित कृतियां हैं, जो धर्म, दर्शन, कला और विज्ञान के समन्वय को प्रस्तुत करती हैं। इसी तरह हम्पी और महाबलपुरम जैसे स्थल यह प्रमाणित करते हैं कि प्राचीन भारत में स्थापत्य, जल प्रबंधन और खगोल विज्ञान कितने उन्नत स्तर पर थे। प्राकृतिक धरोहरों की बात करें तो भारत की जैव विविधता विश्व में अद्वितीय है। काजीरंगा नेशनल पार्क, सुंदरबन नेशनल पार्क, वेस्टर्न घाट और वैली ऑफ फ्लावर्स नेशनल पार्क जैसे स्थल न केवल प्राकृतिक सौंदर्य के प्रतीक हैं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन और जैव विविधता के संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह क्षेत्र हमें यह भी सिखाते हैं कि प्रकृति और मानव का संबंध प्रतिस्पर्धा का नहीं बल्कि सह-अस्तित्व का होना चाहिए। भारत का एकमात्र मिश्रित धरोहर स्थल कंचनजंघा नेशनल पार्क इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि किस प्रकार प्रकृति और संस्कृति एक-दूसरे में घुल-मिलकर एक समग्र विरासत का निर्माण करती हैं। यहां के पर्वत, मिथक, स्थानीय आस्थाएं और पारंपरिक ज्ञान इस क्षेत्र को केवल भौगोलिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी विशिष्ट बनाते हैं। विश्व धरोहर सूची में किसी स्थल का शामिल होना केवल सम्मान नहीं बल्कि एक कठोर और बहुआयामी प्रक्रिया का परिणाम होता है। पहले किसी स्थल को 'टेंटेटिव लिस्ट' में शामिल किया जाता है, फिर विशेषज्ञों द्वारा उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, स्थापत्य और संरक्षण संबंधी पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया जाता है। जब वह सभी मानकों पर खरा उतरता है, तभी उसे विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त होता है। यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि सूची में शामिल प्रत्येक स्थल मानवता के लिए असाधारण सार्वभौमिक मूल्य रखता हो। हाल के वर्षों में भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। 2024 में असम के मोइदाम-अहोम राजवंश की दफन प्रणाली को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया जबकि 2025 में मराठा सैन्य परि.श्यों को यह प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। यह दोनों उदाहरण यह दर्शाते हैं कि भारत की विरासत केवल प्राचीन मंदिरों और स्मारकों तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें विविध ऐतिहासिक परंपराएं और क्षेत्रीय पहचान भी शामिल हैं। भारत की धरोहरें केवल राजाओं और साम्राज्यों की कहानी नहीं कहती बल्कि आम जनजीवन की रचनात्मकता, विश्वास और सामाजिक संरचना को भी अभिव्यक्त करती हैं। नालंदा विश्वविद्यालय और विक्रमशिला जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्र यह दर्शाते हैं कि भारत कभी वैश्विक ज्ञान का केंद्र रहा है, जहां दुनियाभर से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते थे। इसी प्रकार भीमबेटका की गुफाएं मानव सभ्यता के प्रारंभिक चरणों की झलक प्रस्तुत करती हैं, जहां हजारों वर्ष पुराने चित्र आज भी संवाद करते प्रतीत होते हैं। हालांकि इस गौरवशाली विरासत के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। तेजी से बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अतिक्रमण और अनियंत्रित पर्यटन कई धरोहर स्थलों के अस्तित्व पर खतरा बनकर मंडरा रहे हैं। ताजमहल के आसपास बढ़ता वायु प्रदूषण और काजीरंगा नेशनल पार्क में मानवीय हस्तक्षेप इस बात के उदाहरण हैं कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो ये धरोहरें केवल स्मृतियों में सिमट सकती हैं।

इस दिशा में भारत सरकार और विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण लगातार संरक्षण और पुनरुद्धार के कार्यों में सक्रिय है। 'एडॉप्ट ए हेरिटेज' जैसी योजनाओं के माध्यम से निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों को भी संरक्षण में भागीदार बनाया जा रहा है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से 'वर्चुअल हेरिटेज वॉक' जैसी पहलें नई पीढ़ी को धरोहरों से जोड़ने का प्रयास कर रही हैं। फिर भी, केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। धरोहर संरक्षण को जनआंदोलन बनाना होगा। जब तक स्थानीय समुदाय स्वयं इन स्थलों को अपनी पहचान का हिस्सा नहीं मानेंगे, तब तक संरक्षण के प्रयास अधूरे रहेंगे। बिश्नोई जैसे समुदायों का उदाहरण यह दर्शाता है कि यदि समाज जागरूक हो तो वह प्रकृति और विरासत दोनों की रक्षा कर सकता है। भारत की कई ऐसी धरोहरें भी हैं, जो अभी यूनेस्को की सूची

श्वेता गोयल

में शामिल नहीं हैं लेकिन उनकी महत्ता किसी भी . ष्टि से कम नहीं है। वाराणसी की प्राचीनता, मथुरा-वृंदावन की सांस्कृतिक जीवंतता, उज्जैन की धार्मिक परंपरा और लोकटक झील की पारिस्थितिक विशिष्टता यह दर्शाती है कि भारत की विरासत केवल सूचीबद्ध स्थलों तक सीमित नहीं है बल्कि हर क्षेत्र, हर संस्कृति और हर परंपरा में समाई हुई है। आज के समय में, जब वैश्वीकरण और उपभोक्तावाद के प्रभाव में समाज तेजी से बदल रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि हम अपनी जड़ों से जुड़े रहें। धरोहरें केवल अतीत का अवशेष नहीं बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाली प्रेरणा हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि विकास केवल आधुनिकता में नहीं बल्कि परंपरा और नवाचार के संतुलन में निहित है। भारत की धरोहरों में इतिहास पत्थरों में दर्ज है लेकिन उनका अर्थ जीवंत है। वे हमें हमारी पहचान, हमारी संस्कृति और हमारी सामूहिक चेतना से जोड़ती हैं। इन्हें संरक्षित करना केवल अतीत को बचाना नहीं बल्कि भविष्य को संवारना है। यह जिम्मेदारी जितनी सरकार की है, उतनी ही समाज की भी है। यही वह संवाद है, जो धरोहरों को अमर बनाता है। भारत की 44 विश्व धरोहरें इसी अमर संवाद की प्रतीक हैं, एक ऐसा संवाद, जो अतीत से वर्तमान और वर्तमान से भविष्य तक निरंतर प्रवाहित हो रहा है।

भारत का फार्मा सेक्टर : युवाओं के लिए नया आकाश

हम उद्योग-अकाद. मिक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। इसी दिशा में, शिक्षा और उद्योग के बीच तालमेल बिठाने के लिए नाईपर और उद्योग के बीच 356 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही स्किल डेवलपमेंट मिशनों के माध्यम से छात्रों को सीधे कंपनियों के साथ जुड़ने के मौके दिए जा रहे हैं। इससे न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ेगी, बल्कि भारत एक ग्लोबल इना. ेवेशन हब बनेगा।

भारत आज दुनिया की श्फार्मेसीश के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर चुका है, और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप अब हम केवल जेनेरिक दवा बनाने वाले देश से आगे बढ़कर एक श्नवाचार-आधारितश वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर हैं। हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसी नीतियां बनाना है जिससे देश के हर नागरिक कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण दवाएं से मिल सकें। साथ ही सरकार निरंतर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दे रही है और भारतीय फार्मा उद्योग को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए काम कर रही है। भारत की अब तक की सफलता उसकी उत्पादन क्षमता, लागत दक्षता और गुणवत्ता मानकों पर आधारित रही है। विश्व की लगभग 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं और 60 प्रतिशत वैक्सीन आपूर्ति के साथ देश ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसको देखते हुए भारत सरकार ने 8 से 10 वर्षों में देश को उच्च-मूल्य, नवाचार-आधारित बायोफार्मा और उन्नत चिकित्सीय उत्पादों का वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इसकी आधारशिला के रूप में हालिया केंद्रीय बजट में घोषित रुपये 10,000 करोड़ की 'बायोफार्मा शक्ति' पहल महत्वपूर्ण है। यह कार्यक्रम देश में वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार आधारित उद्योगों और अगली पीढ़ी की दवाओं के विकास को गति प्रदान करेगा। आर्थिक आंकड़े भी इस बात को दर्शाते हैं कि भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग वर्तमान में 50 अरब डॉलर का है। जिस रफ्तार से हम आगे बढ़ रहे हैं, 2030 तक इसके 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की पूरी संभावना है। इसे केवल संख्या नहीं, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए बेहतर भविष्य के रोडमैप के तौर पर भी देखने की जरूरत है। वर्तमान में फार्मास्युटिकल उद्योग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 30 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहा है। 2030 तक हेल्थकेयर और फार्मा क्षेत्र में 20 से 25 लाख नए रोजगार सृजित होंने की उम्मीद है। बायोफार्मा, मेडटेक और क्लीनिकल रिसर्च जैसे उभरते क्षेत्रों ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं।

हमारी सरकार का मानना है कि युवाओं की सफलता की नींव एक मजबूत शैक्षणिक ढांचे पर टिकी होती है। इसी विजन को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बजट में फार्मा सेक्टर के लिए और भी कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं। सरकार ने देश में तीन नए राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, वर्तमान में कार्यरत सात नाईपर संस्थानों को अपग्रेड किया जा रहा है। इन सात संस्थानों में श्सेंटर ऑफ एक्सीलेंसश की स्थापना की गई है, जो अनुसंधान और विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से विशेष क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है, नाईपर मोहाली में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल दवाओं की खोज एवं विकास, नाईपर अहमदाबाद में मेडिकल डिवाइसेज, नाईपर हैदराबाद में बल्क ड्रग्स, नाईपर कोलकाता में फ्लो केमिस्ट्री और सतत विनिर्माण, नाईपर रायबरेली में नोबेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम, नाईपर गुवाहाटी में फाइटोफार्मास्यूटिकल्स तथा नाईपर हाजीपुर में बायोलॉजिकल थेरैप्यूटिक्स पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। इन संस्थानों का सीधा लाभ हमारे विद्यार्थियों को मिलेगा। नाईपर केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं रह जाएंगे, बल्कि वे ऐसे केंद्र बनेंगे जहां छात्र उद्योग की वास्तविक चुनौतियों पर काम करेंगे। इससे हमारे छात्र केवल जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर और नवाचारी बनेंगे। बदलते दौर में काम करने के तरीके बदल रहे हैं। अनुमान है कि 2030 तक फार्मा सेक्टर के लगभग 30-35 प्रतिशत कार्यबल को री-स्किलिंग यानी नए कौशल सीखने की जरूरत होगी। केयर डिलीवरी, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग की परिभाषाएं बदल रही हैं। डेटा विश्लेषण, डिजिटल हेल्थ और नियामक मामलों में उच्च कौशल वाले युवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी। हमारी सरकार का ध्यान इसी स्किल गैप को भरने पर है। हम चाहते हैं कि हमारे छात्र क्लीनिकल रिसर्च और अनुसंधान और विकास में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करें। शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करना हमारी प्राथमिकता है। जब तक हमारे कॉलेजों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और उद्योग की जरूरतें एक समान नहीं होंगी।

-अनुप्रिया पटेल

(लेखक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं)

नोएडा में अशांति : कारखाना मालिकों को सबक लेने की जरूरत

नोएडा के औद्योगिक क्षेत्र में बीते 13 अप्रैल को जो घटना घटी, वह केवल एक स्थानीय प्रदर्शन नहीं थी। फेज-2 के होजरी कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 60, 62, 63 और आसपास के दर्जनों कारखानों के हजारों मजदूर वेतन वृद्धि, ओवरटाइम का दोगुना भुगतान, साप्ताहिक छुट्टी, बोनस और शिकायत निवारण समिति जैसी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे। शुरू में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन था, लेकिन जल्द ही पथराव, वाहनों में आगजनी, संपत्ति तोड़फोड़ और पुलिस के साथ टकराव का रूप ले लिया। पुलिस को आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। सैकड़ों लोग घायल हुए, दर्जनों वाहन जलाए गए और सैकड़ों मजदूरों की गिरफ्तारी हुई। उत्तर प्रदेश सरकार ने तुरंत न्यूनतम मजदूरी में 21 प्रतिशत की अंतरिम वृद्धि की घोषणा कर दी, लेकिन आग बुझने में समय लगा।यह घटना मात्र नोएडा की नहीं है। यह पूरे देश के लिए एक बड़े संदेश की तरह है। आज भारत मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अगर श्रमिक-प्रबंधन संबंधों को नजरअंदाज किया गया तो नोएडा जैसी स्थिति कहीं भी दोहराई जा सकती है।

मुख्य वजह हरियाणा और उत्तर प्रदेश के बीच न्यूनतम मजदूरी का बड़ा अंतर था। हरियाणा सरकार ने हाल ही में अनुभवी मजदूरों के वेतन में करीब 35 प्रतिशत की वृद्धि कर दी। अकुशल श्रमिकों के वेतन को 14,000 रूपए से बढ़ाकर 19,000 रूपए तक कर दिया गया। नोएडा के मजदूरों को यही खबर मिली और उन्होंने मांग की कि उनका वेतन भी उसी स्तर पर हो। वर्तमान में

नोएडा में कई कारखानों में अनुभवी मजदूरों को 11-13 हजार रूपए मासिक मिल रहे थे, जबकि महंगाई, किराया, राशन, शिक्षा और स्वास्थ्य खर्च ने आसमान छू लिया है। साथ ही लंबे काम के घंटे, ओवरटाइम का सिंगल रेट, वेतन स्लिप न मिलना और यौन उत्पीड़न समिति जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी ने आक्रोश को भड़काया। सोशल मीडिया पर 'हरियाणा मॉडल' की खबरें तेजी से फैलीं। कुछ बाहरी तत्वों ने भी इसे भड़काने की कोशिश की, लेकिन मूल समस्या आर्थिक थी। तीन-चार दिन के शांत प्रदर्शन के बाद 13 अप्रैल को हिंसा भड़क गई। पुलिस ने न्यूनतम बल प्रयोग किया, लेकिन स्थिति बिगड़ चुकी थी। सरकार ने बाद में 1 अप्रैल से लागू होने वाली वेतन वृद्धि की घोषणा की, फिर भी कई मजदूर संतुष्ट नहीं हुए। यह अशांति अचानक नहीं आई है। पिछले कुछ वर्षों में देश भर में श्रमिकों के बीच असंतोष बढ़ा है। कारण कई हैं। महंगाई और वास्तविक आय में कमीरू खाने-पीने, आवास और परिवहन का खर्च तेजी से बढ़ा है, लेकिन वेतन वृद्धि धीमी रही। विशेषकर अनुबंधित और ठेकेदार मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित रहे।श्रम कानूनों का अधूरा कार्यान्वयनरू चार नए श्रम संहिताओं का उद्देश्य सुविधा देना था, लेकिन कई राज्यों में उन्हें पूरी तरह लागू नहीं किया गया। न्यूनतम मजदूरी की समीक्षा समय पर नहीं होती।प्रबंधन की उदासीनतारू कई कारखाने एमएसएमई क्षेत्र के हैं। मालिक लागत बचाने के चक्कर में वेतन, बोनस और सुरक्षा पर ध्यान नहीं देते। संवाद की कमी भी रहती है। जब हरियाणा में वेतन बढ़ा, तो नोएडा के मालिकों ने इसे 'स्थानीय मुद्दा' मानकर नजरअंदाज कर दिया। नोएडा जैसे क्षेत्रों में ज्यादातर मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों और पूर्वी राज्यों से आते हैं। वे परिवार को पैसा भेजने के लिए कम वेतन पर भी काम करते हैं, लेकिन महंगाई ने उनका सब्र तोड़ दिया। सोशल मीडिया और सूचना का प्रसार ऐसा होने लगा कि एक जिले की खबर दूसरे जिले में तुरंत पहुंचने लगी। जिस कारण तुलना

कर्मचारियों के हक

नोएडा से सबक लेकर देश भर के कारखाना मालिकों को तुरंत कुछ कदम उठाने चाहिए।

- **हर साल महंगाई के आधार पर 10 से 20 फीसदी वेतन बढ़ोतरी का फॉर्मूला तय करें।**
- **वेतन समय पर और स्लिप के साथ दें।**
- **ग्रेविएंस कमेटी, वर्कर्स वेलफेयर कमेटी बनाएं।**
- **मासिक बैठकें रखें।**
- **ओवरटाइम, पीएफ, ईएसआई, बोनस, छुट्टियां जैसे सभी नियमों का पालन करें।**
- **मजदूरों को ट्रेनिंग दें ताकि वे ज्यादा उत्पादक बनें व बेहतर वेतन का हकदार हों।**
- **काम का माहौल सुरक्षित और सम्मानजनक बनाएं।**
- **यौन उत्पीड़न समिति अनिवार्य रूप से सक्रिय रखें।**
- **राज्य और केंद्र सरकार के साथ मिलकर लंबी अवधि की मजदूरी नीति बनाएं।**

रजनीश कपूर

आसान हो गई है। इसी तरह की घटनाएं पहले गुरुग्राम, चेन्नई, कोयंबटूर और अहमदाबाद में भी देखी गई हैं। सवाल उठता है कि क्या दोष किसी एक पक्ष का है? उल्लेखनीय है कि कई फैक्टरियां लाभ कमा रही हैं, लेकिन मजदूरों को न्यूनतम सुविधाएं भी नहीं दे पा रही। संवाद की जगह दमन का रवैया अपनाया जाता है। वहीं सरकार की बात करें तो उनके द्वारा न्यूनतम मजदूरी की समीक्षा में देरी करना। पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय की कमी।

श्रम विभाग की कमजोरनिगरानी, आदि जैसे कई कारण हैं जो सरकार को भी सवालों के घेरे में लाते हैं। वहीं मजदूरों की बात की जाए तो हिंसा कभी जायज नहीं होती। वाहनों में आग लगाना, पथराव और संपत्ति तोड़फोड़ से उनकी अपनी मांगें कमजोर होती हैं। ऐसे में कुछ बाहरी उकसावे वाले तत्व इन सब का फायदा उठा लेते हैं। कई जगह यूनियनें राजनीतिक रंग ले लेती हैं और संवाद की बजाय आंदोलन को बढ़ावा देती हैं। वास्तव में दोष 'व्यवस्था' का है, जिसमें त्रिपक्षीय संवाद (सरकार-प्रबंधन-श्रमिक) कमजोर हो गया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

प्रयागराज। भीषण गर्मी में पानी के टैंकर के ऊपर से पानी की बोतलें भरता व्यक्ति।

मार्को रुबियों-एवेट कपूर के बीच युद्ध विराम व होर्मुज को लेकर चर्चा

लंदन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर के साथ अमेरिकी-ईरान युद्ध विराम और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सुरक्षा पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि दोनों नेताओं ने युद्ध विराम के अगले कदमों की समीक्षा की और जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया, ताकि वाणिज्यिक जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान संघर्षविराम 22 अप्रैल को समाप्त होने वाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उल्लेख किया कि यह अभी भी अनिश्चित है कि युद्ध विराम को आगे बढ़ाया जाएगा या नहीं, लेकिन उन्होंने चल रही बातचीत के बारे में आशा व्यक्त की।

मैक्रों ने इजरायल व लेबनान युद्धविराम का समर्थन किया

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इजरायल और लेबनान के बीच दस दिनों के युद्धविराम का 'पूर्ण समर्थन' किया है। मैक्रों ने हालांकि इस समझौते को लेकर चिंता भी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैं इस बात को लेकर चिंतित हूं कि सैन्य अभियानों के जारी रहने से यह युद्धविराम कमजोर पड़ सकता है। मैं सीमा के दोनों ओर नागरिक आबादी की सुरक्षा की अपील करता हूं। हिजबुल्लाह को अपने हथियारों का त्याग करना चाहिए और इजरायल को लेबनान की संप्रभुता का सम्मान करते हुए युद्ध रोकना चाहिए। इजरायल और लेबनान दोनों ने इस युद्धविराम का स्वागत किया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे 'ऐतिहासिक शांति समझौता करने का अवसर' बताया है। यह समझौता फिलहाल दस दिनों के लिए है, जिसे बातचीत में प्रगति होने पर आगे बढ़ाया जा सकता है।

क्यूबा के राष्ट्रपति की ट्रम्प को दो टूक

अमेरिका ने सैन्य आक्रामकता दिखाई, तो लड़ाई लड़ेगा देश, हमें एक बार फिर गंभीर खतरों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा

■ डियाज कैनेल ने यह बात एक रैली में कही, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए थे

हवाना। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगेल डियाज-कैनेल ने कहा कि क्यूबा नहीं चाहता कि अमेरिका उस पर सैन्य कार्रवाई करे। उन्होंने कहा, अगर ऐसा होता है तो उनका देश लड़ने के लिए तैयार है। डियाज-कैनेल ने यह बात एक रैली में कही, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए थे।

यह रैली क्यूबा की क्रांति के 65 साल पूरे होने पर आयोजित की गई थी, जब क्यूबा ने खुद को समाजवादी देश घोषित किया था। डियाज-कैनेल ने कहा, यह बेहद चुनौतीपूर्ण समय है और हमें एक बार फिर गंभीर खतरों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा, जैसे 16 अप्रैल 1961 को थे। इन खतरों में (संभावित) सैन्य हमला भी शामिल है। हम यह नहीं चाहते, लेकिन इससे बचने के लिए तैयारी करना हमारा कर्तव्य है और अगर यह टालना संभव न हो, तो हमें इसे हराना होगा। उन्होंने यह बात ऐसे समय में कही, जब दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिका की ऊर्जा नाकेबंदी के कारण क्यूबा का संकट और गहरा गया है। इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रम्प ने कहा था कि ईरान के साथ जंग खत्म होने के बाद उनका प्रशासन क्यूबा पर फोकस कर सकता है। उन्होंने कहा कि हम इसे खत्म करने के बाद क्यूबा की ओर भी जा सकते हैं। उन्होंने क्यूबा को विफल देश बताया और कहा कि यह लंबे समय से खराब तरीके से चलाया जा रहा है। जनवरी के शुरुआत में ट्रम्प ने पहले भी क्यूबा में दखल की धमकी दी थी, जब अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला पर हमला किया और वहां से आने वाले तेल की आपूर्ति रोक दी। कुछ हफ्तों बाद ट्रम्प ने उन देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी, जो क्यूबा को तेल बेचते हैं या उपलब्ध कराते हैं। ट्रम्प और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के माता-पिता 1950 के दशक में क्रांति से पहले क्यूबा से प्रवास कर गए थे। दोनों ने क्यूबा की सरकार को अक्षम और दमनकारी बताया है। डियाज-कैनेल ने उन पर आरोप लगाया कि वे एक ऐसा 'कहानी' बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा क्यूबा असफल देश नहीं है। क्यूबा एक घिरा हुआ देश है। क्यूबा एक ऐसा देश है, जो कई तरह के हमलों का सामना कर रहा है। इनमें आर्थिक युद्ध, कड़ी नाकेबंदी और ऊर्जा नाकेबंदी शामिल हैं। उन्होंने कहा क्यूबा एक ऐसा देश है जिसे धमकाया जाता रहा है, लेकिन वह झुकता नहीं है। हर चीज के बावजूद समाजवाद की वजह से क्यूबा एक ऐसा देश है, जो संघर्ष करता है, आगे बढ़ता है और याद रखिए, यह देश जीतकर रहेगा। क्यूबा और अमेरिका दोनों ने माना है कि तनाव कम करने के लिए बातचीत चल रही है, लेकिन इसके बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

संक्षिप्त समाचार

आईडीएफ ने लेबनान में हिजबुल्लाह के 380 से अधिक ठिकानों को बनाया निशाना

यरूशलेम। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में लेबनानी शिया आंदोलन हिज्बुल्लाह के 380 से अधिक ठिकानों पर हमले किए। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा कि पिछले 24 घंटों में, आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान में सक्रिय जमीनी बलों के अभियानों का समर्थन करने के लिए हिजबुल्लाह आतंकवादी संगठन के 380 से अधिक ठिकानों पर हमले किए। आईडीएफ ने कहा कि हमलों में हिजबुल्लाह के सदस्यों, मुख्यालयों और लॉन्चरों को निशाना बनाया गया।

इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप पर हेलीकॉप्टर क्रैश, आठ की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप पर एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां पाम आयल के बागानों के बीच उड़ान भर रहा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को इस घटना की जानकारी दी। यह हेलीकॉप्टर 'पीटी मैथ्यू एयर नुसंतारा' कंपनी का था और इसका माडल एयरबस एच130 था। इसने पश्चिमी कालीमंतन प्रांत के मेल्वी जिले से उड़ान भरी थी।

लव एंड वॉर 21 जनवरी 2027 को होगी रिलीज

मुंबई। रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म लव एंड वॉर 21 जनवरी 2027 को दुनियाभर में रिलीज होगी भव्य स्तर पर बनी लव एंड वॉर, संजय लीला भंसाली की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। अपनी भव्य कहानी और इमोशनल गहराई के साथ, यह फिल्म भारत की सबसे बड़ी लव सागा और इंडियन सिनेमा की सबसे शानदार रोमांटिक फिल्मों में से एक बनकर उभर रही है।

ईरान से समझौते को खुद पाक जाएंगे ट्रम्प!

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहाः ईरान के साथ उनके रिश्ते बहुत अच्छे हैं, टिप्पणी को उनके यू-टर्न की तरह भी पेश किया जा रहा

■ मोदी के साथ फोन पर उनकी बातचीत 'बहुत अच्छी' रहीः ट्रम्प
■ दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति और समुद्री सुरक्षा पर चर्चा की

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ उनके रिश्ते बहुत अच्छे हैं। 40 दिनों से अधिक की जंग के बाद तनावपूर्ण शांति के बीच आई इस टिप्पणी को उनके यू-टर्न की तरह भी पेश किया जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने भारत और अमेरिका के संबंधों पर भी टिप्पणी की। ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना 'दोस्त' बताते हुए कहा कि मोदी के साथ फोन पर उनकी बातचीत 'बहुत अच्छी' रही।

पीएम मोदी ने भी ट्रम्प के फोन काल की पुष्टि की थी। गौरतलब है कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति और समुद्री सुरक्षा पर चर्चा की। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला और सुरक्षित रखने पर जोर दिया। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी दोनों नेताओं के बीच की बातचीत को सकारात्मक बताया। वहीं ट्रम्प ने यह भी कहा है कि अगर ईरान के साथ समझौता हो जाता है तो वह समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए पाकिस्तान जा सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत और ईरान से इतर इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम पर भी बयान दिया। उन्होंने लेबनानी राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में 10वां युद्ध रोकने में सफलता हासिल की है। डोनरो सिद्धांत जुमले का इस्तेमाल ट्रम्प की 2026 की विदेश नीति के संदर्भ में किया जाता है। इस धारा के तहत सरकार 'अमेरिका सबसे पहले और केवल अमेरिका' जैसे रुख पर जोर देती है। डोनरो सिद्धांत पूर्व राष्ट्रपति के दौर में इस्तेमाल 'मोनरो सिद्धांत' से प्रेरित है। दरअसल, 1823 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स मुनरो ने यूरोपीय उपनिवेशीकरण बंद करने का एलान किया था। उन्होंने कहा था कि अमेरिका में किसी भी हस्तक्षेप को अमेरिका के खिलाफ दुश्मनी बढ़ाने जैसे कृत्य के रूप में देखा जाएगा। बीते करीब 200 साल से अधिक समय से इस नीति को डोनरो सिद्धांत की तरह पेश किया जा रहा है। अब गाहे-ब-गाहे ट्रम्प की नीतियों को भी इसी जुमले के आधार पर पेश किया जाता है।

वहीं ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ बहुत जल्द जीत का दावा किया। उन्होंने ईरान की सैन्य क्षमताओं में भारी गिरावट का उल्लेख किया। ट्रम्प ने ईरान को कठिन, स्मार्ट देश बताया, पर कहा उसकी नौसेना खत्म हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के 158 जहाज समुद्र में डूब चुके हैं। ट्रम्प ने ईरानी कमांडर घोलमरेजा सुलेमानी को निशाना बनाने का भी जिक्र किया। उन्होंने सुलेमानी को 'सबसे बुरे आतंकवादियों में से एक' बताया, उस पर अमेरिकी सैनिकों पर हमलों का आरोप लगाया। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच, ट्रम्प ने ईरान के साथ युद्धविराम विस्तार पर अनिश्चितता जताई। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान के साथ जल्द ही एक समझौता हो सकता है। उन्होंने दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना मुख्य लक्ष्य है। अगले दौर की वार्ता सप्ताहांत में होने की संभावना है।

अमेरिका-ईरान के बीच पाकिस्तान में शांति वार्ता के दूसरे दौर की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अगले हफ्ते अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली दूसरे दौर की महत्वपूर्ण शांति वार्ता की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को समाप्त करना है। इस युद्ध ने दुनिया भर में ऊर्जा की आपूर्ति को बुरी तरह प्रभावित किया है। पिछले हफ्ते हुई पहली सीधी बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हो गई थी। हालांकि, दोनों पक्ष अभी दो हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम का पालन कर रहे हैं। यह युद्धविराम 22 अप्रैल को समाप्त होगा। पाकिस्तान इस मौके का फायदा उठाकर दोनों देशों को फिर से बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहा है। अधिकारिक ने सूत्रों ने शुक्रवार को कहा, दोनों पक्षों को बातचीत की टेबल पर वापस लाने के लिए तेजी से डिप्लोमैटिक काम हुआ। इस शांति प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर काफी सक्रिय हैं।

ट्रम्प ने अपनी आर्थिक नीतियों का बचाव किया

■ ईरान के साथ जारी युद्ध के कारण बढ़ती ऊर्जा कीमतों पर अमेरिकी राष्ट्रपति दे रहे सफाई

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पश्चिम एशिया में ईरान के साथ जारी युद्ध के कारण बढ़ती ऊर्जा कीमतों के बीच गुरुवार को लास वेगास में एक कार्यक्रम के दौरान अपनी सरकार के आर्थिक रिकॉर्ड का बचाव किया। श्रम विभाग की हालिया रिपोर्ट में पिछले महीने महंगाई में 0.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाई गई है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे बड़ी उछाल है। ट्रम्प ने इस रिपोर्ट की सत्यता पर संदेह जताते हुए इसे ईंधन और ऊर्जा की कीमतों में अस्थाई वृद्धि का परिणाम बताया।

उन्होंने कहा कि यह मत भूलिए कि ईंधन और ऊर्जा की कीमतों के कारण हमें कुछ 'फर्जी महंगाई' का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि ये बढ़ी हुई कीमतें 'अल्पकालिक' हैं और उन्होंने अमेरिकियों से आने वाले सप्ताह के घटनाक्रमों पर नजर रखने का आग्रह किया। गौरतलब है कि खाड़ी क्षेत्र में ईरान के जवाबी हमलों के बाद ईंधन की कीमतों में यह उछाल आया था, जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से होने वाला तेल व्यापार प्रभावित हुआ था। हालांकि, ट्रम्प द्वारा शांति वार्ता के दौरान संघर्ष पर अस्थाई रोक लगाने की घोषणा के बाद ऊर्जा बाजारों में कुछ राहत देखी गई है। उल्लेखनीय है कि आम जनता के लिए खर्चों को वहन करने योग्य बनाना ट्रम्प के 2024 के राष्ट्रपति अभियान का मुख्य आधार था। आगामी मध्यावधि चुनावों में भी जीवन यापन की लागत से जुड़ी चिंताएं बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। लास वेगास के इस कार्यक्रम में सरकार की 'नो टैक्स ऑन टिप्स' नीति पर प्रकाश डाला गया। इसे पिछले साल के 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट' के तहत लागू किया गया था, जो सेवा उद्योग की 60 से अधिक नौकरियों में मिलने वाली बख्शीश पर संघीय कर को समाप्त करता है। इस गोलमेज बैठक में वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, सांसद टॉमी ट्यूबरविल और नेवादा के लेफ्टिनेंट गवर्नर स्टावरोस एंथोनी भी शामिल हुए।

नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे बड़ी जांच शुरू

■ सात पूर्व पीएम, तीन राष्ट्रपति, राजा की संपत्ति की जांच, 100 मंत्री और अधिकारी भी दायरे में

काठमांडू। नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार ने 5 सदस्यीय न्यायिक पैनल बनाया है, जो 2006 से लेकर 2025-26 तक सार्वजनिक पदों पर रहे लोगों की संपत्ति की जांच करेगा। जांच के दायरे में 2005-06 के बाद के सभी 7 प्रधानमंत्रियों को भी शामिल किया गया है।

इनमें सुशील कोईराला, पुष्प कमल दहल, माधव कुमार नेपाल, झलनाथ खनाल, बाबूराम भट्टराई, केपी शर्मा ओली और शेर बहादुर देउबा शामिल हैं। इसके साथ ही दो अंतरिम सरकारों के प्रमुख खिलराज रेग्मी और सुशीला कार्की भी जांच के दायरे में आएंगे। इसमें पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह भी आएंगे। इसके अलावा तीन राष्ट्रपति राम बरन यादव, विद्या देवी भंडारी और मौजूदा राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल भी जांच के घेरे में होंगे। यह जांच सिर्फ बड़े नेताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मंत्री, संवैधानिक पदों पर बैठे 100 से ज्यादा लोग और वरिष्ठ नौकरशाह भी शामिल होंगे। यह जांच नेपाल में राजशाही खत्म होने के बाद के पूरे दौर को कवर करेगी। इसका मतलब 2006 के बाद का लगभग पूरा राजनीतिक नेतृत्व अब जांच के दायरे में आ गया है। खास बात यह है कि यह जांच शाह सरकार के अपने राजनीतिक दायरे तक भी जा सकती है।

अमेरिका में वैज्ञानिकों के लापता होने पर ट्रम्प बोलेः मामला गंभीर जांच का दिया आदेश

वाशिंगटन। अमेरिका में संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों के लापता या मृत होने की रिपोर्ट को लेकर चिंता बढ़ गई है। ट्रम्प ने इस मामले को 'गंभीर' बताया और जांच के आदेश दिए। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर बैठक की है और जल्द ही इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुछ बेहद महत्वपूर्ण लोग इससे जुड़े हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2023 के बाद से कम से कम 10 वैज्ञानिक या सरकारी कर्मचारी, जो एडवांस डिफेंस और एयरोस्पेस रिसर्च में काम कर रहे थे, लापता हो गए हैं या उनकी मौत हो गई है। इन मामलों में लास एलामोस नेशनल लैबोरेटरी, नासा की जेट प्रोपल्शन लैब और डप्ज के प्लाज्मा साइंस एंड फ्यूजन सेंटर से जुड़े लोगों का जिक्र किया गया है।

अमेरिकी सेना ने 12 साल बाद सीरिया छोड़ा

जॉर्डन लौट रहे सैनिक, सरकार बोलीः अब देश में एक ही प्रशासन चलेगा

दमिश्क। करीब 12 साल की सैन्य मौजूदगी के बाद अमेरिका ने सीरिया से अपने सभी सैनिक निकाल लिए हैं और सैन्य ठिकाने खाली कर दिए हैं। अप्रैल 2026 में हसाका के कसराक एयरबेस से आखिरी अमेरिकी काफिला निकल गया। इसके बाद सीरियाई सरकार ने सभी बेस अपने कब्जे में ले लिए।

सीरियाई विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यह कदम देश को एकजुट करने और पूरे इलाके पर सरकार का नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में बड़ा मोड़ है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की कि करीब 2000 सैनिक जार्डन जा रहे है। अमेरिका ने हसाका, रुमैलान और देइर एज-जोर में मौजूद कम से कम सात बड़े ठिकाने खाली किए। आखिरी ठिकाना कसराक एयरबेस था। अब इस पर सीरियाई सेना का नियंत्रण है। हसाका प्रांत के ग्रामीण इलाके में स्थित कसरक बेस है। अमेरिकी सेना की वापसी के बाद इसे सीरियाई सरकारी बलों को सौंप दिया गया। इस बीच, सीरिया सरकार और एसडीएफ के बीच हुए समझौते के बाद कुर्द लड़ाकों को राष्ट्रीय सेना में शामिल किया जा रहा है। हसाका और क़ामिशली जैसे शहरों में सरकारी बल तैनात हो चुके हैं और सीमाई इलाकों पर भी दमिश्क का नियंत्रण बढ़ा है। इसी साल दोनों पक्षों के बीच झड़पें भी हुई थीं, जिसके बाद मार्च में एक नया समझौता हुआ। इसके तहत एसडीएफ और कुर्द प्रशासनिक ढांचे को धीरे-धीरे राज्य में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू हुई। सीरिया ने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय एंटी-आईएसआईएल गठबंधन में शामिल होकर अपनी भूमिका बदली है। इससे अमेरिका के लिए सीरिया में सैन्य मौजूदगी का आधार कमजोर हुआ और अब वह क्षेत्र में अपनी रणनीति को नए सिरे से तय कर रहा है। एसडीएफ एक कुर्द-नेतृत्व वाला गठबंधन है, जिसे 2015 में बनाया गया था और इसमें कुर्द, अरब और दूसरे स्थानीय समूह शामिल हैं। सीरिया के गृहयुद्ध के दौरान जब सरकार कमजोर हुई, तब कुर्द लड़ाकों ने उत्तर-पूर्वी इलाकों पर कब्जा कर लिया। बाद में यही एसडीएफ के रूप में मजबूत ताकत बन गया। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शारा और सीरिया के विदेश मंत्री असद हसन अल शैबानी दमिश्क में एसडीएफ के नेता मजलूम अब्दी से मिले। फोटो 16 अप्रैल की है।

इजरायल-लेबनान के बीच युद्धविराम लागू

आक्रामक सैन्य अभियानों को रोकने पर सहमत हुए दोनों देश

■ लेबनान के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन हो सकता हैः ट्रम्प

तेल अवीव/बेरूत। इजरायल और लेबनान 10 दिनों के लिए संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं, जो पूर्वी समय अनुसार 16 अप्रैल शाम पांच बजे (भारतीय समयानुसार 17 अप्रैल तड़के 3:30 बजे) से प्रभावी हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कहा कि लेबनान के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन हो सकता है।

अच्छी चीजें हो रही हैं। ट्रम्प ने फिर से दावा किया कि उन्होंने दुनिया भर में नौ युद्धों को सुलझाया है और यह दसवां होगा। उन्होंने कहा कि तो चलिए इसे पूरा करते हैं। इस अस्थाई युद्धविराम का उद्देश्य स्थाई शांति समझौते की दिशा में बातचीत के लिए अवसर प्रदान करना है। यह समझौता ट्रम्प द्वारा इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनानी राष्ट्रपति जोसेफ औन के साथ चर्चा के बाद कराया गया था। समझौते के अनुसार, इजरायल और लेबनान आक्रामक सैन्य अभियानों को रोकने पर सहमत हुए हैं। लेबनान ने हिजबुल्लाह को हमले करने से रोकने के लिए सार्थक कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई है। इस अवधि के दौरान इजरायली बल दक्षिणी लेबनान में 10 किलोमीटर के 'सुरक्षा क्षेत्र' में बने रहेंगे। भले ही युद्धविराम आधिकारिक तौर पर प्रभावी है लेकिन लेबनानी सेना ने आज सुबह दक्षिणी गांवों में इजरायल द्वारा कई हमलों की सूचना दी। इस बीच, इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दावा किया कि उन्होंने पिछले 24 घंटों के दौरान लेबनान में हिजबुल्लाह के 380 से अधिक ठिकानों पर हमला किया। हिजबुल्लाह ने कहा कि वे तभी तक संघर्षविराम का 'पालन' करेंगे जब तक इजरायली हमले बंद रहेंगे। यह संघर्षविराम एक व्यापक क्षेत्रीय राजनयिक प्रयास का हिस्सा है जिसमें अमेरिका और ईरान के बीच अलग से चल रहा दो सप्ताह का युद्धविराम भी शामिल है।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108

देश/विदेश से एम.बी.बी.एस, एवं स्टडी वीजा के लिए सम्पर्क करें
• रशिया
• जॉर्जिया
• कजाखस्तान
• किर्गिज़स्तान
• उज्बेकिस्तान
• बांग्लादेश
• नेपाल
• चाईना
• ईरान
• इजिप्ट
• यू.के.
• कनाडा
• यू.एस.ए.
और भी देशों से
Since 2010
M.B.B.S. ABROAD
अन्जुम कलीम (एम.डी.) 8384872313 9457439020
M.B.B.S./M.D.
BDS, BAMS, BUMS, BEMS
Abroad Admission & Counselling For India
•Top Govt. Universities.
•MCI, WHO Approved Universities.
•Indian Hostel & Mess Available.
•Lowest Price Packages.
•Boys/Girls Hostels Are Separates Available.

अपना एम.बी.बी.एस. 25 से 27 लाख में पूरा करें जिसमें ट्यूशन फीस, हॉस्टल फीस, खाना 3 टाईम (वेज/नॉनवेज), वीजा एक्सटेंशन, इंश्योरेंस, मेडिकल, ट्रांसपोर्टेशन, लॉन्ड्री, एफ.एम.जी. ई. कॉचिंग, 15 इंडियन बेस्ट फैकल्टी के द्वारा दी जा रही है 471 बच्चें जनवरी एफ.एम.जी.ई. एक्जाम में पास हुऐ (अन्य कोई खर्चा नहीं)
www.mbbsbijnor.com
ADD : MBBS ABROAD CONSULTANCY, MOIN KA CHAURAHA, CHAHSHIREEN JAMA MASJID, B-21, BIJNOR (U.P)